THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 358 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.7 2083 बुधवार, 25 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'मोस्ट वांटेड माओवादी सुकरु और चार अन्य ने किया आत्मसमर्पण'

भुवनेश्वर, 24 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के मोस्ट वांटेड माओवादी सुकरु और चार अन्य ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, वांछित माओवादी कमांडर सुकरु उर्फ कोषा सोढ़ी के सिर पर 55 लाख रुपये का इनाम था। उसने अपने चार साथियों और एक एके-47 राइफल के साथ कंधमाल पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नक्सल विरोधी अभियान) संजीव पांडा ने पुष्टि की कि पांचों माओवादी अब पुलिस हिरासत में हैं।

'जंग जारी रही तो गंभीर नतीजे होंगे'

आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेगा, टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

नई दिल्ली, 24 (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया के हालात पर राज्यसभा में मंगलवार को 21 मिनट बोले। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। टीम इंडिया की तरह काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में हमारे जहाज और भारतीय क्रू फंसे हुए हैं। ये चिंताजनक है। हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। गैस-तेल, फर्टिलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई पर असर पड़ा है। एक दिन पहले पीएम ने लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच दी थी। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं।

राज्य सरकारों से अपील :

ऐसे संकट के समय में गरीबों पर, श्रमिकों पर बुरा असर पड़ता है। उन्हें पीएम गरीब अन्न कल्याण योजना का लाभ मिलता रहे। राज्य सरकार इसके लिए विशेष व्यवस्था करे। ऐसे समय में कालाबाजारी करने वाले, जमाखोरी करने वाले एक्टिव होते हैं। जहां से शिकायतें आती हैं, वहां कार्रवाई कीजिए। संकट कितना भी बड़ा है, भारत की तेज ग्रोथ बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है। हमें हर जरूरी कदम, हर जरूरी रिफॉर्म तेजी से करते रहने होंगे।

किसानों को मैसेज :

सरकार कोशिश कर रही है कि आने वाले बुआई के सीजन में किसानों को खाद मिलती रहे। सरकार ने खाद की पर्याप्त सप्लाई के लिए जरूरी तैयारियां की है। किसानों को फिर आश्वस्त करूंगा कि सरकार हर चुनौती के समाधान के लिए उनके साथ खड़ी है। ये राज्यों का सदन है। आने वाले समय में संकट हमारे देश की बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें सफलता के लिए राज्यों का सहयोग जरूरी है। राज्यों की सरकार से आग्रह करना चाहता हूं। कोरोना के समय में जैसे अलग-अलग सेक्टर से निपटने के लिए अफसरों के एम्पॉवर्ड ग्रुप बने थे, वैसे ही कल 7 एम्पॉवर्ड ग्रुप बनाए गए हैं।

जंग के बीच पहली बार मोदी-ट्रम्प की बातचीत

वॉशिंगटन, 24 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। उनके मुताबिक, दोनों नेताओं ने मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात पर चर्चा की। खास तौर पर होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की अहमियत पर जोर दिया गया।

दूसरी तरफ खबर है कि ईरानी सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार है। खामेनेई ने युद्ध को ईरान की शर्तों के अनुसार जल्द खत्म करने पर सहमति जताई है। अल अरबिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ को गुप्त रूप से बताया कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने वार्ता के लिए अनुमति दी है।

'ट्रंप को पता होता है मोदी क्या करेंगे क्या नहीं'

> राहुल गांधी ने सरकार की विदेश नीति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बीते 25 दिनों से जारी संघर्ष के चलते अब भारत की राजनीति में सियासी गर्माहट बढ़ गई है। जहां एक तरफ सोमवार को लोकसभा के बाद आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में भी पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत सरकार का रुख साफ किया। वहीं दूसरी ओर संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर उनकी विदेश नीति को लेकर जमकर निशाना साधा।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत की विदेश नीति अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निजी विदेश नीति बन गई है। इस बात का असर हम देख पा रहे हैं कि ये एक मजाक बनकर रह गया है। पूरी दुनिया इसे मजाक मानती है। राहुल गांधी ने एक बार फिर पीएम मोदी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नियंत्रण में होने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी पूरी तरह से ट्रंप के नियंत्रण में हैं। ट्रंप को पूरा पता है कि पीएम मोदी क्या करने वाले हैं और क्या नहीं। राहुल गांधी ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री की स्थिति कमजोर हुई, तो देश की विदेश नीति भी कमजोर हो जाएगी। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर लिया, कल संसद में बेतुका भाषण दे दिया। इससे भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कोई ठोस रुख नहीं दिखाई दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के इन कारणों के चलते आम जनता को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, जैसे कि एलपीजी और पेट्रोल की बढ़ती कीमतें। राहुल गांधी ने याद दिलाया कि पीएम मोदी ने हालात को कोविड जैसी स्थिति से जोड़कर बताया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कोविड के दौरान कितनी जानें गईं और कितनी त्रासदियां हुईं।

सुप्रीम कोर्ट बोला-महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदार

नई दिल्ली, 24 (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) की महिला अफसरों को पूरी पेंशन देने का आदेश दिया। जिन मामलों में महिला अफसर परमानेंट कमीशन (पीसी) नहीं मिलने के कारण पहले ही सेवा छोड़ चुकी थीं, उन्हें एकमुश्त राहत देते हुए 20 साल की सेवा पूरी मानकर पेंशन और अन्य लाभ देने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा-सशस्त्र बलों के भीतर मौजूद सिस्टमिक भेदभाद के कारण महिला अफसरों को परमानेंट कमीशन से वंचित किया गया। महिलाओं को परमानेंट कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था। पूरा मामला एसएससी के तहत नियुक्त महिला अफसरों की याचिकाओं से जुड़ा था, जिन्होंने पीसी देने की मांग की थी। एसएससी के तहत नियुक्त अफसर का कार्यकाल 10 साल का होता है, जिसे 4 साल तक बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद योग्यता के आधार पर परमानेंट कमीशन दिया जाता है। परमानेंट कमीशन नहीं मिलने पर उन्हें सेवा छोड़नी होती है।

'एलपीजी की डिलिवरी सामान्य, पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश'

नई दिल्ली, 24 (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सरकार ने अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान देश में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति स्थिति पर महत्वपूर्ण जानकारी दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है। साथ ही, सिटी गैस वितरण संस्थाओं को पीएनजी कनेक्शन के विस्तार के लिए निर्देश भी जारी किए गए हैं।

संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। हालांकि, बड़ी संख्या में कार्गो लाइन में लगे हुए हैं। देश भर के एलपीजी वितरकों के पास किसी भी तरह की कमी की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दिनों कुछ घबराहट में बुकिंग देखी गई थी। लेकिन एलपीजी की डिलीवरी सामान्य बनी हुई है। मंत्रालय ने आश्वस्त किया है कि पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति भी पर्याप्त मात्रा में हो रही है। सभी घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर नियमित रूप से दिए जा रहे हैं। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पीएनजी की आपूर्ति शत प्रतिशत सुनिश्चित की गई है। शर्मा ने स्पष्ट किया कि सभी खुदरा दुकानों पर सामान्य परिचालन जारी है। उन्होंने दोहराया कि ईंधन स्टेशनों पर पर्याप्त पेट्रोल और डीजल उपलब्ध है। उन्होंने आम जनता से अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील की। साथ ही, घबराहट में खरीदारी से बचने का आग्रह किया।

कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी को यूएपीए मामले में उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली, 24 (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह सजा उन्हें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक गंभीर मामले में दी गई है। आसिया अंद्राबी को उनकी भूमिका के लिए आजीवन कारावास की सजा मिली है। इस फैसले को अलगाववादी तत्वों के खिलाफ एक कड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। यह निर्णय देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है। इस सज़ा के बाद आसिया अंद्राबी को अपना शेष जीवन जेल में बिताना होगा।

ये है आरोप : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आरोप लगाया था कि आसिया ने घृणा फैलाने वाले भाषणों, साजिश और आतंकी गतिविधियों के जरिये देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोशिश की। उन्होंने अलगाववादी विचारधारा को बढ़ावा दिया व प्रतिबंधित संगठनों से संपर्क बनाए रखा। दुख्तरान-ए-मिल्लत भी यूएपीए के तहत प्रतिबंधित है। एनआईए ने अप्रैल, 2018 में मामला दर्ज किया था।

केवल हिंदू-बौद्ध-सिख ही अनुसूचित जाति का दावा कर सकते हैं

सुप्रीम कोर्ट का फैसला-धर्म बदला तो अनुसूचित जाति का दर्जा भी खत्म हो जाएगा

नई दिल्ली, 24 (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े लोग ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ईसाई या किसी और धर्म में धर्मांतरण करता है तो वह अनुसूचित जाति का दर्जा खो देगा। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाला दलित व्यक्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाले किसी भी संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है।

यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के फैसले के खिलाफ लगाई गई चिंथदा की याचिका पर सुनाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद पादरी बने चिंथदा आनंद ने याचिका लगाई थी कि उन्हें अक्काला रामिरेड्डी समेत कुछ लोगों से जातिगत भेदभाव और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। 1985 के सूसाई बनाम भारत सरकार से जुड़े एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपनाने के बाद दोबारा हिंदू धर्म में लौटता है, तो उसे एससी दर्जा प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय प्रमाण और समुदाय की स्वीकृति की जरूरत होगी। केवल लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन करने को सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के साथ धोखा करार दिया।

यह मामला विशाखापट्टनम जिले के अनाकापल्ली का है, जहां मूल रूप से एससी (माला समुदाय) के चिंथदा ने ईसाई धर्म अपना लिया और पादरी बन गया। कुछ दिन बाद गुंटूर जिले के कोथापलेम में रहने वाले अक्कला रामी रेड्डी नाम के शख्स पर चिंथदा ने आरोप लगाया कि अक्कला ने उसे जातिसूचक गालियां दी हैं। चिंथदा ने एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया था। मामला हाईकोर्ट पहुंचने पर इस पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद चिंथदा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। केस की जांच के दौरान पता चला था कि ईसाई धर्म अपनाने के कारण चिंथदा का अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र रद्द कर दिया गया था। चिंथदा एक चर्च में करीब 10 साल से पादरी के तौर पर काम कर रहा है।

राजद प्रमुख लालू यादव को हाईकोर्ट से लगा झटका

सीबीआई की एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 24 (स्वतंत्र वार्ता)। नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव को दिल्ली उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने सीबीआई की एफआईआर और आरोपपत्र को रद्द करने की लालू प्रसाद यादव की याचिका को खारिज कर दिया है। यह नौकरी के बदले जमीन घोटाला पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर (मध्य प्रदेश) स्थित जोन में ग्रुप डी की नियुक्तियों से संबंधित है। यह नियुक्तियां लालू प्रसाद के रेल मंत्री के कार्यकाल (2004-2009) के दौरान हुई थीं। इन नियुक्तियों के बदले में, कथित तौर पर जमीन के पार्सल लालू प्रसाद के परिवार या सहयोगियों के नाम पर उपहार के तौर पर या हस्तांतरित किए गए थे। इससे पहले हाईकोर्ट ने सोमवार को नौकरी के बदले जमीन मामले में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की याचिका पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब मांगा।

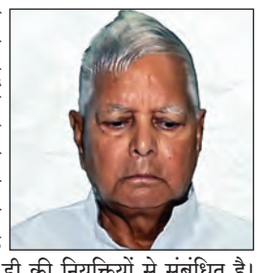

न्यायमूर्ति मनोज जैन की एकल पीठ ने राबड़ी देवी की याचिका पर नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 1 अप्रैल को निर्धारित की है। राबड़ी देवी ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें 1,600 से अधिक अप्रयुक्त दस्तावेज उपलब्ध कराने से इन्कार किया गया था। यह दस्तावेज जांच एजेंसी सीबीआई द्वारा जब्त किए गए थे, लेकिन अभियोजन पक्ष ने इन्हें अपनी चार्जशीट में शामिल नहीं किया है। 18 मार्च को राउज एवेन्यू कोर्ट ने राबड़ी देवी और उनके पति पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

ईंधन टैंकरों की सुरक्षा में जुटी भारतीय नौसेना

खाड़ी क्षेत्र में आधे दर्जन से अधिक युद्धपोत कर रहे हैं निगरानी

नई दिल्ली, 24 (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने हाल के कुछ दिनों में अरब सागर और खाड़ी क्षेत्र के पास अपने लगभग आधा दर्जन से अधिक युद्धपोत तैनात किए हैं। इन युद्धपोतों को इस तरह लगाया गया है कि वे भारत के लिए ईंधन लेकर आ रहे टैंकर जहाजों को सुरक्षित तरीके से रास्ता पार करा सकें और उन्हें किसी भी खतरे से बचाया जा सके।

यह कदम पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और बदलती स्थिति को देखते हुए लिया गया है। नौसेना का यह विशेष टास्क फोर्स जरूरत के अनुसार बढ़ाया या घटाया जा रहा है, यानी जैसे-जैसे स्थिति बदलती है, वैसे-वैसे जहाजों की संख्या और उनकी तैनाती भी बदली जाती है। पहले भी भारतीय नौसेना ने दो भारतीय झंडे वाले एलपीजी टैंकरों की सुरक्षा की थी। ये टैंकर थे बहुत बड़े गैस वाहक जहाज (वीएलजीसी) शिवालिक और नंदा देवी। इन जहाजों को उस समय सुरक्षित तरीके से आगे ले जाया गया जब ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध की स्थिति पैदा हो गई थी। यह स्थिति पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच बनी थी, जिससे समुद्री मार्गों पर जोखिम बढ़ गया था। इसके बाद सोमवार को भी भारतीय नौसेना को दो और भारतीय झंडे वाले एलपीजी टैंकरों की सुरक्षा का काम दिया गया। ये जहाज पाइन गैस और जग वसंत थे। दोनों जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर रहे थे। जहाजों की ट्रैकिंग जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर तक ये दोनों टैंकर ईरान के लारक और क़ेश्म द्वीपों के बीच के समुद्री क्षेत्र के पास पहुंच रहे थे।

नौसेना इस पूरे क्षेत्र में मौजूद अपने युद्धपोतों को जरूरत के हिसाब से अलग-अलग टैंकरों के साथ जोड़कर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। जो भी युद्धपोत उस समय उस क्षेत्र के पास होते हैं, उन्हें तुरंत संबंधित टैंकर की सुरक्षा के लिए लगाया जाता है ताकि वह सुरक्षित तरीके से जलडमरूमध्य पार कर सके।

देश में पहली बार इच्छामृत्यु पाने वाले हरीश राणा की मौत

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। हरीश राणा ने मंगलवार को दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली। सूत्रों के हवाले से इसकी पुष्टि की है। 31 साल के हरीश 13 साल से कोमा में थे। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी। ये देश का पहला मामला है, जिसमें किसी को इच्छामृत्यु दी गई है। एम्स में हरीश को पैसिव यूथेनेशिया दिया गया। इसका मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके।

हरीश को 14 मार्च को दिल्ली एम्स में शिफ्ट किया गया

14 मार्च को हरीश को दिल्ली एम्स में शिफ्ट किया गया था। एम्स प्रशासन ने 16 मार्च को हरीश राणा की फीडिंग ट्यूब (खाने की नली) हटा दी थी। मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा को एम्स प्रशासन ने हरीश वार्ड के बगल में ही रूम दिया था।

निर्मला अपने बेटे के पास अधिकतर समय रहती थीं। पिता अशोक राणा, भाई और बहन कभी-कभी मिलने जाते थे। आज बेटे की मौत के बाद पूरा परिवार दोपहर 2 बजे से एम्स में है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को इच्छामृत्यु मामले में फैसला सुनाया था। फैसले के बाद मां निर्मला देवी ने कहा था, 'बेटे के इलाज के लिए हर संभव प्रयास किए। बड़े-बड़े अस्पतालों में दिखाया और कई डॉक्टरों से इलाज भी कराया, लेकिन उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं।

'एक साल में निपटाएं केस'

17 राज्यों को दिया आदेश

नई दिल्ली, 24 (एजेंसियां)। आतंकवाद विरोधी मामलों में सख्ती दिखाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा निर्देश दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत 17 राज्यों से कहा कि वे विशेष एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) अदालतों के माध्यम से यूएपीए यानी आतंकवाद विरोधी मामलों के मुकदमों को एक साल के अंदर निपटाने का प्रयास करें।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि अगर किसी राज्य में 10 या उससे अधिक एनआईए मामले लंबित हैं, तो वहां विशेष एनआईए अदालतें बनाई जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि अदालतों में समर्पित न्यायाधीश और विशेष लोक अभियोजक तैनात किए जाएं ताकि मुकदमे नियमित रूप से चलें। इतना ही नहीं कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्येक एनआईए मामले को औसतन एक महीने में निपटाया जाए, भले कभी-कभी किसी मामले में एक महीने से अधिक समय लगे। इसके लिए दैनिक सुनवाई और समर्पित संसाधन जरूरी हैं।

हाई अलर्ट पर भारत : बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच रक्षा तैयारियों की समीक्षा

> राजनाथ सिंह की अगुवाई में हुई बैठक

नई दिल्ली, 24 (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और बदलते वैश्विक सुरक्षा हालात के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को उच्चस्तरीय बैठक कर देश की रक्षा तैयारियों की समीक्षा की। वहीं पिछले दिनों 22 मार्च को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस बैठक हुई थी, जिसमें ऊर्जा और उर्वरक सप्लाई की समीक्षा की गई थी।

बैठक में कौन-कौन हुए शामिल

इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और डीआरडीओ के चेयरमैन समीर कामत समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मौजूदा सुरक्षा स्थिति और ऑपरेशनल तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब चौथे सप्ताह में पहुंच चुका है। इससे होर्मुज स्ट्रेट के जरिए होने वाले व्यापार पर असर पड़ा है। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद तनाव और बढ़ गया। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी और इजरायली ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर दबाव बढ़ा है।

संसद में भी गूंजा मुद्दा :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति को चिंताजनक बताया और इसके भारत पर संभावित प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष न केवल आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा, बल्कि मानवीय स्तर पर भी बड़ी चुनौती बन गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि भारत की कच्चे तेल और गैस की बड़ी जरूरतें इसी क्षेत्र से पूरी होती हैं, वहीं यह इलाका वैश्विक व्यापार के लिहाज से भी बेहद अहम है।

सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा-कुछ तो गड़बड़ है

नई दिल्ली, 24 (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी रजिस्ट्री की कार्य प्रणाली पर ही सवाल उठा दिए हैं। मामला एक जनहित याचिका (पीआईएल) से जुड़ा है, जिसे अगली सुनवाई के लिए एक साल से भी ज्यादा समय से लटका कर रखा जा रहा है। संबंधित पीआईएल पर आखिरी सुनवाई पिछले साल फरवरी में हुई थी और उसके बाद इसे सुप्रीम कोर्ट की बेंच के सामने लाया ही नहीं गया है। जबकि, सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित पीआईएल पर पिछले साल 17 मार्च को ही सुनवाई का आदेश दिया था।

मामला विदेशी क्रेडिट कंपनियों से जुड़ा है, जिनपर आरोप है कि वे बिना भारतीय उपभोक्ताओं की सहमति के ही उनके गोपनीय वित्तीय डेटा जुटा लेते हैं। इस मामले पर सोमवार को भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री पर ही गंभीर सवाल उठाते हुए तीखी टिप्पणी की है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने इस पीआईएल को अगली सुनवाई के लिए लिस्टिंग में की गई अप्रत्याशित देरी पर कहा, इस अदालत में कुछ तो बहुत गड़बड़ चल रहा है। सर्वोच्च अदालत ने रजिस्ट्रार (जुडिशल) से एक रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश देते हुए 10 अप्रैल को अगली सुनवाई की तारीख तय की है। इस मामले केंद्र सरकार की ओर से पेश होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस मामले पर विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता है, क्योंकि 2024 से लंबित इस पीआईएल पर गृह मंत्रालय ने अपना जवाब दाखिल कर दिया था।

महिला को ढूंढ रहे थे बिहार में, मिली महाराष्ट्र के कोल्हापुर में

इंदौर, 24 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर की लसूड़िया पुलिस ने 34 वर्षीय महिला और उसके दो बच्चों को सोमवार को बरामद कर लिया। आरोपी विनय कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है।

वह बिहार के बनवारीपुर का रहने वाला है। महिला उसकी पड़ोसी थी और दोनों की फेसबुक पर दोस्ती हुई थी। बाद में वह महिला को अपने साथ ले गया। टीआई तारेश सोनी के अनुसार, महिला और उसके बच्चों को आरोपी के कब्जे से छुड़ाने के लिए पुलिस ने 6 हजार किलोमीटर से अधिक दूरी तय की। टीम करीब 1100 किलोमीटर दूर बिहार के जैतीपुर में तीन बार सूचना के आधार पर पहुंची, लेकिन वहां वे नहीं मिले।

इसके बाद पुलिस ने स्थानीय मुखबिरों से संपर्क कर विनय कुमार के बारे में जानकारी जुटाई। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी महिला और बच्चों को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में रखे हुए है।

'पीएम मोदी की इस्राइल यात्रा गलत फैसला था'

पश्चिम एशिया में पाक की मध्यस्थता की खबरों पर बिफरी कांग्रेस

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि अगर पाकिस्तान द्वारा अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच मध्यस्थता कराने की खबरें सही हैं, तो यह भारत के लिए बड़ा झटका और नाकामी की बात है। विपक्षी पार्टी ने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सैन्य सफलता के बावजूद, पाकिस्तान की कूटनीतिक सक्रियता और नैरेटिव प्रबंधन मोदी सरकार से काफी बेहतर रहा है। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया की कई रिपोर्ट्स में पाकिस्तान को अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच एक मध्यस्थ बताया गया है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अगर ये रिपोर्ट्स सही हैं, तो यह भारत के लिए बड़ा झटका है

> पिछले एक साल में यह साफ हुआ है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की कूटनीतिक सक्रियता और वैश्विक स्तर पर अपनी बात रखने की रणनीति भारत से बेहतर रही है। राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से मजबूत होता दिख रहा है।
>
> *जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव*

और खुद को विश्वगुरु बताने वालों को करारा जवाब है।' रमेश ने कहा कि पिछले एक साल में यह साफ हुआ है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की कूटनीतिक सक्रियता और वैश्विक स्तर पर अपनी बात रखने की रणनीति भारत से बेहतर रही है। उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से मजबूत होता दिख रहा है। कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि डोनाल्ड ट्रंप ने उस व्यक्ति के साथ नजदीकी दिखाई, जिसकी भड़काऊ बयानबाजी पहलगाम आतंकी हमले का आधार बनी। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने आसिम मुनीर को दो बार व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया। जयराम रमेश ने पीएम मोदी की हालिया इस्राइल यात्रा को गलत फैसला बताते हुए कहा कि यह यात्रा उस समय समाप्त हुई, जब अमेरिका-इस्राइल द्वारा ईरान पर हवाई हमले शुरू होने वाले थे, जिससे भारत की संभावित मध्यस्थ की भूमिका कमजोर हुई।

ट्रंप का दावा- ईरान के साथ बातचीत जारी; तेहरान ने दावा खारिज किया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अमेरिका एक सम्मानित ईरानी नेता के संपर्क में है और ईरान युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते को लेकर इच्छुक है। हालांकि, उन्होंने उस नेता का नाम बताने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका मोजतबा खामेनेई से बातचीत नहीं कर रहा है। वहीं, ईरान ने अमेरिका से सीधी बातचीत से इनकार किया है, लेकिन यह माना है कि क्षेत्र के कुछ देश तनाव कम करने की कोशिश कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तुर्किये, मिस्र और पाकिस्तान पिछले कुछ दिनों से अमेरिका और ईरान के बीच संदेशों का आदान-प्रदान करा रहे हैं।

बताया गया कि इन देशों के विदेश मंत्रियों ने अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से अलग-अलग बातचीत की। 28 फरवरी से अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर संयुक्त हमले शुरू किए थे, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। इसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई से संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में फैल गया।

लालच में आकर बैंक खाते किराए पर दिए, 2 गिरफ्तार

ग्वालियर, 24 मार्च (एजेंसियां)। ग्वालियर में गत्ता फैक्ट्री मालिक को क्रिप्टों करेंसी का लालच देकर 1.41 करोड़ रुपए की ऑनलाइन ठगी करने वाले मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा है। साइबर क्राइम की टीम ने मध्य प्रदेश के सेंधवा बड़वानी व देवास के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके अकाउंट में ठगी के 14 लाख रुपए ट्रांसफर किए गए थे। पूछताछ में पता लगा है कि इनके अकाउंट म्यूल खाते' हैं। मतलब यह इनके नाम पर है, लेकिन इन्होंने ठगों को यह किराए पर दिए हुए हैं। दिसंबर 2025 में कारोबारी के साथ ऑनलाइन फ्रॉड हुआ था। तभी से पुलिस लगातार पड़ताल कर उन लोगों की तलाश कर रही है,

'दोगुनी हो गई किसानों की आय'

लोकसभा में सरकार के जवाब पर हंगामा; विपक्ष ने पूछे तीखे सवाल

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में मंगलवार को किसानों की आय को लेकर गर्म बहस हुई, जिसने संसद का माहौल पूरी तरह हिला दिया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि सरकार के प्रयासों से किसानों की आय दोगुनी हो गई है और कई क्षेत्रों में यह तीन से चार गुना तक बढ़ी है। प्रश्नकाल के दौरान मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार ने खेती के क्षेत्र में कई कदम उठाए हैं। इसमें फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देना, उर्वरक (खाद) पर सब्सिडी देना और उत्पादन बढ़ाने के लिए नई योजनाएं लागू करना शामिल है। उनका कहना था कि इन सभी प्रयासों का सीधा फायदा किसानों को मिला है। चौहान के इस बयान के बाद विपक्ष ने इसका जोरदार विरोध किया और कहा कि किसानों की हालत अभी भी चुनौतियों भरी है और सरकार अपने वादों को पूरा नहीं कर पाई है।

टीएमसी सांसद ने जताया विरोध

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के इस बयान पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सौगत रॉय ने कड़ा विरोध जताते हुए तीखे सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने का वादा पूरा नहीं कर पाई है। दूसरी ओर वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने भी इस मुद्दे पर लगातार सवाल पूछे।

सहकारिता मंत्री ने क्या कहा?

इसके साथ ही सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल ने एक अन्य सवाल के जवाब में बताया कि सरकार सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में इस क्षेत्र के विकास के लिए 5 लाख करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। सरकार के जवाब और विपक्ष के विरोध के बीच सदन में थोड़ी बहस की स्थिति बन गई, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने सांसदों से शांत रहने और छोटे सवाल व संक्षिप्त जवाब देने की अपील की।

बिल्डर को धमकी मामले में जेल से शूटर गिरफ्तार

इंदौर, 24 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर में तीन दिन पहले बिल्डर व कारोबारी संजय जैन को लॉरेंस विश्नोई गैंग के नाम धमकी देने के मामले में क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने बदमाश मनीष जांगिड़ को अशोक नगर (गुना) की जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। आरोपी को इंदौर लाया जा रहा है। क्राइम ब्रांच की 14 सदस्यीय टीम गुना पहुंची थी। मनीष जांगिड़ यहां एक आपराधिक केस में जेल में बंद है। उसे अब संजय जैन को धमकाने के केस में गिरफ्तार किया गया है।

बदमाश मनीष जांगिड़ ने अशोकनगर के व्यापारी अंकित अग्रवाल और एक अन्य व्यक्ति को वॉइस नोट के जरिए मिली धमकी दी थी। इनसे 10 करोड़ रुपये की मांग की थी। मनीष जांगिड़ के अशोकनगर आने और यहां दहशत फैलाने से पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया था। तब से वह जेल में बंद था। इंदौर के तुकोगंज इलाके में बिल्डर संजय जैन को धमकी देने वाले बदमाश का कनेक्शन मनीष जांगिड़ से मिला है।

मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ बड़ा एक्शन

भारत-म्यांमार सीमा के पास से 10 गिरफ्तार

इंफाल, 24 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई की है। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में सुरक्षा बलों ने भारत-म्यांमार सीमा के पास से प्रतिबंधित संगठन पीआरईपीएक (आरए) के 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से मंगलवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी गई है। साथ ही पुलिस ने अपने बयान में कहा है कि गिरफ्तार उग्रवादियों में पांच नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस ने अपने बयान में बताया कि इन्हें मोरेह थाना क्षेत्र में सीमा स्तंभ 77 और 82 के बीच के इलाके से पकड़ा गया। बयान में कहा गया कि पांचों नाबालिगों के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत उचित कार्रवाई की जा रही है।

दो साल पहले जातीय हिंसा भड़कने के बाद से ही सुरक्षाबल मणिपुर में तलाश अभियान संचालित कर रहे हैं। अब तक कई उग्रवादियों को पकड़ा गया है। बता दें कि मणिपुर में मई 2023 में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़क गई थी। इस जातीय संघर्ष में 260 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। साथ ही दोनों समुदायों के बीच में अविश्वास चरम पर पहुंच गया। इस हिंसा को रोकने के लिए सरकार को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

हालांकि मणिपुर में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। उखरुल जिले में सोमवार को संदिग्ध बदमाशों द्वारा की गई गोलीबारी में एक महिला घायल हो गई। अधिकारियों के अनुसार, तंगखुल नगा बहुल जिले के कुकी बस्ती मोंगकोट चेपु गांव में हुई गोलीबारी में महिला के पैर में चोट आई।

उन्होंने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद महिला को इलाज के लिए कांगपोकपी जिला ले जाया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। उखरुल स्थित कुकी सीएसओ वर्किंग कमेटी नामक सामुदायिक समूह ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब एक बजे हुई, जब महिलाओं समेत ग्रामीण मुख्य बस्ती से कुछ सौ मीटर दूर खेतों में नियमित कृषि कार्य कर रहे थे।

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल का बड़ा एक्शन

आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया भट्टी गैंग के गुर्गे को पकड़ा

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने बड़ा एक्शन एक्शन लेते हुए पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। स्पेशल सेल ने रामपुर के रहने वाले जासूस को पकड़ा है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल (ईस्टर्न रेंज) ने आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। उसने पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर-टेररिस्ट शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़े उसके गुर्गे पकड़ लिया है। बता दें कि स्पेशल सेल ने जिस शख्स को गिरफ्तार किया है, उसकी पहचान 18 साल के हरमनदीप सिंह उर्फ हरमन के रूप में हुई है। वह मूल रूप से यूपी के रामपुर का रहने वाला है।

स्पेशल सेल ने आरोपी के पास से मोबाइल फोन में पाकिस्तान हैंडलर्स से चैट, फोटो-वीडियो और 'टीटीएच' लिखने वाला काला स्प्रे पेंट बरामद किया है। जान लें कि आरोपी ने पंजाब के होशियारपुर के तलवाड़ा में 3 जगह 'टीटीएच' ग्रैफिटी लिखा। वह वीडियो बनाकर पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को भेजता था। यूपी और दिल्ली में भी ऐसे काम करने की तैयारी थी। लेकिन वक्त रहते दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल नेटवर्क का भंडाफोड़ कर दिया। गौरतलब है कि सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान से भर्ती हो रही थी। युवाओं को पैसे और विदेश में दुबई भेजने का लालच दिया गया।

रामपुर में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड अटैक की साजिश भी की थी। गनीमत रही कि गिरफ्तारी से पहले ही आतंकियों का प्लान फेल हो गया और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल को बड़ी कामयाबी मिली। जांच में पता चला कि हरमनदीप सिंह उर्फ हरमन, शहजाद भट्टी और उसके विदेश में मौजूद सहयोगियों के साथ अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए लगातार संपर्क में था। हरमन ने दावा किया था कि उसके साथी दिल्ली के कश्मीरी गेट पर हुई गोलीबारी की घटना में शामिल थे। इसके अलावा, शहजाद भट्टी के पाकिस्तान में मौजूद सहयोगी ने भी इस घटना की योजना बनाने की जिम्मेदारी ली थी।

कांग्रेस के गौरव गोगोई और प्रद्युत बोरदोलोई का लोकसभा से इस्तीफा

असम विधानसभा चुनाव में आजमाएंगे भाग्य?

गुवाहाटी, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा से इस्तीफा दे दिया है। माना जा रहा है कि वह असम विधानसभा चुनाव में भाग्य आजमाएंगे। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष गौरव गोगोई को कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव में अपना मुख्यमंत्री का चेहरा प्रोजेक्ट कर रही है। इसके अलावा असम से ही आने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने भी लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। दोनों नेताओं ने लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला को अपना इस्तीफा सौंपा, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

लोकसभा सचिवालय ने इस बात की पुष्टि की है।असम में अगले मुख्यमंत्री को लेकर जनता की पसंद पर किए गए एक सर्वे में दिलचस्प तस्वीर सामने आई है। आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा के हिमंता बिस्वा सरमा सबसे आगे नजर आ रहे हैं, जिन्हें 48% लोगों की पसंद मिली है। वहीं, कांग्रेस के गौरव गोगोई को 37.7% समर्थन प्राप्त हुआ है, जिससे मुकाबला सीधा और कड़ा दिखाई दे रहा है। अन्य नेताओं में एआईयूडीएफ के बदरुद्दीन अजमल और रायजोर दल के अखिल गोगोई को 2-2% लोगों का समर्थन मिला है।

इसके अलावा, 4.5% लोगों ने अन्य विकल्प चुने, जबकि 5.8% लोग अब भी कोई स्पष्ट राय नहीं दे पाए। कुल मिलाकर, सर्वे में हिमंता बिस्वा सरमा बढ़त में दिख रहे हैं, लेकिन मुकाबला अभी खुला हुआ है। गौरव गोगोई लोकसभा में कांग्रेस के एक मजबूत वक्त का रोल निभाते रहे हैं।

महंगाई, एसआईआर, ऑपरेशन सिंदूर जैसे जरूरी मुद्दों पर गौरव गोगोई सदन के अंदर मजबूती से कांग्रेस का पक्ष रखते रहे हैं। अब जब उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है तो कांग्रेस को सदन में एक वक्ता के रूप में गौरव गोगोई की कमी जरूर खलेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने बीजेपी ज्वाइन कर लिया है। दल बदल कानून के तहत उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

अब देखना दिलचस्प होगा कि बीजेपी प्रद्युत बोरदोलोई को विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाती है या उपचुनाव में एक बार फिर लोकसभा का चुनाव लड़ाती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रद्युत बोरदोलोई असम के चर्चित राजनेता हैं। वह 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में नागांव लोकसभा सीट से जीते थे।

लेह हिंसा में मारे गए लोगों के परिजन से मिले सोनम वांगचुक, परिवारों की आंखों में आंसू

लेह, 24 मार्च (एजेंसियां)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लेह हिंसा में मारे गए लोगों के परिजन से मुलाकात की। इस दौरान हिंसा में जान गंवाने वाले अपने लोगों को याद कर परिजन सिसक उठे। वांगचुक के साथ उनकी पत्नी गीतांजलि, सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी थे। माहौल इतना भावुक था कि मृतकों के परिजन ठीक से भी नहीं बोल पा रहे थे। इस मौके पर लद्दाख बुद्धिस्ट एसोसिएशन व अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी पीड़ित परिवारों को समर्थन का भरोसा दिलाया।

परिजन ने कहा कि वे न्याय की मांग कर रहे हैं और जब तक जवाबदेही तय नहीं होती वे संघर्ष जारी रखेंगे। बता दें कि लेह हिंसा में जिगमेट दोरजे (25), स्टेंजिन नमग्याल (23), रिनचेन दादुल (20) और सिवांग थारचिन (46) की जान गई थी। इसके बाद भड़काऊ भाषण देने के आरोप में सोनम वांगचुक को हिरासत में लेकर राजस्थान स्थित जोधपुर सेंट्रल जेल ले जाया गया था। वहां से करीब छह माह बाद रिहा होकर 22 मार्च को वांगचुक लेह पहुंचे हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी लापरवाही

23 विदेशियों को होटल में ठहराया पुलिस को नहीं दी जानकारी

जम्मू, 24 मार्च (एजेंसियां)। पहलगाम के बायसरन में आतंकी हमले के बावजूद सुरक्षा में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। देवहाटू इलाके के होटल मिस्टि माउंटेंस लद्दी ने 23 विदेशियों को होटल में ठहराने की जानकारी पुलिस को नहीं दी। यही नहीं होटल ने जरूरी फॉर्म सी भी नहीं जमा करवाया। पुलिस मामले में एफआईआर दर्ज की है। पहलगाम के देवहाटू इलाके में नियमित जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 22 मार्च की शाम 23 विदेशी नागरिक जिनमें 19 ब्रिटिश नागरिक शामिल हैं होटल मिस्टि माउंटेंस लद्दी में ठहरे हुए थे। जांच में सामने आया कि होटल प्रबंधन ने जानबूझकर इन विदेशी मेहमानों के ठहरने की जानकारी पुलिस स्टेशन पहलगाम को नहीं दी। अनिवार्य रूप से भरे जाने वाले 'फॉर्म सी ' को भी जमा नहीं किया। पुलिस का मानना है कि यह कृत्य विदेशी और आव्रजन अधिनियम, 2025 के प्रावधानों का उल्लंघन है और इससे सुरक्षा नियमों से समझौता हुआ है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन पहलगाम में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

फारूक अब्दुल्ला अटैक केस में बड़ा अपडेट

कोर्ट ने आरोपी कमल जमवाल को भेजा जेल, छह तक न्यायिक हिरासत में

जम्मू, 24 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ। फारूक अब्दुल्ला पर हमले के आरोपी कमल सिंह जम्वाल को छह अप्रैल तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आरोपी को डिप्टी एसपी और एसआईटी सदस्य अरविंद कुमार संब्याल ने जम्मू के सब-जज (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी) जीवन कुमार शर्मा की अदालत में पेश किया।

पुलिस ने मामले की जांच अभी अधूरी होने का हवाला देते हुए उसके लिए न्यायिक हिरासत की मांग की थी। रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री पर विचार करने के बाद सब-जज जीवन कुमार शर्मा ने टिप्पणी की कि मामले की जांच अभी पूरी नहीं हुई है और आरोपी को जमानत पर रिहा नहीं किया गया है। ऐसे में अदालत ने पुलिस के आवेदन को स्वीकार करते हुए आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने और जम्मू जिला जेल में रखे जाने के आदेश दिए। अदालत ने आगे जिला जेल अधीक्षक को रिमांड अवधि के दौरान आरोपी को सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने और उसकी नियमित चिकित्सकीय जांच कराने के भी निर्देश दिए। साथ ही आरोपी कमल को छह अप्रैल या उससे पहले सक्षम मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किए जाने के लिए भी कहा है। बता दें कि डॉ। फारूक पर जम्मू में एक शादी समारोह शामिल होने के दौरान आरोपी ने फायरिंग की थी। पुरानी मंडी के रहने वाले आरोपी कमल जम्वाल को 11 मार्च को मौके पर गिरफ्तार कर अदालत के समक्ष पेश किया गया था। गंग्याल पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था।

आतंक से जुड़े मामले में जब्त कार की कस्टडी देने से कोर्ट का इन्कार

जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने आतंकवाद से जुड़े मामले में जब्त कार की कस्टडी देने से इन्कार कर दिया है। आरोप है कि इस कार को हथियार और गोला-बारूद ले जाने के लिए इस्तेमाल किया गया था। कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता पहले ही वाहन का कब्जा पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिये किसी और को सौंप चुका था। ऐसे में उसे कस्टडी मांगने का कोई अधिकार नहीं। न्यायमूर्ति सिंधु शर्मा और न्यायमूर्ति शहजाद अजीम की डिवीजन बेंच ने यह फैसला रुबीना बेगम की ओर से दायर याचिका पर सुनाया है। यह याचिका कुपवाड़ा की विशेष अदालत के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी। इसमें आर्म्स एक्ट और यूएपीए के प्रावधानों के तहत जब्त वाहन को छोड़ने की उनकी अर्जी खारिज कर दी गई थी।

अदालत ने वाहन के आतंकी गतिविधियों से हुई कमाई के मुद्दे पर भी विचार किया। टिप्पणी की कि जांच एजेंसी को यूएपीए के अध्याय-5 के तहत तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए थी। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के इस विचार को भी सही ठहराया कि यह अर्जी रजिस्टर्ड मालिक के जरिये वाहन को छुड़ाने का एक गलत प्रयास था। इससे अभियोजन पक्ष के मामले को नुकसान पहुंच सकता था। यह मानते हुए कि अपीलकर्ता के पास अपील करने का अधिकार नहीं। हाईकोर्ट ने अपील के साथ ही उससे जुड़ी अन्य अर्जियों को भी खारिज कर दिया। कोर्ट ने इस मामले में आदेश की प्रति एसएसपी कुपवाड़ा को भी अनुपालन के लिए भेजे जाने के निर्देश दिए।

बवाना में प्लाइवुड गोदाम में लगी आग, 17 दमकल गाड़ियां मौके पर; एक दमकलकर्मी घायल

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में तड़के एक प्लाइवुड गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की 17 गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गई। दमकल विभाग के मुताबिक आग लगने की सूचना तड़के करीब 3.55 पर दमकल विभाग को मिली थी। आग सेक्टर-2 स्थित एन-219, गंगा टोली मंदिर के पास बने प्लाइवुड गोदाम में लगी है। आग बुझाने के दौरान दमकल विभाग के कर्मचारी प्रशांत के हाथ में हल्की चोट लग गई।

उन्हें तुरंत उपचार के लिए महर्षि वाल्मीकि अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया। उपचार के बाद वह वापस फायर स्टेशन लौट गए। दमकलकर्मियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक आशंका है कि गोदाम में रखे ज्वलनशील सामान के कारण आग तेजी से फैल गई। दमकल अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच की जा रही है।

वेश्यावृत्ति और मानव तस्करी केस में सोनू पंजाबन को राहत

दिल्ली एचसी ने अपीलें मंजूर की

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने वेश्यावृत्ति और मानव तस्करी से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराई गई गीता अरोड़ा उर्फ सोनू पंजाबन और संदीप बेडवाल की अपीलों को मंजूर कर लिया है। दोनों ने वर्ष 2020 में ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा को चुनौती दी थी। गौरतलब है कि जुलाई 2020 में ट्रायल कोर्ट ने गीता अरोड़ा उर्फ सोनू पंजाबन को 24 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी और उस पर 64,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था। वहीं, सह-दोषी संदीप बेडवाल को 20 साल की सजा और 65,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया था। यह मामला वेश्यावृत्ति और मानव तस्करी से जुड़ा था, जिसमें दोनों को दोषी करार दिया गया था। सजा के खिलाफ दोनों ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। मामले में हाईकोर्ट के इस फैसले को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह लंबे समय से चर्चा में रहे इस हाई-प्रोफाइल केस से जुड़ा हुआ है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 25 मार्च, 2026 3

सुविचार: आज खुद पर भरोसा कर लो, कल दुनिया तुम पर भरोसा करेगी!

किसी भी विभाग में लंबित फाइलें न रहें : नारायण रेड्डी

लोक प्रशासन-प्रगति योजना की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए महत्वाकांक्षी लोक प्रशासन-प्रगति योजना को जिम्मेदारीपूर्वक लागू करने के निर्देश दिए। मंगलवार को कलेक्टर ने जिला अतिरिक्त कलेक्टर चंद्र रेड्डी और श्रीनिवास के साथ एकीकृत जिला कार्यालय परिसर भवन के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला अधिकारियों, आरडीओ, तहसीलदार, एमपीडीओ, नगर आयुक्तों और संबंधित इंजीनियरिंग अधिकारियों के साथ योजना की समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नगरपालिका और ग्राम पंचायतों में स्वच्छता, बिजली मरम्मत, भवन मरम्मत, रंगाई-पुताई, कार्यालयों की साफ-सफाई और फाइलों के निपटान

जैसे कार्य समयबद्ध रूप से पूरे किए जाएं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, कल्याणा लक्ष्मी और विवाह मुबारक से संबंधित फाइलों का निपटान तुरंत किया जाए, और किसी भी विभाग में लंबित फाइलें न रहें। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र, सरकारी स्कूल, सरकारी कार्यालय और आसपास के क्षेत्र स्वच्छ रखने चाहिए। सभी स्वीकृत कार्य तुरंत शुरू किए जाएँ और किसी भी लापरवाही करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। जल आपूर्ति पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रीष्म ऋतु में किसी भी क्षेत्र में पेयजल की समस्या न हो, पाइपों में रिसाव की जांच हो, बोरवेल मोटर, हैंडपंप और अन्य स्रोतों की मरम्मत की जाए।

उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को दूरदराज के क्षेत्रों का दौरा कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेने और नागरिकों को जल संकट से संबंधित जागरूकता प्रदान करने के लिए कहा। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) के. चंद्र रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) के. श्रीनिवास, डीआरओ संगीता, जिला परिषद के सीईओ कृष्णा रेड्डी, डीएसपी सुरेश मोहन, सीपीओ सौम्या, पीडी डीआरडीए श्रीलता, कृषि विभाग अधिकारी उषा, नागरिक आपूर्ति विभाग अधिकारी वनजता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

4473 लाभार्थियों को बिलों के रूप में 48.79 करोड़ रुपये जारी

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक वी.पी. गौतम ने बताया कि इंदिरम्मा आवास योजना के लाभार्थियों को समय पर बिल जारी करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इस प्रक्रिया के तहत कुल 4473 लाभार्थियों को 48.79 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। गौतम के अनुसार, प्रत्येक सप्ताह घरों के निर्माण की प्रगति के आधार पर लाभार्थियों को भुगतान किया जाता है। पिछले सप्ताह के लिए, रूफ स्तर तक निर्माण पूर्ण करने वाले 1969 लाभार्थियों को 17.23 करोड़ रुपये और स्लैब पूरा करने वाले 2504 लाभार्थियों को 31.56 करोड़ रुपये जारी किए गए। उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा आवास योजना का लक्ष्य लाखों घरों का निर्माण करना है और इस दिशा में निरंतर परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

एलपीजी किल्लत पर बीआरएस का जोरदार प्रदर्शन, केटीआर ने सरकार को घेरा

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के नेतृत्व में पार्टी विधायकों ने मंगलवार को राज्य में एलपीजी सिलेंडरों की भारी कमी के खिलाफ विधानसभा के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

गन पार्क स्थित तेलंगाना शहीद स्मारक पर एकत्रित होकर बीआरएस सदस्यों ने गैस सिलेंडर के आकार के बैनर और पोस्टर लेकर केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आपूर्ति व्यवस्था में सुधार के लिए तत्काल कदम उठाने और दोनों सरकारों से इस संकट पर स्पष्टीकरण देने की मांग की। विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले बीआरएस नेताओं ने सदन में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव भी पेश किया।

पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि एक ओर अधिकारी गैस की कमी से इनकार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई स्थानों पर होटलों और छोटे विक्रेताओं को व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। इस व्यवधान के कारण लाखों छोटे व्यापारी, होटल कर्मचारी और मध्यमवर्गीय परिवार प्रभावित हो रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए केटी रामाराव ने इस संकट को पश्चिम एशिया, विशेषकर ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव से जोड़ा। उन्होंने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने का सीधा असर आम नागरिकों की रसोई पर पड़ रहा है, जिससे देश भर में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं।

केटीआर ने केंद्र और राज्य सरकार पर एक-दूसरे पर दोषारोपण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता को सच जानने का हक है। उन्होंने यह भी दावा किया कि केंद्र सरकार पांच राज्यों के चुनावों के बाद सिलेंडरों का वजन (साइज) कम करने की योजना बना रही है। बीआरएस ने मांग की है कि यदि ईरान से आयात प्रभावित हो रहा है, तो केंद्र सरकार को तत्काल वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह विधानसभा में इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करे और जनता को राहत पहुंचाने के लिए ठोस उपाय करे।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को हैदराबाद स्थित लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से भेंट की और उन्हें तेलंगाना राज्य में चल रही रेल परियोजनाओं के संबंध में जानकारी दी।

बार चुनावों में समान प्रतिनिधित्व के लिए बीसी नेताओं की अपील

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डुंड्रा कुमारस्वामी ने आगामी बार एसोसिएशन चुनावों में पिछड़ी जाति (बीसी) के उम्मीदवारों को चुनने की अपील की। उन्होंने 'बीसी वोट्स फॉर बीसीज' का नारा देते हुए कहा कि न्यायपालिका में न्यायसंगत प्रतिनिधित्व सामाजिक न्याय के लिए आवश्यक है। उच्च न्यायालय परिसर में मंगलवार को आयोजित प्रचार कार्यक्रम में उन्होंने बीसी उम्मीदवारों से मुलाकात की और कहा कि यह चुनाव कानूनी पेशे के लिए 'निर्णायक क्षण' है। उन्होंने कहा कि बीसी समुदाय के अधिवक्ताओं का मुख्य पदों पर कम प्रतिनिधित्व प्रणालीगत बाधाओं के कारण है, योग्यता की कमी के कारण नहीं। उन्होंने रणनीतिक और एकजुट मतदान के माध्यम से संस्थागत संरचनाओं में बीसी अधिवक्ताओं की उपस्थिति बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कुमारस्वामी ने कहा कि न्यायपालिका में सामाजिक न्याय और समानता पर चर्चा वर्तमान संदर्भ में अनिवार्य हो गई है। उन्होंने कहा, न्याय केवल अदालत तक सीमित नहीं है, इसका सच्चा अर्थ तब ही मिलता है जब यह समाज के हर वर्ग और समूह तक पहुंचे।

उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर के समावेशी न्याय के दृष्टिकोण का स्मरण कराते हुए कहा, हर वोट न्यायपालिका में समानता की दिशा में एक कदम है। कार्यक्रम में बीसी अधिवक्ताओं और विभिन्न बीसी संगठनों के नेताओं ने एकता की शपथ ली और बीसी वोटों को एकजुट करने की अपील दोहराई। अधिवक्ता ओम प्रकाश, साई सारिका चंदना और अन्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कीसरा में भीषण सड़क हादसा : ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके कीसरा में सोमवार रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने दोपहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक 54 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान यदाद्री भुवनागिरी जिले के बोम्मलरामाराम मंडल स्थित मलयाला गांव के निवासी रविंदर के रूप में की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना उस समय हुई जब रविंदर अपनी मोटरसाइकिल से घर वापस जा रहे थे। इसी दौरान आउटर रिंग रोड (ओआरआर) की ओर से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि रविंदर ट्रक के पिछले पहिये के नीचे आ गए। गंभीर चोटें आने के कारण उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार होने में कामयाब रहा। सूचना मिलते ही कीसारा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब फरार चालक की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

गांवों में जाकर कांग्रेस सरकार की कमियों का खुलासा करें : राव

तेलंगाना बीजेपी प्रमुख का कैडर को निर्देश

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्य अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पार्टी की विचारधारा को सीधे ग्राम स्तर तक पहुंचाएं और कांग्रेस सरकार की 'असफलताओं' का खुलासा करें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया एक शक्तिशाली उपकरण है और इसका जिम्मेदारी से उपयोग कर केंद्र सरकार की योजनाओं और पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाना चाहिए। महबूबनगर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा 'देश पहले' के सिद्धांत पर विश्वास करती है और तेलंगाना में एकमात्र वास्तविक विकल्प है। उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस पर 'परिवार और कमीशन आधारित राजनीति' का आरोप लगाया। रामचंदर राव ने केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को उजागर किया और राज्य सरकार द्वारा पीएम आवास योजना जैसे फंड के दुरूपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सक्रिय होने का आह्वान करते हुए कहा कि बढ़ता जन समर्थन भविष्य में भाजपा सरकार के स्पष्ट संकेत देता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग बीआरएस और कांग्रेस दोनों की सरकारें देख चुके हैं और अब बदलाव की मांग कर रहे हैं। जनता में स्पष्ट भावना है कि भाजपा को सुशासन का मौका दिया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं और महिलाओं सहित विभिन्न वर्गों के लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं, जो राज्य में भाजपा सरकार की संभावना को और मजबूत करता है।

बीआरएसवी नेताओं की गिरफ्तारी पर बरसे केटीआर

सरकार पर लगाया 'आपातकाल' जैसे दमन का आरोप

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मंगलवार को विधानसभा घेराव के दौरान बीआरएसवी छात्र नेताओं की गिरफ्तारी की तीखी निंदा की है। उन्होंने पुलिस की इस कार्रवाई को 'अत्याचारी' बताते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार आपातकाल के दौर की तरह असहमति की आवाजों को दबाने का काम कर रही है। केटीआर ने कहा कि छात्र केवल अपने लोकतांत्रिक हक-जैसे लंबित छात्रवृत्ति की रिहाई, फीस वापसी का बकाया भुगतान और दो लाख सरकारी नौकरियों के वादे को पूरा करने-की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार ने संवाद के बजाय दमन का रास्ता चुना।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर सीधा हमला बोलते हुए केटीआर ने कहा कि सरकार शिक्षा क्षेत्र की घोर उपेक्षा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान किए गए बड़े-बड़े वादों के विपरीत, सत्ता में आने के बाद रोजगार कार्यक्रम को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। केटीआर ने एक गंभीर मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार आवासीय स्कूलों में व्याप्त अव्यवस्थाओं और वहां हुई लगभग 127 छात्रों की मौतों को जानबूझकर नजरअंदाज कर रही है, जिससे छात्रों और उनके अभिभावकों के बीच भारी अनिश्चितता और डर का माहौल बना हुआ है। बीआरएस नेता ने गिरफ्तार किए गए सभी छात्र नेताओं की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि बकाया राशि चुकाने और रिक्त पदों को भरने के बजाय अगर सरकार इसी तरह छात्रों की आवाज दबाती रही, तो यह आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह अपने चुनावी घोषणापत्र की प्रतिबद्धताओं को जल्द से जल्द पूरा करे ताकि राज्य के युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो सके।

सादा बैनामा मामलों के जल्द निपटारे की तैयारी : पोंगुलेटी

केवल खरीदार के शपथपत्र से होगा समाधान

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में लंबे समय से लंबित सादा बैनामा आवेदनों के समाधान को लेकर सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राजस्व, आवास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने विधान परिषद में बताया कि वर्ष 2020 से लंबित करीब 9 लाख आवेदनों का जल्द निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले खरीदार और विक्रेता दोनों से शपथपत्र लेने की बाध्यता के कारण जमीनी स्तर पर कई समस्याएं सामने आ रही थीं। अब सरकार ने नियमों में बदलाव करते हुए केवल खरीदार से ही शपथपत्र लेने का निर्णय लिया है। इस संबंध में जी.ओ. 76 जारी कर दिया गया है, जिससे आवेदकों को राहत मिलेगी। मंत्री ने बताया कि पूर्व सरकार द्वारा सादा बैनामा आवेदन तो लिए गए थे, लेकिन उनके समाधान के लिए स्पष्ट प्रावधान नहीं किया गया था। नई व्यवस्था के तहत 'भू भारती' कानून में इन समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया गया है। इसके साथ ही राज्य में भूमि सर्वे को भी चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। बिना नक्शे वाले 413 गांवों में से 5 गांवों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत पुनः सर्वे किया गया है। प्रत्येक सर्वे नंबर को आधार की तरह 'भूधार' नंबर देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। जल्द ही हैदराबाद को छोड़कर 32 जिलों के प्रत्येक जिले में 70 गांवों में सर्वे कार्य शुरू किया जाएगा। मंत्री ने भ्रष्टाचार के मामलों पर भी सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि धरणी पोर्टल की खामियों का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने मी-सेवा संचालकों के साथ मिलकर करोड़ों रुपये का गबन किया है। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई गई है और दोषियों से राशि की वसूली की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें किसी भी स्तर के अधिकारी की संलिप्तता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। सरकार ने यह भी कहा कि 'भू भारती' पोर्टल को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है और इसे अप्रैल के अंत तक पूरी तरह से शुरू कर दिया जाएगा, जिससे भूमि से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान मिल सके।

सर्वर क्रैश होने से थमा जमीनों का पंजीकरण

हैदराबाद के सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में भारी अफरा-तफरी

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के विभिन्न क्षेत्रों में मंगलवार को संपत्ति और परिसंपत्तियों के पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी तरह ठप्प हो गई, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग के अनुसार, राज्य डेटा सेंटर में आई अचानक तकनीकी खराबी के कारण मुख्य सर्वर क्रैश हो गए, जिससे पूरा सिस्टम धीमा पड़ गया और काम घंटों तक बाधित रहा। विशेष रूप से मलकाजगिरि और उप्पल जैसे व्यस्त सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में सुबह से ही ई-केवाईसी (बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण) और विलेख निष्पादन जैसी डिजिटल प्रक्रियाएं बंद रहीं।

तकनीकी खराबी का असर केवल पंजीकरण तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली पोर्टल भी कई घंटों तक प्रभावित रहा। इसके चलते भार प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और दस्तावेज सत्यापन जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं भी ठप्प पड़ी रहीं। दूर-दराज से आए ग्राहकों ने अत्यधिक देरी और स्लॉट सिंकिंग में आ रही बाधाओं को लेकर विभाग के प्रति भारी नाराजगी व्यक्त की। कई कार्यालयों में लोग कतारों में खड़े सर्वर ठीक होने का इंतजार करते देखे गए। पंजीकरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि राज्य डेटा सेंटर में तकनीकी टीमों को तैनात कर दिया गया है और मरम्मत का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। हालांकि विभाग को उम्मीद है कि सेवाएं देर शाम तक बहाल कर दी जाएंगी, लेकिन एहतियात के तौर पर नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे बुधवार को कार्यालय आने से पहले आधिकारिक पोर्टल पर स्थिति की जांच अवश्य कर लें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I , S HABEEBUNNI, Legally Wedded Spouse of HAV SHAIK MASTHAN VALLI R/O: H.NO.14/52, MAHABOOB NAGAR, RANGA SAMUDRAM, PORUMAMILLA, CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH - 516193 have changed my name from SHABEEBUNNI to SHAIK HABEEBUNNI and my Date of Birth is: 04-06-1989 vide affidavit dt.23/03/2026

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

नकली ओआरएस के खिलाफ जंग

डॉ. शिवरंजनी के समर्थन में उतरा देश भर का चिकित्सा जगत

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ और जन स्वास्थ्य कार्यकर्ता डॉ. शिवरंजनी संतोष और दवा कंपनियों के बीच ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट में उच्च चीनी की मात्रा को लेकर विवाद गहरा गया है। लगभग एक दशक से ओआरएस के नाम पर बेचे जा रहे अत्यधिक शुगर वाले पेय पदार्थों के खिलाफ आवाज उठाने वाली डॉ. शिवरंजनी को दो प्रमुख फार्मा कंपनियों द्वारा कानूनी नोटिस भेजे जाने के बाद, पूरे देश का चिकित्सा जगत उनके समर्थन में एकजुट हो गया है।

डॉक्टरों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने दवा कंपनियों की इस कार्रवाई को एक स्वास्थ्य विशेषज्ञ को डराने का प्रयास करार दिया है।

विवाद की जड़ में अक्टूबर 2025 का एफएसएसएआई का वह निर्देश है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि कोई भी ब्रांड 'ओआरएस' शब्द का उपयोग तब तक नहीं कर सकता जब तक वह विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों का पालन न करे। डॉ. शिवरंजनी का आरोप है कि कंपनियां उत्पादों का नाम बदलकर उन माता-पिता को गुमराह कर रही हैं जो निर्जलीकरण के उपचार के लिए इन पर भरोसा करते हैं। उन्होंने कंपनियों को कड़ी चुनौती देते हुए कहा कि जनहित में उठाई गई उनकी आवाज को कानूनी धमकियों से दबाया नहीं जा सकता और उनका रुख वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

तेलंगाना सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन और हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन ने नोटिसों को तत्काल वापस लेने की मांग की है। एचआरडीए के अध्यक्ष डॉ. कार्तिक नागुला ने इसे रोगी सुरक्षा की वकालत करने वाले पेशेवर के खिलाफ अनुचित कार्रवाई बताया है। वर्तमान में सोशल मीडिया पर स्टैंड विथ डॉ. शिवरंजनी हैशटैग ट्रेंड कर रहा है, जहां हजारों डॉक्टर और अभिभावक नकली ओआरएस मुक्त चिकित्सा की इस मुहिम का समर्थन कर रहे हैं। डॉ. संतोष की आठ साल की लंबी कानूनी और सामाजिक लड़ाई ही एफएसएसएआई के कड़े नियमों की मुख्य प्रेरणा मानी जा रही है।

गैस सिलिंडर फटने से ध्वस्त हुआ मकान, मलबे में दबने से दो लोगों की मौत; दो घायल

वाराणसी, 24 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी जिले के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के लहरतारा पुल के पास एक गली में गैस सिलिंडर में ब्लास्ट हुआ, जिससे मकान ध्वस्त हो गया। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई है। जबकि दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान प्रीति (27) और ओम कुमार चौधरी (30) के रूप में हुई। लहरतारा में मंगलवार की सुबह अचानक धमाके की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। बाहर निकलकर लोगों ने देखा तो एक मकान ध्वस्त हो गया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि सिलिंडर ब्लास्ट करने से मकान गिर गया। जिसमें चार लोग दब गए। आनन-फानन रेस्क्यू कर सभी को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। जहां दो लोगों की मौत हो गई। वहीं दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह से पहले नोएडा में बढ़ी हलचल

वीवीआईपी के लिए नामी होटल किए जा रहे बुक

नोएडा, 24 मार्च (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। एयरपोर्ट की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उधर, भाजपा नेताओं की तरफ से उद्घाटन समरोह में दो लाख से अधिक लोगों के शामिल होने का दावा किया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर पंडाल आदि लगाए जा रहे है। बिजली, पानी से लेकर पॉर्किंग की व्यवस्था दुरस्त की जा रही है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों की तरफ से होटलों को बुक किया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम में शामिल होने वाले मेहमानों को कोई परेशानी न हो।

सीएम योगी ने निरीक्षण कर दिए निर्देश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एयरपोर्ट का निरीक्षण कर अधिकारियों को सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। दरअसल, कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की सुरक्षा के एसपीजी समेत अन्य फोर्स भी आएंगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए वीवीआईपी, वीआईपी भी आएंगे। जिनमें उत्तर प्रदेश के पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के अलावा भाजपा के दिग्गज नेता भी शामिल होंगे। सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो सके, इसके लिए अन्य जिलों से पुलिस अधिकारी और कर्मी भी बुलाए गए है। साथ ही एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह के दौरान भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसी को देखते हुए होटलों में भी उनके ठहरने की व्यवस्था की जा रही है।

होटल में कमरों की बुकिंग के निर्देश

सूत्रों ने दावा किया है कि उद्घाटन समारोह को देखते हुए सभी कोतवाली प्रभारियों को होटल में कमरे की बुकिंग करने के निर्देश दिए गए है। यमुना क्षेत्र के अलावा ग्रेटर नोएडा के होटलों में भी उनके रहने की व्यवस्था की जा रही है। माना जा रहा है कि उद्घाटन समारोह में शामिल होने वाले वीवीआईपी और वीआईपी को ठहराया जाएगा।

1200 में मिलती थीं लड़कियां

दो महीने से चल रहा था फिरोजाबाद के होटल में देह व्यापार

फिरोजाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। मक्खनपुर में सांती पुल के समीप पारस होटल में देह व्यापार दो महीने से चल रहीं थीं, लेकिन पुलिस ने को भनक तक नहीं लगी। वीडियो सामने आने के बाद शनिवार की शाम पुलिस और तहसील प्रशासन ने मिलकर छापेमारी की तो चार युवतियों सहित 15 लोगों को गिरफ्तार कर किया गया।

उन्हें जेल भेज दिया। होटल मालिक और संचालक अब भी गिरफ्त से दूर हैं। 1000 से 1200 रुपये में सौदा तय होने के बाद लड़कियां उपलब्ध कराई जाती थीं। पुलिस के अनुसार पहले संचालक पारस के पास युवक सौदा तय करते थे। इसके बाद मालिक कश्मीर सिंह की अनुमति पर लड़कियां बुलाई जाती थीं। आसपास के लोगों ने कई बार इलाका पुलिस को सूचना देकर विरोध जताया था, मगर सुनवाई नहीं हुई। होटल पर कार्रवाई कराने में दो यू-ट्यूबर शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यू-ट्यूबरों ने होली पर होटल संचालक से शराब की मांग की थी, संचालक द्वारा मना करने पर वीडियो बनाकर वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा। इसके बाद मक्खनपुर पुलिस सक्रिय हुई।

छापेमारी में पुलिस ने चार युवतियां और 11 युवकों को पकड़ा। इनमें से तीन युवतियां आगरा और एक रामगढ़ क्षेत्र की है। थानाध्यक्ष चमन शर्मा ने बताया कि फरार आरोपितों की तलाश की जा रही है। मक्खनपुर के साथ ही राजा का ताल, उसायनी, टूंडला और शिकोहाबाद क्षेत्र में इस तरह के कई होटल चल रहे हैं। दक्षिण थाना क्षेत्र में महावीर नगर, उत्तर में बंबा और ककरऊ कोठी क्षेत्र में कई अड्डे हैं।

कैश एजेंट से दो बाइक सवारों ने की 20 लाख की लूट पिस्टल की नोक पर दिया वारदात को अंजाम

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के पटना में पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब अज्ञात बदमाशों ने एक मनी कलेक्शन एजेंट से 20 लाख रुपये की लूट की वारदात को अंजाम दिया। प्राइवेट कंपनी में तैनात एजेंट पंकज कुमार दो दिन का कलेक्शन लेकर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया जा रहा था, तभी दो बाइक सवारों ने पिस्टल की नोंक पर लूट लिया। इस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और इलाके में नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। इलाके के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

डीडीसी के कई ठिकानों पर एक साथ रेड

1,84,32,900 रुपये की काली कमाई का आरोप; दस्तावेज खंगाल रही एसवीयू

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)।

बिहार में भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ नीतीश सरकार का जीरो टॉलरेंस अभियान बिना किसी रुकावट के जारी है। इसी कड़ी में स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसवीयू) की टीमों ने मंगलवार सुबह शिवहर के डिप्टी डेवलपमेंट कमिश्नर (डीडीसी) सह जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजेश कुमार से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं ज्यादा संपत्ति के मामले में ये छापेमारी बेतिया, सीतामढ़ी और शिवहर में चल रही है।

1.84 करोड़ की अवैध संपत्ति के आरोप

विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने बृजेश कुमार के खिलाफ कांड संख्या-11/2026 दर्ज किया है। जांच एजेंसी के अनुसार, बृजेश कुमार ने अपने सेवा काल के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए और लोक सेवक के रूप में अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए ज्ञात आय के स्रोतों से 1,84,32,900 रुपये (करीब 1.84 करोड़) अधिक की संपत्ति अर्जित की है। मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(बी), 13(2) एवं 12 के तहत दर्ज किया गया है।

तीन जिलों में एक साथ विजिलेंस की छापेमारी

पटना की स्पेशल विजिलेंस कोर्ट द्वारा जारी तलाशी वारंट पर कार्रवाई करते हुए, एसवीयू की अलग-अलग टीमों ने मंगलवार सुबह तीन ज़िलों में एक साथ अभियान शुरू किया। शिवहर में, डीडीसी के सरकारी दफ्तर और उनके मौजूदा रिहायशी ठिकाने पर अभी भी गहन तलाशी चल रही है। इस बीच, सीतामढ़ी और बेतिया में, आरोपी अधिकारी से जुड़ी निजी संपत्तियों और ठिकानों की पूरी तरह से छानबीन की जा रही है, जिससे बेनामी निवेश से जुड़े सुराग मिलने की बात कही जा रही है।

दस्तावेज खंगाल रही एसवीयू

छापेमारी के दौरान, एसवीयू की टीमें संपत्ति और जमीन के मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेज़ों की बारीकी से जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान अभी भी जारी है और टीम को उम्मीद है कि उन्हें और भी अहम दस्तावेज़ मिलेंगे। चल रही जांच के आधार पर, इन अवैध संपत्तियों का अनुमानित मूल्य और भी ज्यादा बढ़ सकता है। छापेमारी पूरी होने के बाद ही जब्त किए गए सामान की आधिकारिक सूची जारी होगी।

इंस्टाग्राम पर रील के खुमारी में युवती ने लांघी हदें, रिवॉल्वर रानी के नाम से हुई फेमस!

कानपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर रील बना कर रातों- रात फेसम होने का आजकल युवतियों में सनक सवार है। ऐसे में वह कानून की धज्जियां उड़ाने से बाज नहीं आती है, ऐसा ही एक मामला इंटर नेट पर वायरल हो रही है। जहां पर युवती फिल्मी गाने पर अवैध रिवॉल्वर से रील बना रही है। न उन्हें कानून की फिक्र है न ही समाज का डर। मिली जानकारी के मुताबिक मामला कानपुर के किदवई नगर थाना क्षेत्र में एक युवती ने हाथ में रिवॉल्वर लेकर दुकान पर खड़े होकर रील बनाई, जो तेजी से वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि "अंजलि शर्मा 2080" नाम की इंस्टा आईडी से यह वीडियो पोस्ट किया गया, जिसे लाइक्स और फॉलोअर्स बढ़ाने के मकसद से बनाया गया था।

पति की मृत्यु के बाद तलाक की डिक्री को रद नहीं किया जा सकता

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

प्रयागराज, 24 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि पति या पत्नी की मृत्यु के बाद एक पक्षीय तलाक की डिक्री को रद नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में मुकदमा आगे नहीं बढ़ सकता और इसे पुनर्जीवित करना कानूनन संभव नहीं है। इसलिए अदालत कोई आदेश नहीं दे सकती। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा तथा न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने परिवार अदालत द्वारा एकतरफा तलाक निरस्त करने संबंधी आदेश रद कर दिया है। परिवार अदालत ने 30 साल पुराने तलाक को इस आदेश से बहाल कर दिया गया था।

मुकदमे से जुड़े तथ्य यह हैं कि पहली पत्नी का विवाह 1991 में एक पक्षीय डिक्री के जरिसे समाप्त हो गया। इसके बाद पति ने दूसरी शादी कर ली और परिवार के साथ अलग रहने लगा। वर्ष 2023 में पति की मृत्यु के बाद दूसरी पत्नी को वैध विधवा मानते हुए उसे सभी सेवा लाभ दिए गए। पहली पत्नी ने भी लाभ पाने के लिए दावा किया और परिवार अदालत में तलाक की एकपक्षीय डिक्री निरस्त करने की मांग की। परिवार अदालत ने देरी माफ करते हुए तलाक की डिक्री रद की, जिसे दूसरी पत्नी और उसके बच्चों ने हाई कोर्ट में चुनौती दी।

हाई कोर्ट ने पाया कि पहली पत्नी ने डिक्री को चुनौती देने के लिए 30 साल से अधिक समय तक कोई कदम नहीं उठाया और यह आवेदन पति की मृत्यु के तुरंत बाद किया गया, जिससे उसकी मंशा पर सवाल उठता है। हाई कोर्ट ने कहा, पहली पत्नी यह साबित नहीं कर पाई कि उसे तलाक की कार्यवाही की सूचना नहीं दी गई थी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार पति या पत्नी की मृत्यु के बाद वैवाहिक विवाद समाप्त हो जाता है और उसे आगे नहीं बढ़ाया जा सकता।

पूजा पाल ने अतीक को बताया सपा का फाइनेंसर

अखिलेश को लिया आड़े हाथ

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजू पाल की पत्नी और विधायक पूजा पाल ने एक बार फिर अतीक अहमद के मामले पर अखिलेश यादव को आड़े हाथों ले लिया। हालांकि इस दौरान पूजा पाल ने सीएम योगी की जमकर तारीफ की और कहा कि योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के धुरंधर मुख्यमंत्री हैं।

इसके अलावा पूजा पाल ने कहा कि अतीक अहमद ने मेरी तरह हजारों युवाओं की जिंदगी बर्बाद की। सपा के संरक्षण में अतीक दीमक की तरह देश को खोखला करता रहा।

साथ ही पूजा पाल ने अतीक अहमद को समाजवादी पार्टी का सबसे बड़ा फाइनेंसर बताया है। दरअसल, महिला विधायक पूजा पाल से सपा नेता रामगोपाल यादव के उस बयान को लेकर सवाल किया गया, जिसमें रामगोपाल यादव ने कहा था कि सपा की सरकार आने पर अतीक की हत्या का बदला लिया जाएगा। रामगोपाल यादव के इस बयान पर टिप्पणी करते हुए पूजा पाल ने कहा, 'देखिए इस पर मैं यही कह सकती हूं की योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश के एक धुरंधर मुख्यमंत्री हैं और जिन्होंने अतीक और मुख्तार जैसे माफियाओं के साम्राज्य का अंत किया है।

एक फिल्म ने अतीक अहमद और समाजवादी पार्टी के संबंधों को उजागर कर दिया है। सपा के संरक्षण में अतीक ने एक दीमक की तरह देश को खोखला कर दिया। अतीक केवल मेरा गुनाहगार नहीं था।'

अतीक को बताया सपा का बड़ा फाइनेंसर

पूजा पाल ने कहा, 'मेरे पति राजू पाल की हत्या करके उसने केवल मेरी जिंदगी बर्बाद नहीं की बल्कि हजारों परिवार को पीड़ित बनाया। अतीक ने युवाओं को नशे का आदी बनाकर समाज को बर्बाद किया। सपा के संरक्षण में अतीक और उसके लोगों ने नकली नोटों का कारोबार किया और देश की सुरक्षा से खिलवाड़ किया। सपा को अतीक की सारी गतिविधियों की जानकारी थी। लेकिन अतीक पर की गई कार्रवाई अखिलेश को पसंद नहीं आई। अतीक अहमद के रूप में समाजवादी पार्टी का बड़ा फाइनेंसर मारा गया,

'यह शब्द भले ही रामगोपाल यादव के हों लेकिन...'

पूजा पाल ने कहा कि यह शब्द भले ही रामगोपाल यादव के हों। लेकिन विचार अखिलेश यादव के हैं। सपा का पूरा सिस्टम ही हत्यारों और अपराधियों को बचाने का काम करता है। अगर मैं राजू पाल की हत्या के बाद जीवित हूं तो उसकी एकमात्र वजह हैं सीएम योगी। अगर अखिलेश यादव इस वक्त मुख्यमंत्री होते या उनकी सरकार होती तो अब तक मेरी हत्या हो चुकी होती।

इंस्टाग्राम से दोस्ती फिर मिलने बुलाया, हिंदू किशोरी के अपहरण के प्रयास में दो मुस्लिम युवक गिरफ्तार

उन्नाव, 24 मार्च (एजेंसियां)। इंस्टाग्राम से 17 वर्षीय किशोरी से दोस्ती के बाद मुस्लिम युवक अपने एक साथी के साथ युवती को ले जाने की नीयत से बाइक से उसके गांव पहुंच गया। बरगलाकर उसे बुर्का पहना बाइक में बैठाया ही था कि भाई पहुंच गया। भाई के विरोध करने व शोर मचाने पर खुद को फंसता देख आरोपित किशोरी को वहीं छोड़कर भाग निकले। पिता की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपितों पर रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा है। क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 17 वर्षीय हिंदू किशोरी की चार माह पहले सदर क्षेत्र के सिंगरोसी निवासी आरिफ से इंस्टाग्राम पर मुलाकात हुई थी। बाइक में बैठा उसे लेकर चले ही थे कि खोजते हुए पीछे से किशोरी का छोटा भाई वहां पहुंच गया। उसने बहन को ले जाने का विरोध किया। आरोपितों के गाली-गलौज करने पर भाई ने शोर मचा दिया। फंसने के डर से आरोपित किशोरी को छोड़कर भाग निकले। किशोरी को साथ लेकर थाना पहुंचे पिता ने तहरीर देकर आरिफ व साहिल के विरुद्ध अपहरण के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराया है।

'गैस नहीं है? दही-चूड़ा खाकर काम चलाओ'

वायरल वीडियो पर भड़की आरजेडी, कहा- पीएम ने क्या दिन ला दिए

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)।

भारत इस समय कई दशकों के अपने सबसे गंभीर ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। खाली सिलेंडर लेकर गैस वितरण केंद्रों के बाहर खड़े लोगों की हताशा के बीच, एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसने आग में घी डालने का काम किया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और अब राष्ट्रीय जनता दल (आजेडी) की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ। कंचना यादव ने इसे सोशल मीडिया एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल से शेयर किया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ी आलोचना की है। वायरल वीडियो में एक सुपरवाइजर अपने मजदूरों से बात करते हुए खाना पकाने वाली गैस की भारी कमी पर चर्चा करते हुए दिखाई दे रहा है। जब मजदूर अपनी शिकायतें बताते हैं, तो सुपरवाइजर उन्हें सलाह देते हुए कहता है, 'हर कोई गैस की इस समस्या का सामना कर रहा है, अगर गैस नहीं मिल रही है, तो इमरजेंसी में दही-चूड़ा खाकर काम चलाओ।' वह आगे सुझाव देता है कि चूंकि अभी नवरात्रि का भी समय चल रहा है, ऐसे में फल खाने और दही-चूड़ा का सेवन करने की कोशिश करनी चाहिए। वीडियो में, सुपरवाइजर यह भी स्वीकार करता है कि दही-चूड़ा खाना कोई स्थायी समाधान नहीं है और उन्हें भरोसा दिलाता है कि गैस की व्यवस्था जल्द ही की जाएगी, यह बताते हुए कि इस पर बात चल रही है। वह कहता है कि जैसे ही गैस उपलब्ध हो हो जाएगा, सबको उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसके जवाब में, मज़दूरों में से एक कहता है कि दूध मंगा कर दही जमा दीजिए।

कंचना यादव ने क्या कहा?

इस वीडियो को शेयर करते हुए, डॉ कंचना यादव ने कैप्शन में लिखा, 'देखो, गैस नहीं मिल रही है तो दही-चूड़ा खाओ। क्या दिन ला दिए हैं एक कायर प्रधानमंत्री ने।' कंचन यादव ने एक अलग पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक और हमला बोला। उन्होंने लिखा, 'सुल्तान ने महंगाई को लेकर हो रहे शोर-शराबे पर अपने कान बंद कर लिए हैं एलपीजी के संकट पर अपनी आंखें मूंद लीं हैं, रुपये की गिरती कीमत पर अपनी ज़ुबान कसकर दबा ली है और इसी सब के बीच... हाथ जोड़कर आपसे आपका वोट मांगता रहा। और दरबारी? वे तालियां बजाते हैं और कहते हैं, कितने महान सुल्तान हैं!'

संकट का असली कारण

भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से आयात करता है, जिसमें से 90 प्रतिशत खाड़ी देशों से आता है और होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध छिड़ने के बाद, ईरान ने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को प्रभावी ढंग से बंद कर दिया है। भारत के लिए सैकड़ों-हजारों टन गैस ले जा रहे टैंकर इस समय खाड़ी में फंसे हुए हैं। आपूर्ति में कमी और लोगों द्वारा घबराहट में की जा रही बुकिंग के कारण, कई राज्यों में एलपीजी डिलीवरी के लिए प्रतीक्षा अवधि बढ़कर 25 से 45 दिन हो गई है।

राहत की उम्मीद

इस संकट के बीच, भारत के लिए कुछ राहत भरी खबरें सामने आई हैं। दो भारतीय जहाज 'पाइन गैस' और 'जग वसंत' सफलतापूर्वक होर्मुज स्ट्रेट से गुजर गए हैं। लगभग 92,000 मीट्रिक टन गैस ले जा रहे इन टैंकरों के 26 मार्च से 28 मार्च के बीच भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने की उम्मीद है। इससे पहले, दो अन्य भारतीय जहाज भी सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट से गुजर चुके हैं। एलपीजी से लदे भारत के झंडे वाले दो जहाज शिवालिक और नंदा देवी ने सफलतापूर्वक होर्मुज स्ट्रेट पार किया था और भारत पहुंचे थे।

एआईएमआईएम नेता शौकत अली का विवादित बयान

11 विधायक दे दो, मुसलमान को मारने वालों का होगा एनकाउंटर'

मेरठ, 24 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत अली ने विवादित बयान दिया है, जिससे प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है। एआईएमआईएम नेता मेरठ में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे जहां उन्होंने कहा कि हमें 111 नहीं सिर्फ 11 विधायक दे दो तो वो अपनी ताकत दिखा देंगे और किसी मुसलमान का एनकाउंटर करने वाले का भी एनकाउंटर होगा। एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत अली मेरठ में आयोजित ईद मिलन के एक कार्यक्रम में पहुंचे थे, जहां उन्होंने कई मुद्दों पर सरकार और प्रशासन को निशाने पर लिया। इस दौरान हाजी शौकत अली ने कहा कि उन्हें 111 नहीं, बल्कि सिर्फ 11 विधायक दे दिए जाएं, तो वे अपनी ताकत दिखा देंगे।

उन्होंने कहा कि मैं आपसे वादा करके जा रहा हूं कि उत्तर प्रदेश में अगर किसी मुसलमान का अगर एनकाउंटर होगा तो एनकाउंटर करने वालों का भी एनकाउंटर होगा। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि आपने जिसके 111 विधायक जिताए वही अब यह कह रहे हैं कि उनकी सरकार नहीं है वो क्या कर सकते है। एआईएमआईएम नेता आरोप लगाया कि प्रदेश में मदरसों पर ताले लगवाए गए, सिर्फ आरोपों के आधार पर लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाए गए और बेगुनाहों को निशाना बनाया गया।

अधिकारी संजीव हंस के खिलाफ एक और एफआईआर

1 करोड़ घूस लेने का आरोप

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिहार कैडर के आईएएस अधिकारी संजीव हंस के खिलाफ सीबीआई ने एक और मामला दर्ज किया है। उपभोक्ता मामलों के तत्कालीन केंद्रीय मंत्री के निजी सचिव रहे संजीव हंस पर अब एक करोड़ रुपए घूस लेने का आरोप लगा है। सीबीआई की दिल्ली ब्रांच ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, सीबीआई ने आईएएस अधिकारी संजीव हंस समेत 8 लोगों के खिलाफ एक करोड़ रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में नियमित मामला दर्ज किया है। अन्य लोगों में विपुल बंसल, अनुभव अग्रवाल, पुष्पराज बजाज, शादाब खान, देवेंद्र सिंह आनंद, मुकुल बंसल और मैसर्स ईस्ट एंड वेस्ट बिल्डर्स के एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

आरोप है कि राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग (एनसीडीआरसी) में एक बिल्डर के पक्ष में फैसला कराने के लिए यह घूस ली गई थी। सीबीआई को मिली जानकारी के अनुसार, संजीव हंस ने आरएनए कॉरपोरेशन से जुड़े विपुल बंसल और अन्य के साथ मिलकर ईस्ट एंड वेस्ट बिल्डर्स के प्रमोटरों से अनुकूल आदेश दिलाने के लिए रिश्वत की मांग की और उसे स्वीकार किया। बताया गया है कि विपुल बंसल ने संजीव हंस की मुलाकात आरएनए समूह के प्रमोटर अनुभव अग्रवाल से कराई थी, जहां एक करोड़ रुपए घूस देने पर सहमति बनी। जांच में सामने आया है कि इसके बाद संजीव हंस ने आयोग में बिल्डर के पक्ष में सुनवाई की तारीखें तय कराने और एक प्रमोटर की गिरफ्तारी टालने में मदद की। इसके एवज में पूरी रकम किस्तों में दी गई।

मामले में शादाब खान और पुष्पराज बजाज की भूमिका भी अहम बताई जा रही है, जो कथित तौर पर रकम के लेनदेन और हवाला के जरिए रकम ट्रांसफर करने में शामिल थे। सीबीआई के अनुसार, 8 अगस्त 2019 को 16 लाख रुपए बैंक के जरिए एक खाते से दूसरे खाते में भेजे गए, जबकि 25 लाख रुपए नकद हवाला के माध्यम से दिए गए। बाकी के 60 लाख रुपए भी हवाला नेटवर्क के जरिए पहुंचाये जाने की बात सामने आई है।

जांच एजेंसी का कहना है कि आरोपी आपस में कोड वर्ड का इस्तेमाल कर लेनदेन और संपर्क की जानकारी साझा करते थे। इस पूरे मामले में आपराधिक साजिश, भ्रष्टाचार निवारण कानून और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम झांसा देकर 7 लाख रुपये की ठगी

यमुनानगर, 24 मार्च (एजेंसियां)। युवक को विदेश भेजने के नाम पर सात लाख रुपये ठग लिए गए। आरोप चंडीगढ़ सेक्टर 22 स्थित ईवीएम ग्रुप फर्म व उसके संचालकों पर लगा है। युवक से रुपये लिए गए लेकिन उसका वीजा नहीं लगा। जब उसने रुपये वापस मांगे तो साफ इन्कार कर दिया गया। मामले में शहर जगाधरी थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में कल्याणनगर निवासी अशोक कुमार ने बताया कि वह विदेश जाना चाहता था। एक दिन मोबाइल पर एक विज्ञापन देखा। जिसमें ईवीएस ग्रुप चंडीगढ़ के बारे में जानकारी दी गई थी। यह फर्म लोगों को विदेश भिजवाने का कार्य करती है। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर संपर्क किया। बातचीत होने के बाद 24 अप्रैल 2025 को फर्म के कार्यालय में गया। वहां पर आस्ट्रेलिया भिजवाने के बारे में बात हुई।

दिशा सालियान केस: अंतिम जांच रिपोर्ट में देरी पर बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त

24 घंटे में पेश करने के निर्देश

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान की मौत का मामला एक बार फिर तेजी से सुर्खियों में आ गया है। इस बार बॉम्बे हाईकोर्ट ने अंतिम जांच रिपोर्ट में देरी को लेकर सरकार और जांच एजेंसियों पर नाराजगी जताई है। अदालत ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जांच एजेंसी 24 घंटे के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करे। कोर्ट ने कहा कि आखिर फाइनल रिपोर्ट अब तक क्यों जमा नहीं की गई। सुनवाई के दौरान जब सरकारी पक्ष ने नए सबूतों की जांच का हवाला देते हुए समय मांगा, तो कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या इस तरह से जांच को अनिश्चित समय तक टाला जाता रहेगा? इस मामले में दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

उन्होंने अपनी याचिका में मांग की है कि उनकी बेटी की मौत को आत्महत्या न मानते हुए हत्या का मामला दर्ज किया जाए। उनका कहना है कि अब तक की जांच में कई अहम पहलुओं को नजरअंदाज किया गया है और सच्चाई सामने लाने के लिए नए सिरे से जांच जरूरी है।

कोर्ट में चल रही इस सुनवाई ने एक बार फिर इस पूरे मामले को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

दरअसल, दिशा सालियान की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में 14वीं मंजिल से गिरने के कारण हुई थी। उनकी मौत के कुछ दिन बाद 14 जून को अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत का मामला भी सामने आया था। दिशा, सुशांत सिंह की पूर्व मैनेजर रह चुकी थीं। ऐसे में दोनों मामलों को जोड़कर देखा गया। मामले की जांच कर रही पुलिस ने दिशा सालियान की मौत को आत्महत्या करार दिया और बताया कि वह कई कारणों से डिप्रेशन से जूझ रही थीं, जिसके चलते उन्होंने खुदकुशी कर ली। पुलिस की इस शुरुआती जांच से परिवार संतुष्ट नहीं था और लगातार इस पर सवाल उठाता रहा है।

सतीश सालियान ने याचिका में आरोप लगाया है कि उनकी बेटी से दुष्कर्म किया गया और फिर उसकी हत्या की गई।

इस मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। कुछ प्रभावशाली लोगों को बचाने के लिए जांच सही तरीके से नहीं की गई। याचिका में मुंबई पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। याचिका में आरोप लगाया गया कि मुंबई पुलिस ने फोरेंसिक सबूतों, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और गवाहों के बयानों को नजरअंदाज करते हुए जल्दबाजी में इसे आत्महत्या का मामला मान लिया। इस याचिका में शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है, हालांकि आदित्य ठाकरे ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। अब हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

खाद्यान्न गबन मामले में 17 आरोपी दोषी करार, छह बरी

लुधियाना, 24 मार्च (एजेंसियां)। लुधियाना की बहुचर्चित खाद्यान्न गबन और भ्रष्टाचार मामले में अदालत ने फैसला सुनाते हुए 17 आरोपियों को दोषी करार दिया है। पुलिस ने सभी दोषियों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया है, जबकि पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में छह आरोपितों को बरी कर दिया गया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमरिंदर सिंह शेरगिल की अदालत ने स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में सफल रहा है। इसी आधार पर दोषियों को आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर अपराधों का दोषी ठहराया गया।

अब इस मामले में सजा की अवधि तय करने को लेकर 25 मार्च को सुनवाई होगी। यह मामला एक सितंबर 2012 को विजिलेंस ब्यूरो थाने में दर्ज किया गया था। करीब 14 साल चली सुनवाई के बाद अब अदालत ने अपना फैसला सुनाया है।

अभियोजन के अनुसार, माछीवाड़ा स्थित सरकारी गोदाम से 370 बोरी खाद्यान्न चार ट्रकों में लोडकर राशन डिपो होल्डरों के लिए भेजा गया था। डिपो होल्डरों ने इसके लिए अग्रिम भुगतान भी किया था, लेकिन रास्ते में ही ट्रकों को रोककर खाद्यान्न को आटा मिलों की ओर मोड़ दिया गया, जहां इसे खुले बाजार में बेचने की साजिश रची गई। जांच में सामने आया कि इस पूरे खेल में डिपो होल्डर, आटा मिल मालिक और कुछ सरकारी अधिकारी शामिल थे।

सुनवाई के दौरान मुख्य आरोपित पनग्रेन इंस्पेक्टर समेत तीन की मौत हो गई, जिसके चलते उनके खिलाफ कार्यवाही समाप्त कर दी गई। वहीं, एक महिला डिपो होल्डर को अदालत ने भगोड़ा घोषित कर रखा है।

सीलमपुर में डीसीपी ऑफिस के पास स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने 1 किलो सोना लूटा

डेढ़ करोड़ की लूट से हड़कंप

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में पुलिस की नाक के नीचे बड़ी लूट की वारदात सामने आई है। सीलमपुर फ्लाईओवर के पास, डीसीपी ऑफिस से महज कुछ मीटर दूरी पर स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने स्कूटी सवार पिता-पुत्र से करीब 1 किलो सोना लूट लिया, जिसकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, रामनगर शाहदरा निवासी अनेष बंसल और उनका बेटा प्रथम बंसल चांदनी चौक के कुचा महाजनी से स्कूटी पर लौट रहे थे।

करीब 10 बजे जैसे ही वे सीलमपुर फ्लाईओवर पार कर डीसीपी ऑफिस के पास पहुंचे, पीछे से आई काले रंग की स्कॉर्पियो ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिर गए।

लुटेरों का मुकाबला किया, लेकिन

इसके बाद स्कॉर्पियो से उतरे 2-3 बदमाशों ने उनके साथ हाथापाई शुरू कर दी।

प्रथम बंसल ने हेलमेट से बदमाशों का मुकाबला भी किया, लेकिन आरोपित उनके पास रखा 1 किलो सोना, सोने की चेन, मोबाइल और स्कूटी लेकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि सोना अगले दिन डिलीवरी के लिए ले जाया जा रहा था।

पुलिस ने स्कार्पियो पकड़ी

वारदात के बाद पीड़ितों ने किसी राहगीर के फोन से पुलिस को कॉल किया। पुलिस ने अलर्ट जारी कर स्कॉर्पियो की तलाश शुरू की। बहूपुरा बॉर्डर के पास पुलिसकर्मियों ने पीछा कर गाड़ी को पकड़ लिया और ड्राइवर को हिरासत में लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और बाकी आरोपितों की तलाश की जा रही है। इतनी बड़ी वारदात डीसीपी ऑफिस के पास होने से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पानी की कीमतें बढ़ीं

20 लीटर वाली कैन और बोतलबंद पानी महंगा हुआ

चेन्नई, 24 मार्च (एजेंसियां)। तेल समृद्ध पश्चिम एशियाई क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का असर अब तमिलनाडु के कुछ घरों पर पड़ने लगा है। पेट्रोलियम आधारित कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के बाद पानी की बोतलें और 20 लीटर वाले कैन बनाने की लागत बढ़ गई है, जिसकी वजह से बोतलबंद पानी की कीमतें भी बढ़ गई हैं। पहले इस संकट का असर राज्य के होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर पर पड़ा था, लेकिन अब यह सीधे उन लोगों को महसूस हो रहा है जो रोजमर्रा की जरूरतों के लिए 20 लीटर वाली कैन वाले पानी पर निर्भर हैं। सूत्रों के अनुसार, पॉलीएथिलीन टेरेफ्थेलेट की कीमत बढ़ गई है, जो बोतलें और कैन बनाने में इस्तेमाल होती है।

इसके कारण नए 20-लीटर वाले कैन की कीमत काफी बढ़ गई है। निर्माताओं ने 20 लीटर कैन की कीमत लगभग 5 रुपए बढ़ा दी है, जबकि कुछ बड़े ब्रांडों ने इसे 10 रुपए तक बढ़ाया है। बोतलबंद पानी की कीमत भी बढ़ गई है। अब एक कैन पानी की कीमत पहले से 20 से 30 रुपए ज्यादा हो गई है। तमिलनाडु में लगभग 1,500 पैकेज्ड वाटर यूनिट हैं, जो करीब 15 लाख लोगों को 20 लीटर कैन के जरिए पानी उपलब्ध कराती हैं, लेकिन राज्य में प्लास्टिक कंटेनर बनाने वाले बहुत कम हैं, इसलिए सप्लाई में कमी और उत्पादन में दिक्कतें आती हैं। हर यूनिट को हर हफ्ते नए कंटेनर की जरूरत होती है, इसलिए कच्चे माल में कोई रुकावट सीधे पानी की कीमतों को प्रभावित करती है। चेन्नई और अन्य शहरों में रिटेलर पहले ही बढ़ी कीमतें ग्राहकों पर डाल रहे हैं। पहले लगभग 20 रुपए का 20 लीटर वाला कैन, अब कई जगह 25 रुपए में बिक रहा है। आने वाले दिनों में कीमत और बढ़ सकती है। शहरी इलाकों में घरों पर पानी का खर्च बढ़ने लगा है। साथ ही डिलीवरी चार्ज भी ज्यादा हो गया है। उद्योग के विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अगर पेट्रोल या डीजल की कीमतें बढ़ीं तो ट्रांसपोर्टेशन का खर्च और बढ़ जाएगा और पानी महंगा होने लगेगा।

बेंगलुरु से लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान अचानक जेद्दा की ओर मोड़ा गया

यात्रियों को उतारा गया नीचे, सामने आई बड़ी वजह

बेंगलुरु, 24 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु से लंदन के हीथ्रो जा रहे एअर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान को सोमवार को 6 घंटे से अधिक समय तक हवा में रहने के बाद तकनीकी खराबी के कारण जेद्दा की ओर मोड़ दिया गया। एक बयान में एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा कि एहतियात के तौर पर विमान का मार्ग बदल दिया गया है और वर्तमान में स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार व्यापक तकनीकी निरीक्षण किया जा रहा है। प्रवक्ता ने बताया, '23 मार्च को एअर इंडिया का विमान एआई133 बेंगलुरु (बीएलआर) से लंदन हीथ्रो (एलएचआर) जा रहा था लेकिन तकनीकी खराबी की आशंका के चलते एहतियात के तौर पर इसे जेद्दा की ओर मोड़ दिया गया। विमान भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 58 मिनट पर जेद्दा हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया और सभी यात्री व चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। इसके बाद विमान में सवार सभी यात्रियों ने चैन की सांस ली।

बता दें कि पिछले एक-दो महीनों में एअर इंडिया के विमानों में कई तकनीकी खराबियों और ऑपरेशनल गड़बड़ियों के मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं ने एयरलाइन की सुरक्षा और संचालन व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। 19 मार्च को दिल्ली से वैंकूवर (कनाडा) जा रही फ्लाइट (एआई185) को उड़ान के कई घंटे बाद वापस लौटना पड़ा। कारण यह था कि जिस बोइंग 777 विमान का इस्तेमाल किया गया, उसे कनाडा के लिए आवश्यक अनुमति ही नहीं थी। इसे एक बड़ी ऑपरेशनल गलती माना गया।

मुक्तसर पुलिस का बड़ा एक्शन

विशाखापत्तनम आर्मी बेस की जानकारी आईएसआई को भेजने वाले दो जासूस गिरफ्तार

श्री मुक्तसर साहिब, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय सेना की गुप्त जानकारी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के एजेंटों को भेजने के मामले में मुक्तसर पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक प्राथमिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपितों ने विशाखापत्तनम में सितंबर 2025 में हुए स्वरक्षा महोत्सव के दौरान फोटो और वीडियो बना कर पाक बैठे एजेंटों को भेजी थीं। इसके अलावा यह व्यक्ति और संवेदनशील सैन्य जानकारी प्राप्त करने की कोशिश भी कर रहे थे। आरोपितों को अदालत में पेश कर चार दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपितों के खातों में पैसों का आदान प्रदान हुआ है जिसकी जांच की जा रही है।

एसएसपी अभिमन्यु राणा के मुताबिक मनमीत सिंह ढिल्लों एसपी(डी) और रशपाल सिंह डीएसपीडी की निगरानी में इंस्पेक्टर गुरविंदर सिंह इंचार्ज सीआईए स्टाफ मुक्तसर और पुलिस पार्टी ने दो ऐसे व्यक्तियों को काबू किया है जो पाकिस्तानी एजेंटों के साथ संपर्क में आकर भारत की संवेदनशील जानकारी लीक कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सीआईए स्टाफ ने बठिंडा बाइपास मुक्तसर में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी, जिसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने केस दर्ज कर आकाशदीप सिंह उर्फ मिंटू और बलराज सिंह को गिरफ्तार किया। इनका तीसरा साथी प्रीतपाल सिंह उर्फ योगराज सिंह जो पहले ही मुक्तसर की जेल में किसी अन्य केस में बंद है।

सीआइए इंचार्ज गुरविंदर सिंह ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि यह व्यक्ति पाकिस्तानी व्हाट्सएप नंबरों के साथ जुलाई 2025 से संपर्क में थे और पैसों के लालच में देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होकर आर्मी के गुप्त कार्यक्रमों और गतिविधियों से संबंधित जानकारी पाकिस्तानी आइएसआइ एजेंटों को भेज रहे थे। पूछताछ में यह भी सामने आया कि इन्होंने विशाखापत्तनम में हुए "स्वयंरक्षा महोत्सव सितंबर 2025" के दौरान फोटो और वीडियो बना कर आगे भेजे।

बाघों की मौत पर बड़ा खुलासा

12 साल में 298 मौतें, इंसानी लापरवाही पर हाई कोर्ट सख्त

नागपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बाघों की लगातार हो रही मौतों को लेकर गंभीर आंकड़े सामने आए है। पिछले 12 सालों में राज्य में कुल 298 बाघों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से 110 मौतें सीधे तौर पर इंसानी गतिविधियों से जुड़ी बताई जा रही हैं। इस मुद्दे को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है, जिस पर कोर्ट ने राज्य और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बाघों की मौत के पीछे इंसानी दखल एक बड़ी वजह बनकर सामने आया है। इनमें शिकार, बिजली का करंट और अन्य मानवीय लापरवाही शामिल हैं। आंकड़े बताते हैं कि 33 बाघों की मौत सिर्फ बिजली के झटके से हुई है। यह साफ दिखाता है कि जंगलों में बिजली लाइनों की सुरक्षा के लिए किए गए इंतजाम काफी कमजोर हैं।

सुरक्षा उपायों में कमी, फंड की भी दिक्कत

सुप्रीम कोर्ट की ओर से बिजली लाइनों को सुरक्षित करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं, लेकिन उन पर ठीक से अमल नहीं हो पाया। राज्य की बिजली कंपनी महावितरण ने करीब 82.44 करोड़ रुपये के प्रस्ताव दिए थे, लेकिन फंड की कमी के चलते ये काम अभी तक अटका हुआ है। यही वजह है कि बाघों की जान पर खतरा लगातार बना हुआ है। बाघों की मौत के मामलों की जांच भी समय पर नहीं हो पा रही है। साल 2025 तक करीब 92.9 फीसदी मामले अभी भी लंबित बताए जा रहे हैं, जबकि 143 केस पूरी तरह अनसुलझे हैं। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के आंकड़ों पर भी सवाल उठे हैं। याचिका में दावा किया गया है कि 2021 से 2025 के बीच हुई 16 बाघों की मौतों का कोई रिकॉर्ड आधिकारिक डेटा में नहीं है।

बजट में भी नहीं मिला फंड

सबसे हैरानी की बात यह है कि 2025-26 के बजट में बाघ संरक्षण के लिए कोई खास फंड नहीं रखा गया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब आंकड़े लगातार चिंता बढ़ा रहे हैं, तो फिर संरक्षण को लेकर गंभीरता क्यों नहीं दिखाई जा रही।

आरजी कर दुष्कर्म पीड़िता की मां को भाजपा के टिकट से मेरी न्याय की मांग कम नहीं होगी- दीप्शिता धर

कोलकाता, 24 मार्च (एजेंसियां)। माकपा की युवा नेता दीप्शिता धर ने आरजी कर अस्पताल दुष्कर्म-हत्या पीड़िता की मां के भाजपा के टिकट पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा पर निराशा व्यक्त की है। हालांकि, उन्होंने कहा कि चुनाव से उनका भावनात्मक जुड़ाव प्रताड़ित मेडिकल इंटर्न के लिए न्याय के मुद्दे पर केंद्रित है। कोलकाता के उत्तरी किनारे पर स्थित दमदम उत्तर सीट से 32 वर्षीय वामपंथी उम्मीदवार ने कहा कि उनका चुनावी मुद्दा राज्य की महिलाओं के लिए व्यापक लड़ाई है,

जो लिंग आधारित हिंसा का शिकार होती रहती हैं। उनका विधानसभा क्षेत्र उत्तर 24 परगना जिले में पानीहाटी निर्वाचन क्षेत्र से सटा हुआ है, जहां एक साल पहले राज्य को हिला देने वाले जघन्य अपराध की पीड़िता का निवास है। धर ने कहा कि चुनाव उन्हें 'अभया' (निर्भीक) के लिए न्याय मांगने का एक और अवसर प्रदान करता है, यह नाम राज्य के लाखों प्रदर्शनकारियों ने आरजी कर पीड़िता को दिया था। वह तृणमूल कांग्रेस की दिग्गज उम्मीदवार और मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं।

भाजपा ने अब तक पीड़िता की मां की उम्मीदवारी की पुष्टि या खंडन नहीं किया है। दीप्शिता धर ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा, यह मेरे लिए पहले दिन से ही एक भावनात्मक चुनाव था। क्योंकि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के ठीक बगल में एक महिला रहती थी, एक डॉक्टर बनने की चाह रखने वाली, जिसके सपने बेरहमी से टूट गए थे। और सड़कों पर आक्रोश के बावजूद, न्याय नहीं मिला।

जांच एक दिखावा थी और असली अपराधी अभी भी खुले घूम रहे हैं। धर ने कहा कि इन चुनावों के प्रति या 'अभया' के लिए न्याय की उनकी मांग के प्रति उनकी भावनाओं में कोई बदलाव नहीं आया है, भले ही पीड़िता की मां ने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के अपने इरादे की घोषणा की हो। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्रा और शोधकर्ता धर ने 2021 के चुनावों में बाली से माकपा उम्मीदवार के रूप में असफल चुनाव लड़ा था।

विधानसभा अध्यक्ष को भेजा गया बम की धमकी वाला मेल

मुख्यमंत्री समेत कई बड़े नेताओं का भी नाम

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को बम धमकी वाला ईमेल मिला है। ईमेल में विधानसभा भवन और विधानसभा दिल्ली मेट्रो स्टेशन को उड़ाने की धमकी दी गई। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय के मुताबिक, उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू को भी धमकी मिली है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा को भी धमकी दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ। एस जयशंकर को भी धमकी मिली है। मामले की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस समेत तमाम एजेंसियां अलर्ट हो गईं। पुलिस ने मौके पर जाकर छानबीन की। अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

बता दें इससे पहले भी समय-समय पर इसी तरह ई-मेल के जरिए अलग-अलग स्कूलों, नामी प्रतिष्ठानों और विशिष्ट लोगों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलती रही हैं। लेकिन जांच पड़ताल में पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलता है। विधानसभा में बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल के बाद डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंचा। विधानसभा की सुरक्षा और उत्तरी जिले की बम निरोधक दस्ते की टीमों द्वारा भी छानबीन की गई है। अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। सुबह 7:49 बजे पर स्पीकर विजेंद्र गुप्ता की ईमेल पर ईमेल आया और 7:28 बजे विधानसभा की ईमेल पर धमकी भरा मेल आया था।

एक ही दिन में 300 से अधिक मेल

जुलाई, 2025 में 40 से 50 स्कूलों को बम धमकी वाले ई-मेल मिली थी। ये सभी संदेश झूठे निकले थे। वहीं, पिछले साल सितंबर में एक ही दिन में 300 से अधिक स्कूलों और कई हवाई अड्डों को धमकी भरी ई-मेल मिली थी। इन संदेशों को एक समूह "टैरो राइज 111" द्वारा भेजा गया था।

इसी महीने शालीमार बाग, द्वारका और साकेत स्थित मैक्स अस्पतालों को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। लेकिन, वहां भी कुछ नहीं मिला। साल 2026 में भी यह सिलसिला जारी रहा। फरवरी और मार्च में करीब 15 से ज्यादा स्कूलों के साथ-साथ ऐतिहासिक धरोहर लाल किला और दिल्ली विधानसभा को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई।

वीपीएन से भेजी गईं ई-मेल

पुलिस जांच में पाया गया कि अधिकतर ई-मेल वीपीएन और एनक्रिप्टेड सर्वरों के माध्यम से भेजे गए, जिससे प्रेषक की वास्तविक पहचान छुपी रही। साइबर सेल और तकनीकी विशेषज्ञों को जांच में शामिल किया गया।

कुछ मामलों में यह भी सामने आया कि धमकी भेजने वाले नाबालिग थे। जुलाई 2025 में एक 12 वर्षीय छात्र द्वारा मजाक में भेजी गई धमकी का मामला उजागर हुआ। उसने स्वीकार किया कि उसका उद्देश्य स्कूल बंद करवाना था।

चुनाव से पहले बंगाल में भाजपा कार्यकर्ता की हत्या, पत्नी और पड़ोसी युवक गिरफ्तार

कोलकाता, 24 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले दक्षिण 24 परगना जिले के रायदीघी इलाके में एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान किशोर माजी (37) के रूप में हुई है, जो दिघीरपाड़-बकुलतला ग्राम पंचायत के निवासी थे और भाजपा के 216 नंबर बूथ के सह- अध्यक्ष थे। पुलिस के अनुसार, रात किशोर माजी को फोन कर घर से बाहर बुलाया गया, जिसके बाद पास के ही इलाके में गला रेतकर हत्या कर दी गई। कुछ समय बाद उनका रक्तरंजित शव बरामद हुआ। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मामले में मृतक की पत्नी और एक पड़ोसी युवक को गिरफ्तार किया गया है। दोनों से पूछताछ जारी है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने विवाहेत्तर संबंध में हत्या की आशंका जताई है।

मालदीव स्पीड बोट हादसा, 'जिप्सी किंग' हरी सिंह छह दिन से लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन पर उठे सवाल

चंडीगढ़, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारत के नामी रैली ड्राइवर और 'जिप्सी किंग' के नाम से प्रसिद्ध चंडीगढ़ निवासी 59 वर्षीय हरी सिंह का अभी तक कुछ पता नहीं चला है। 19 मार्च को मालदीव के समुद्र में स्पीडबोट के साथ हुए हादसे के बाद से वे लापता हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल परिवारों को असमंजस में डाला है, बल्कि रेस्क्यू ऑपरेशन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर चर्चा छेड़ दी है। हरी सिंह के करीबी मित्र एसपीएस गर्चा ने रेस्क्यू ऑपरेशन और प्रबंधन पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि उद्योगपति गौतम सिंघानिया को सिंघानिया को हादसे की जगह और पूरी घटना की जानकारी थी। उन्हें मालदीव में रहकर रेस्क्यू ऑपरेशन की निगरानी करनी चाहिए थी, ताकि वे हर संभव तरीके से मदद सुनिश्चित कर सकें। हरी सिंह 19 मार्च को मालदीव में उस समय लापता हो गए थे, जब एक स्पीडबोट पलट गई थी। इस हादसे में देश के नामी उद्योगपति गौतम सिंघानिया घायल हो गए थे। उन्हें मुंबई भेज दिया था, लेकिन हरी सिंह और कमांडर महेश रामचंद्रन का कोई पता नहीं चल सका है। मालदीव अथॉरिटीज की ओर से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। रोजाना ड्रोन के जरिए इलाके की निगरानी की जा रही है।

इसके साथ ही मालदीव कोस्ट गार्ड की टीमें समुद्र और तटों पर भी तलाश कर रही हैं। हरी सिंह का परिवार भी मालदीव पहुंच चुका है। हरी सिंह इंडियन मोटरस्पोर्ट में एक बड़ा नाम हैं। पांच बार के रैली नेशनल चैंपियन हैं। चंडीगढ़ मोटरस्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं।

ईसाई देश के लिए भारत में साजिश!

लीबिया से इराक तक अमेरिका के लिए 'पवित्र युद्ध' लड़ने वाले वैनडाइक पर खतरनाक खुलासे

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, 24 मार्च (एजेंसियां)। म्यांमार में जातीय मिलिशिया को ड्रोन युद्ध की ट्रेनिंग देने के आरोप में कोलकाता में भारत की नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने कम से कम 7 विदेशी लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 6 यूक्रेन के नागरिक हैं और एक अमेरिका का कहने वाला है।

अमेरकी नागरिक का नाम मैथ्यू एरॉन वैनडाइक है जिसके बारे में कई बड़े और सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। ये अमेरिका की तरफ से ईसाई देश बनाने के लिए 'पवित्र युद्ध' लड़ रहा था। मैथ्यू एरॉन वैनडाइक ने गिरफ्तारी से कुछ महीने पहले अपने एक दोस्त को मैसेज भेजा था जिसमें उसने उसे म्यांमार चलने के लिए कहा था।

वैनडाइक ने एक टेक्स्ट मैसेज में अपने दोस्त से कहा था कि काचिन और चिन लोग 'ईसाई धर्म को लेकर सचमुच गंभीर' लग रहे थे और 'ज्यादातर बौद्ध सैन्य जुंटा' से लड़ रहे थे। अमेरिकी पादरी डॉ. विलियम डेवलिन भी वैनडाइक के संपर्क में थे उन्होंने

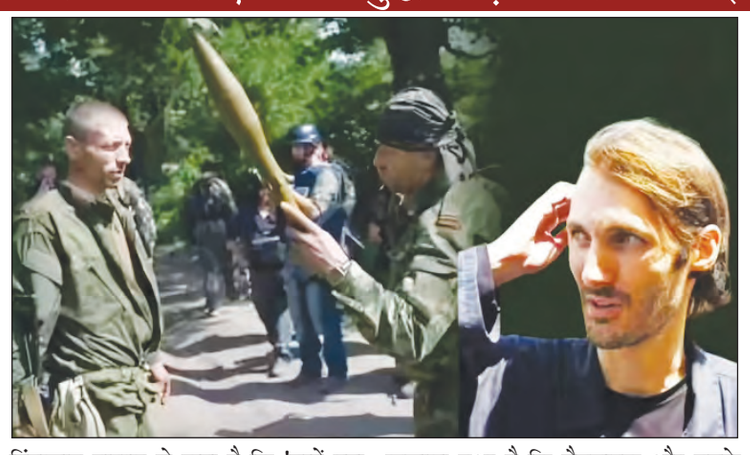

हिंदुस्तान टाइम्स से कहा है कि 'उन्हें पता था कि वैनडाइक म्यांमार में हैं और उसकी गिरफ्तारी की खबर सुनकर उन्हें कोई हैरानी नहीं हुई।' उन्होंने कहा कि 'मुझे पता था कि वह वहां (म्यांमार) है। मुझे पूरी तरह से यकीन नहीं था कि वह क्या कर रहा है। उसने बस यूं ही जिक्र किया था कि वह म्यांमार में लोगों को ट्रेनिंग दे रहा है।'

लीबिया और सीरिया के बाद म्यांमार में 'धर्म युद्ध'

खुलासा हुआ है कि वैनडाइक और उनके संगठन 'सन्स ऑफ लिबर्टी इंटरनेशनल' यानि एसओएलआई ने पिछले एक दशक का ज्यादातर समय युद्ध क्षेत्रों में बिताया है। उसने इराक में ईसाइयों को आईएसआईएस के खिलाफ लड़ने की ट्रेनिंग दी थी। इसके अलावा ये यूक्रेन भी जा चुका है जहां उसने यूक्रेनी नागरिकों को रूसी सैनिकों के खिलाफ लड़ने की ट्रेनिंग दी थी। वो खुद को एक क्रांतिकारी कहता है। एचटी ने वैनडाइक के सहयोगियों जैसे पादरी डेवलिन और उसके कई जानने वावे लोगों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वैनडाइक अपने संगठन एसओएलआई को एक सामान्य एनजीओ नहीं, बल्कि लड़ाई के दौरान मदद करने वाला एक चैरिटी संगठन कहता है।

जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी से उसने ग्रेजुएशन की है जो अमेरिका की विदेश नीति और खुफिया विभाग के दिग्गजों के प्रशिक्षण का केंद्र है। वैनडाइक ने एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता के तौर पर पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका की यात्रा करते हुए कई साल बिताए हैं। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता है कि उसके अमेरिका की खुफिया एजेंसियों से काफी गहरे संपर्क हैं। उसका संगठन एसओएलआई दुनिया भर के ईसाइयों को बचाने की कोशिश करता है जिन्हें अलग अलग युद्ध के मैदान में निशाना बनाने की कोशिश की जाती है। इनका कहना है कि ये लोग भाड़े के सैनिक नहीं हैं और ये किसी सरकार से पैसा नहीं लेते बल्कि आम लोगों से डोनेशन मांगते हैं। उस पैसे का इस्तेमाल वे उन समूहों को सैन्य ट्रेनिंग, बॉडी आर्मर और संचार उपकरण देने के लिए करते हैं।

वायुसेना का विमान क्रैश, 66 की मौत

114 कोलंबियाई सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे; टेकऑफ के बाद 1.5 कि.मी दूर गिरा

बोगोटा, 24 मार्च (एजेंसियां)। कोलंबिया में एयरफोर्स का हरक्यूलिस C-130 विमान टेक-ऑफ के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में अब तक 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। जबकि 4 सैनिक अभी भी लापता है। एक सैन्य सूत्र ने बताया कि 58 सैनिक, छह वायुसेना कर्मी और दो पुलिस अधिकारी मारे गए हैं।

यह हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूर्टो लेगुइजामो में हुआ। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने बताया कि विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। विमान में 114 सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे। कोलंबिया की सेना ने बताया कि इस हादसे में करीब 80 सैनिकों के मारे जाने की आशंका है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सैन्य विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि

कोलंबिया विमान हादसा

- दक्षिण अमेरिकी देश में सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त।
- सेना ने करीब 66 जवानों की मौत की पुष्टि की है।
- विमान में कुल 128 लोग सवार थे।
- मृतकों का आंकड़ा अभी और बढ़ने की आशंका।

यह एक गंभीर हादसा है। ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी और जवानों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। सरकार सेना को मजबूत बनाने और बेहतर सुविधाएं देने पर काम कर रही है, ताकि आगे ऐसे हादसे न हों।

पेट्रो ने कहा कि सेना के हथियार और संसाधनों को आधुनिक बनाने का फैसला पहले ही लिया जा चुका है, लेकिन प्रशासनिक देरी के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नागरिक या सैन्य अधिकारी इस चुनौती के अनुरूप काम नहीं कर पाए, तो उन्हें हटाया जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि सेना के लिए नए हेलिकॉप्टर, ट्रांसपोर्ट विमान और एंटी-ड्रोन सिस्टम तुरंत खरीदे जाने चाहिए, ताकि जवानों की सुरक्षा तय की जा सके। हादसे के बाद आसपास के गांवों के लोग तुरंत मदद के लिए पहुंच गए।

ग्रीनलैंड विवाद के बाद डेनमार्क में पहला आम चुनाव

> देश के लिए रणनीतिक रूप से अहम है इलेक्शन

कोपेनहेगन, 24 मार्च (एजेंसियां)। डेनमार्क में मंगलवार को आम चुनाव के लिए मतदान हुआ, जहां प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही हैं। यह चुनाव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी के बाद हो रहे हैं। इस चुनाव में करीब 43 लाख से अधिक मतदाता डेनमार्क की संसद के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव कर रहे हैं। डेनमार्क में संसद का कार्यकाल चार वर्षों का होता है।

डेनमार्क के लिए रणनीतिक रूप से अहम चुनाव

प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने पिछले महीने समय से पहले चुनाव कराने का ऐलान किया था। माना जा रहा है कि ग्रीनलैंड संकट के दौरान उनकी मजबूत नेतृत्व वाली छवि का फायदा उठाने के उद्देश्य से उन्होंने तय समय से पहले चुनाव कराने का फैसला किया है। ग्रीनलैंड विवाद के दौरान प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने अमेरिकी दबाव में झुकने से इनकार कर दिया था, जिससे ग्रीनलैंड और डेनमार्क में फ्रेडरिक्सन की लोकप्रियता में उछाल आया है। डेनमार्क, जो यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य है, वहां यह चुनाव राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है।

फ्रेडरिक्सन को इन नेताओं से मिल सकती है चुनौती

डेनमार्क में अक्तूबर में आम चुनाव प्रस्तावित थे, लेकिन यूक्रेन युद्ध और नोर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने पर जिस मजबूती से प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने अपने देश का पक्ष रखा, उससे फ्रेडरिक्सन की लोकप्रियता में उछाल आया, जिसके बाद फ्रेडरिक्सन सरकार ने समय से पहले चुनाव कराने का फैसला किया। डेनमार्क के चुनाव में बढ़ती महंगाई और असमानता प्रमुख मुद्दे हैं। साथ ही बदले हालात में देश की परमाणु नीति और सख्त अप्रवासन नीति भी अहम मुद्दे हैं। पीएम फ्रेडरिक्सन को मौजूदा रक्षा मंत्री और सेंटर-राइट लिबरल पार्टी के नेता ट्रोएल्स पॉलसन से तगड़ी चुनौती मिल सकती है। साथ ही लिबरल अलायंस के नेता एलेक्स वनोप्सलाग भी लोकप्रिय उम्मीदवार हैं।

ट्रम्प बोले-मुजतबा खामेनेई की मौत नहीं चाहता

ईरान में वेनेजुएला की तरह नई सरकार बनेगी, इसके लिए बातचीत कर रहे

वॉशिंगटन, 24 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई की मौत नहीं चाहते। उन्होंने यह भी कहा कि वे नहीं जानते मुजतबा जिंदा है या नहीं। फ्लोरिडा में पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो सकता है और इस दिशा में एक खास शख्स से बातचीत की जा रही है।

ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिका ईरान में नई राजनीतिक व्यवस्था के विकल्पों पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला की तरह कोई नया नेता सामने लाया जा सकता है या फिर अमेरिका के साथ मिलकर जॉइंट लीडरशिप का मॉडल भी अपनाया जा सकता है।

परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था : किम जोंग

ईरान पर हमले ने हमें सच साबित किया, जीत मजबूत ताकत से तय होती है

प्योंगयांग, 24 मार्च (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने देश के पास परमाणु हथियार होने को लेकर खुशी जताई है। सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले साबित करते हैं, कि उनके देश का परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था। किम ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध दिखाता है कि आज की दुनिया में सिर्फ मजबूत सैन्य ताकत ही किसी देश को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने यह बयान सोमवार को संसद में लंबे भाषण के दौरान दिया।

अपने भाषण में किम ने दक्षिण कोरिया के प्रति सख्त रुख दोहराया और कहा कि वह अपने देश की परमाणु ताकत को और मजबूत करेंगे, ताकि अमेरिका को रोका जा सके।

किम जोंग बोले-और ज्यादा परमाणु हथियार बनाएंगे

किम जोंग उन का यह भाषण मंगलवार को लिखित रूप में जारी हुआ है। इसमें उन्होंने कहा कि 2019 में ट्रम्प के साथ बातचीत टूटने के बाद परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला उनका सबसे सही कदम था। किम ने कहा कि नॉर्थ कोरिया अब अमेरिका के खिलाफ एकजुट

मोर्चे में और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने ट्रम्प का नाम सीधे नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि उनके विरोधी टकराव चाहते हैं या शांति, यह उन पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया हर स्थिति के लिए तैयार है।

किम ने देश को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाने, ज्यादा परमाणु हथियार और उन्हें ले जाने वाली मिसाइलें बनाने पर जोर दिया। किम ने यह भी कहा कि परमाणु हथियारों की वजह से नॉर्थ कोरिया अब ज्यादा सुरक्षित है और इसी वजह से वह अपने संसाधनों का इस्तेमाल आर्थिक विकास के लिए भी कर पा रहा है। किम जोंग उन एक लॉन्चर पर रखी ह्वासोंग-17 इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के पास चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह तस्वीर 24 मार्च 2022 की है। किम जोंग उन एक लॉन्चर पर रखी ह्वासोंग-17 इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के पास चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह तस्वीर 24 मार्च 2022 की है।

अमेरिका दुनियाभर में जो आक्रामक कदम उठा रहा है, उससे साफ होता है कि उनका परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला गलत नहीं है।

आज की स्थिति साफ दिखाती है कि दुश्मनों की बातों में न आकर परमाणु हथियार सुरक्षित रखने का फैसला भी सही था। नॉर्थ कोरिया को अब कोई भी खतरा नहीं है। जरूरत पड़ी तो हम दूसरे देशों के लिए खतरा बन सकते हैं। किसी देश की प्रतिष्ठा, हित और जीत सिर्फ सबसे मजबूत ताकत से ही तय होती है। हम अपने देश को एक परमाणु शक्ति के रूप में और मजबूत करते रहेंगे। साउथ कोरिया को लेकर उन्होंने कहा कि हम उसे सबसे बड़ा दुश्मन मानेंगे और पूरी तरह नजरअंदाज करेंगे। अगर साउथ कोरिया कोई भी कदम उठाता है जो उनके देश को नुकसान पहुंचाता है, तो उसे कड़ी सजा दी जाएगी।

'पाकिस्तान को ले डूबी फौज'

अमेरिकी एक्सपर्ट फरीद जकारिया ने खोली पोल, बताया-भारत से क्यों पिछड़ा देश

इस्लामाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के सीनियर पत्रकार, लेखक और जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट फरीद जकारिया ने कहा है कि 'पाकिस्तान को उसकी सेना ले डूबी है।' उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच डेवलपमेंट की तुलना की है।

उन्होंने कहा है कि 'भारत के मुख्य निर्यात आमतौर पर रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद, जैसे डीजल और कृषि और उससे जुड़े सामान होते थे। लेकिन अब स्मार्टफोन भारत के सबसे बड़े एकल मर्चेंडाइज निर्यात के तौर पर उभरे हैं। वैश्विक स्मार्टफोन निर्माण के क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरना दुनिया भर में पहचान बना रहा है।'

फरीद जकारिया ने कहा है 'अभी सिर्फ 10 साल पहले ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में पाकिस्तान शायद भारत से 50 पॉइंट आगे था। लेकिन पाकिस्तान पूरी तरह से अव्यवस्थित है और देश पर सेना का कब्जा है। यह समस्या कभी हल नहीं हुई।' उन्होंने कहा कि 'भारत में जहां समाजवाद के मॉडल पर 1970 के दशक में काम हो रहा था वहीं पाकिस्तान में हमेशा से बिजनेस के लिए दोस्ताना माहौल था और हालिया वर्षों तक उसका असर दिखा है जब सिर्फ 10 साल पहले तक वर्ल्ड बैंक के मुताबिक ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में शायद भारत से उसके 50 प्वाइंट ज्यादा थे।' फरीद जकारिया का कहना है कि पाकिस्तान का सिस्टम, वहां की सरकार और संस्थाएं सही तरीके से काम नहीं कर रही हैं। कानून सिर्फ कागजों पर रह गए हैं और जमीन पर भ्रष्टाचार या अव्यवस्था का बोलबाला है। उन्होंने संकेतों में कहा कि पाकिस्तान की सेना ने देश पर नियंत्रण कर रखा है।

इस्लामाबाद में होगी ईरान युद्ध की समाप्ति!

पाकिस्तान में जेडी वेंस और ईरानी नेताओं की मीटिंग की तैयारी, मुनीर बनेंगे शांतिदूत?

इस्लामाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने एक बड़ी डिप्लोमेटिक कामयाबी हासिल करते हुए अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता करवाने के लिए खुद को एक महत्वपूर्ण मंच के तौर पर खुद को स्थापित कर लिया है। पाकिस्तान के लिए ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और अगर वो कामयाब होता है तो ये उसकी शानदार डिप्लोमेटिक जीत होगी। लेकिन क्या मामला बस इतना है जो ऊपर से दिख रहा है? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर से बात की है और अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ईरान के प्रतिनिधियों से बात करने के लिए तेहरान भी जा सकते हैं। लेकिन कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि असल में पाकिस्तान, अमेरिका के खर्ग द्वीप पर हमले के लिए ईरान को उलझा रहा है।

ईरानी अधिकारी इस बात को समझ रहे हैं इसलिए उन्होंने अभी तक इस्लामाबाद में अपने प्रतिनिधियों को भेजने की घोषणा नहीं की है। दूसरी तरफ खुफिया और कूटनीतिक सूत्रों के हवाले से सीएनएन-न्यूज 18 ने कहा है कि वाशिंगटन ने सैद्धांतिक रूप से इस प्रस्ताव पर सहमति दे दी है जबकि ईरान की तरफ से अभी तक कोई औपचारिक जवाब नहीं आया है। ईरान को किसी साजिश की बू आ रही है। अधिकारियों ने सीएनएन-न्यूज 18 को बताया है कि यदि तेहरान अपनी सहमति दे देता है तो यह मध्यस्थता शुक्रवार और शनिवार को इस्लामाबाद में हो सकती है।

इस पहल की शुरुआत 12 मार्च को हुई थी जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जेद्दा में हुई एक सीमित बैठक के दौरान क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के सामने मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा था।

पाक दुनिया का सबसे प्रदूषित देश, भारत का लोनी सबसे प्रदूषित शहर रहा

इस्लामाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। साल 2025 में पाकिस्तान दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित देश रहा। प्रदूषण पर जारी आईक्यूएयर की सालाना रिपोर्ट मंगलवार को जारी हुई है। इसमें बताया गया है कि पाकिस्तान में पीएम 2.5 कणों का स्तर डब्ल्यूएचओ के तय मानक से 13 गुना तक ज्यादा रहा। आईक्यूएयर की रिपोर्ट में बताया गया कि 143 देशों में से 130 देश डब्ल्यूएचओ के प्रदूषण मानकों को पूरा नहीं कर पाए। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे प्रदूषित देशों की लिस्ट में बांग्लादेश दूसरे और ताजिकिस्तान तीसरे स्थान पर रहे। 2024 में सबसे प्रदूषित देश रहा चाड 2025 में चौथे स्थान पर खिसक गया। शहरों की बात करें तो भारत का लोनी सबसे प्रदूषित शहर रहा, इसके बाद चीन का होतान दूसरे स्थान पर रहा। इस लिस्ट में दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित 25 शहर भारत, पाकिस्तान और चीन के ही हैं। सिर्फ 14% शहर ही डब्ल्यूएचओ के मानक पर खरे उतरे, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 17% था।

बांग्लादेश में ताकतवर पूर्व सेना अधिकारी गिरफ्तार

2007 में सरकार बदलने में निभाई थी अहम भूमिका

ढाका, 24 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश के एक प्रभावशाली पूर्व सेना अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। यह अधिकारी 2007 में तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने सेना समर्थित अंतरिम सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी ने क्या भूमिका निभाई थी?

पुलिस के मुताबिक, सादे कपड़ों में अधिकारियों ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल मसूद उद्दीन चौधरी को सोमवार रात ढाका के बारिधारा स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया। उन्हें 2007 में सरकार बदलने और अंतरिम सरकार स्थापित करने में प्रमुख भूमिका निभाने वालों में माना जाता है। यह अंतरिम सरकार 2008 के चुनाव तक करीब दो साल तक सत्ता में रही थी। जांच शाखा के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने बताया कि मसूद उद्दीन चौधरी को उनके खिलाफ दर्ज पांच मामलों के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, उन्होंने इन मामलों के आरोपों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी।

राजदूत और सांसद भी रहे मसूद उद्दीन चौधरी

चौधरी बाद में ऑस्ट्रेलिया में बांग्लादेश के राजदूत भी रहे और फिर जातीय पार्टी से सांसद बने। जातीय पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की सहयोगी थी, जिसने दिसंबर 2008 के चुनाव में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया था। 2007 में सेना के समर्थन से बनी अंतरिम सरकार को पर्दे के पीछे हुए '1/11' (11 जनवरी 2007 को हुआ राजनीतिक) घटनाक्रम का नतीजा माना जाता है। माना जाता है कि इस सरकार का मकसद दो बड़े नेताओं अवामी लीग की शेख हसीना और बीएनपी की खालिदा जिया को राजनीति से हटाना था।

करीब दो साल तक चली इस अंतरिम सरकार के दौरान मौजूदा प्रधानमंत्री तारीक रहमान को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर कई आपराधिक और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। हिरासत में उनके साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार भी हुआ था। उस समय चौधरी गंभीर अपराधों पर राष्ट्रीय समन्वय समिति के समन्वयक थे, जिसके तहत भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाए गए।

मां के निधन के बाद सत्ता में लौटे बीएनपी के तारीक रहमान

तारीक रहमान बाद में ब्रिटेन चले गए थे, जहां उन्होंने 17 साल बिताए। वह पिछले साल दिसंबर में अपनी मां खालिदा जिया के निधन से पांच दिन पहले देश लौटे। लंबी बीमारी के बाद उनकी मां का निधन हो गया था। इसके बाद बीएनपी ने उन्हें पार्टी की कमान सौंपी और 12 फरवरी के चुनाव में उनके नेतृत्व में पार्टी ने दो-तिहाई सीटें जीतकर सत्ता हासिल की। इससे पहले, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान पिछले साल जुलाई में एक अदालत ने चौधरी की चल संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया था।

पश्चिम एशिया के संघर्ष में सऊदी-यूएई भी कूदेंगे!

आईआरजीसी ने कहा-ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस का 78वां दौर शुरू

तेहरान, 24 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध चौथे सप्ताह में पहुंच गया है लेकिन स्थिति कहीं से भी सामान्य होती नहीं दिख रही है। एक तरफ ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत हमलों की एक नई और भीषण लहर शुरू की है। वहीं दूसरी तरफ सऊदी अरब और यूएई जैसे देश भी अब इस संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने की तैयारी करते दिख रहे हैं।

ईरान शुरू किया ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 का 78वॉ चरण

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने मंगलवार को ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के 78वें चरण की घोषणा की। इसके तहत इस्राइल के डिमोना, तेल अवीव और ईलाट जैसे अत्यधिक संवेदनशील ठिकानों के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में स्थित कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इन हमलों में इमाद और काद्र (मल्टी-वारहेड) मिसाइल प्रणालियों और हमलावर ड्रोनों का इस्तेमाल किया है। आईआरजीसी का दावा है कि हालिया हमलों में डिमोना और अराद शहर में 200 से अधिक लोग हताहत हुए थे। दूसरी ओर वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, सऊदी अरब और यूएई ने ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के संकेत दिए हैं। सऊदी अरब ने अमेरिका को अपने किंग फाहद एयर बेस तक पहुंच प्रदान करने पर सहमति जताई है, जबकि पहले वह अपने एयर बेस के इस्तेमाल से इनकार करता रहा था। कूटनीतिक मोर्चे पर सऊदी ने ईरान के सैन्य अताशे और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। वहीं, यूएई ने ईरान के मालिकाना हक वाले एक अस्पताल और क्लब को बंद कर दिया है, जो तेहरान के लिए अहम माने जाते थे। यूएई की हवाई रक्षा प्रणाली भी ईरानी हमलों को रोकने में जुटी है। कुछ वीडियो से यह भी संकेत मिले हैं कि ईरान पर हमलों के लिए बहरीन से मिसाइलें दागी गई थीं। इस युद्ध की आग में पड़ोसी देशों भी झुलस रहे हैं। मंगलवार तड़के कुवैत में हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा मिसाइलों को रोकने के दौरान गिरे मलबे से सात बिजली ट्रांसमिशन लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे कई इलाकों में बिजली गुल हो गई है।

जब भक्त की लाज बचाने कामरूप कामाख्या से स्वयं चली आईं मां

कहा जाता है कि जब भक्ति सच्ची हो, तो देवी-देवता भी अपने भक्त की पुकार पर स्वयं प्रकट हो जाते हैं. बिहार के गोपालगंज स्थित थावे दुर्गा मंदिर की कथा भी ऐसी ही अद्भुत आस्था, चमत्कार और अहंकार के अंत की कहानी बताती है, जहां एक भक्त की पुकार पर मां ने स्वयं आकर उसके विश्वास की लाज रखी. गोपालगंज के थावे में स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर न सिर्फ आस्था का केंद्र है, बल्कि रहस्यमयी किंवदंतियों के लिए भी प्रसिद्ध है. मान्यता है कि हथुआ के अहंकारी राजा मनन सिंह और मां के परम भक्त रहषु भगत की कहानी यहीं से जुड़ी है, जिसने इस स्थान को चमत्कार और श्रद्धा का संगम बना दिया।

थावे में स्थित है मां दुर्गा का प्राचीन मंदिर

बिहार में गोपालगंज जिला मुख्यालय से करीब 6 किलोमीटर दूर सीवान जाने वाले मार्ग पर थावे प्रखंड के थावे में मां दुर्गा का प्राचीन मंदिर स्थित है. चैत्र नवरात्रि के अवसर पर यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. इसी थावे में हथुआ के राजा रहे मनन सिंह का पुराना किला भी है. कहा जाता है कि राजा मनन सिंह को अपने ऊपर यह घमंड था कि उनसे बड़ा देवी का कोई भक्त हो ही नहीं सकता।

रहषु भगत की भक्ति और राजा की चुनौती

थावे दुर्गा मंदिर सिर्फ एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति और अहंकार के परिणाम का जीवंत प्रतीक है. एक किवदंती के अनुसार एक बार राजा मनन सिंह के राज में भयंकर सूखा यानी अकाल पड़ा. लोग दाने-दाने को तरसने लगे. कई लोगों की भूख से मौत होने लगी. उसी समय थावे में मां कामाख्या देवी का एक सच्चा भक्त रहषु भगत रहता था. कथा के अनुसार रहषु मां की कृपा से दिन में घास काटता था और रात को उसी घास से अन्न निकल आता था, जिसे वह भूखों में बांट देता था।

जहां भक्त की जीत और अहंकार की हार हुई

जब राजा को यह पता चला तो उसने रहषु भगत को दरबार में बुलाया. अकाल के समय खेती-बारी की पूरी जानकारी ली और फिर उससे देवी को अपने दरबार में बुलाने को कहा. भक्त रहषु ने विनम्रता से मना किया और समझाया कि माता आएंगी तो सबकुछ बर्बाद हो जाएगा, राजपाट तहस-नहस हो जाएगा. लेकिन राजा अपने अहंकार में अड़ा रहा. रहषु की बात न मानने पर राजा क्रोधित हो गया और आदेश दिया कि यदि उसने देवी को नहीं बुलाया तो उसे और उसके पूरे परिवार को आग की भट्टी में जिंदा झोंक दिया जाएगा. रहषु समझ गया कि अब मरना तो तय है, चाहे राजा के आदेश से या फिर माता के प्रकट होने पर.

जहां मां प्रकट हुई, वहीं बना मंदिर, अटूट है आस्था

विशेष बात यह है कि जहां देवी प्रकट हुईं वहीं उनका भव्य मंदिर बना. जिस भक्त रहषु भगत के आह्वान पर मां खुद थावे चली आईं, उसे भी भुलाया नहीं गया. यही वजह है कि थावे दुर्गा मंदिर के पास ही रहषु भगत का भी मंदिर बनाया गया है. ऐसी कई कथाएं और मान्यताएं थावे दुर्गा मंदिर से जुड़ी हैं. श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और देवी के चमत्कारों की चर्चाओं ने इस स्थान को शक्ति की उपासना का प्रमुख केंद्र बना दिया है. यहां की कथा यह संदेश देती है कि सच्ची श्रद्धा में अपार शक्ति होती है, जबकि अहंकार अंततः विनाश का कारण बनता है. यही कारण है कि आज भी लाखों श्रद्धालु यहां आकर मां के चमत्कार और कृपा में अटूट विश्वास रखते हैं।

एक कथा के अनुसार, इसके बाद रहषु ने माता का आह्वान किया और थावे पधारने की प्रार्थना की. मां कौड़ी कामाख्या से चल पड़ीं और रास्ते में आमी पहुंचकर रुक गईं. कहा जाता है कि यहां मां ने अपने भक्त रहषु से राजा को एक बार फिर समझाने को कहा. लेकिन जिद्दी राजा मानने को तैयार नहीं हुआ. इसके बाद माता आमी से घोड़ाघाट पहुंचीं और फिर रहषु से राजा को समझाने को कहा. बावजूद इसके राजा अपनी हठ पर अड़ा रहा और बोला कि वह माता को देखे बिना नहीं मानेगा. उधर राजा के महल में हवन जारी था. इसी बीच आंधी-तूफान के बीच माता थावे पहुंचीं और भक्त रहषु के मस्तिष्क को चीरकर अपना कंगन दिखाया. कहते हैं कि माता को साक्षात देख कर उसी समय राजा मनन सिंह और उसका पूरा परिवार भस्म हो गया. राजपाट समाप्त हो गया और रहषु पाताल लोक को प्रस्थान कर गए।

नवरात्रि में किया गया ये छोटा सा उपाय साढ़े साती के बड़े से बड़े संकट को कर देगा खत्म!

नवरात्रि और साढ़े साती का कनेक्शन क्या है?

ज्योतिष मान्यता के अनुसार, शनि की साढ़े साती करीब साढ़े सात साल तक चलने वाली एक ऐसी अवधि होती है, जब व्यक्ति को अपने कर्मों का फल अधिक तीव्र रूप में मिलता है। यह तीन चरणों में बंटी होती है और हर चरण का असर अलग-अलग तरह से महसूस होता है। कई लोग बताते हैं कि इस दौरान करियर में रुकावट, रिश्तों में तनाव या स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां बढ़ जाती हैं। हालांकि, इसे पूरी तरह नकारात्मक मान लेना भी सही नहीं है। कई मामलों में यही समय लोगों को मजबूत और अनुशासित भी बनाता है। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा के साथ-साथ अगर शनि से जुड़े उपाय किए जाएं, तो इसे संतुलन बनाने वाला समय माना जाता है।

क्यों खास मानी जाती है नवरात्रि?

नवरात्रि के नौ दिन को ऊर्जा का सबसे शुद्ध और सक्रिय समय माना जाता है। इन दिनों में पूजा-पाठ, मंत्र जाप और साधना का असर सामान्य दिनों के मुकाबले ज्यादा माना जाता है।

दुर्गा सप्तशती का महत्व

नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती का पाठ एक आम परंपरा है। मान्यता है कि नियमित रूप से इसका पाठ करने से नकारात्मक ऊर्जा कम होती है और मानसिक स्थिरता मिलती है। कुछ ज्योतिषाचार्य यह भी बताते हैं कि साढ़े साती के हर साल के लिए 100 श्लोकों का पाठ प्रतीकात्मक रूप से जोड़ा जाता है, जिससे व्यक्ति को राहत मिल सकती है।

नवरात्रि में किए जाने वाले खास उपाय

शनि मंत्र का जाप

नवरात्रि के दौरान रोजाना "ॐ शं शनैश्चराय नमः" मंत्र का जाप करना काफी फायदेमंद माना जाता है। कई लोग सुबह या शाम मंदिर जाकर यह जाप करते हैं, जिससे मन को शांति भी मिलती है।

तेल का दीपक और दान

शनिवार या नवरात्रि के खास दिनों में शनि मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जलाना आम बात है। इसके साथ ही काले तिल, लोहे की वस्तु या काले कपड़े का दान करने की भी सलाह दी जाती है।

हनुमान पूजा का असर

दिलचस्प बात यह है कि शनि के प्रभाव को कम करने के लिए हनुमान जी की पूजा भी काफी लोकप्रिय है। नवरात्रि में हनुमान चालीसा का पाठ करने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ जाती है। एक स्थानीय श्रद्धालु बताते हैं कि उन्होंने लगातार नौ दिन तक हनुमान चालीसा पढ़ी और उन्हें मानसिक राहत महसूस हुई। हालांकि, इसे आस्था से जोड़कर ही देखा जाता है।

शमी पौधे का महत्व

कई लोग नवरात्रि के दौरान शमी के पौधे में काले तिल अर्पित करते हैं। मान्यता है कि इससे शनि देव प्रसन्न होते हैं और जीवन की बाधाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

क्या कहते हैं जानकार?

ज्योतिष विशेषज्ञों का मानना है कि कोई भी उपाय तभी असर करता है जब उसे सही समय और सही तरीके से किया जाए। नवरात्रि जैसे विशेष अवसर पर किए गए उपाय इसलिए ज्यादा प्रभावी माने जाते हैं क्योंकि उस समय व्यक्ति की आस्था और ध्यान दोनों मजबूत होते हैं। हालांकि, वे यह भी साफ करते हैं कि साढ़े साती को पूरी तरह खत्म करना संभव नहीं है, लेकिन इसके प्रभाव को जरूर कम किया जा सकता है।

आस्था और अनुभव का मेल

आज के समय में जहां लोग एक ओर विज्ञान और लॉजिक पर भरोसा करते हैं, वहीं दूसरी ओर कठिन समय में आस्था का सहारा लेना भी आम बात है। नवरात्रि के दौरान किए जाने वाले ये उपाय सिर्फ धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि लोगों के लिए एक मानसिक सहारा भी बन जाते हैं। कई बार यही विश्वास व्यक्ति को मुश्किल दौर से निकलने की ताकत देता है।

नवरात्रि का सातवां दिन: मां कालरात्रि की आराधना से हर तरह का भय होगा नष्ट

मां कालरात्रि दुर्गा का सातवां स्वरूप है । यह स्वरूप काल का नाश करने वाला है, इसी वजह से इन्हें कालरात्रि कहा जाता है। इनका वर्ण अंधकार की भांति एकदम काला है। बाल बिखरे हुए हैं और इनकी माला बिजली की भांति देदीप्यमान है। इन्हें तमाम आसुरिक शक्तियों का विनाश करने वाला बताया गया है।

वाहन व स्वरूप इनका वाहन गर्दभ अर्थात गधा है। माता कालरात्रि के तीन नेत्र और चार हाथ हैं। एक हाथ में खड्ग है तो दूसरे में लौहास्त्र, तीसरे हाथ में अभय-मुद्रा है और चौथे हाथ में वर-मुद्रा है।

महत्त्व मां कालरात्रि की आराधना के समय भानु चक्र जाग्रत होता है। हर प्रकार का भय नष्ट होता है। जीवन की हर समस्या को पलभर में हल करने की शक्ति प्राप्त होती है।

पूजा विधि

- सबसे पहले चौकी (बाजोट) पर माता कालरात्रि की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। इसके बाद गंगा जल या गोमूत्र से शुद्धिकरण करें। चौकी पर चांदी, तांबे या मिट्टी के घड़े में जल भरकर उस पर नारियल रखकर कलश स्थापना करें।
- उसी चौकी पर श्रीगणेश, वरुण, नवग्रह, षोडश मातृका (16 देवी), सप्त घृत मातृका(सात सिंदूर की बिंदी लगाएं) की स्थापना भी करें। इसके बाद व्रत, पूजन का संकल्प लें और वैदिक एवं सप्तशती मंत्रों द्वारा माता कालरात्रि सहित समस्त स्थापित देवताओं की षोडशोपचार पूजा करें।
- इसमें आवाहन, आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, सौभाग्य सूत्र, चंदन, रोली, हल्दी, सिंदूर, दुर्वा, बिल्वपत्र, आभूषण, पुष्प-हार, सुगंधित द्रव्य, धूप-दीप, नैवेद्य, फल, पान, दक्षिणा, आरती, प्रदक्षिणा, मंत्र पुष्पांजलि आदि करें। तत्पश्चात प्रसाद वितरण कर पूजन संपन्न करें।

नवरात्र में देवी कालरात्रि का माना गया है सातवां दिन

- देवी कालरात्रि का स्वरूप बहुत विकराल है। इनके मस्तक पर शिवजी की तरह तीसरा नेत्र है। तीसरा नेत्र हमारे अंतर्मन का प्रतीक है।
- इसका सीधा सा अर्थ है कि जब हम भक्ति के मार्ग पर चलते हुए ईश्वर के करीब पहुंच जाते हैं तो तीसरी आंख यानी अंतर्मन ही हमें सही रास्ता दिखाता है।
- जब किसी साधक के साथ ऐसी स्थिति हो जाए तो समझ लेना चाहिए कि वह भक्ति के अंतिम पड़ाव की ओर है, जहां से उसे सिद्धि प्राप्त हो सकती है।

॥स्तुति मंत्र॥

वामपादोल्लसल्लोह, लताकंटकभूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा, कालरात्रिभयंकरी॥

(अपने बाएं पैर में चमकने वाली लौह लता व कांटों की तरह आभूषण पहनने वाली, बड़े ध्वजा वाली और भयंकर लगने वाली कालरात्रि मां हमारी रक्षा करें)

भोग : उपवास के बाद माता को गुड़ का भोग लगाने से आने वाले शोक और आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है

महर्षि वेदव्यास की इस कहानी से जानें, क्यों मुफ्त की सहायता आपके विकास के सारे रास्ते बंद कर देती है?

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा-एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है। उन्होंने कीड़े से पूछा-ऐ क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो। कीड़ा बोला-हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन?

क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है ?

महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया-अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीड़े के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले-पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला-महर्षि, मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा-चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा-किस तरह की सहायता?

महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा-धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। संघर्ष ही जीवन है, अतः मुझे स्वयं ही मेहनत करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

क्या आप भी किनारे तक पहुंचने से पहले ही थक जाते हैं

तो मार्क रुदरफोर्ड के संघर्ष से सीखें कभी न हारने की कला

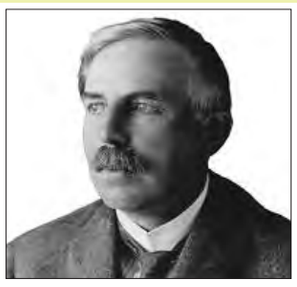

ब्रिटिश लेखक मार्क रुदरफोर्ड के बचपन का प्रसंग है। एक दिन वह समुद्र के किनारे बैठे थे। दूर सागर में एक जहाज लंगर डाले खड़ा था। वह जहाज तक तैर कर जाने के लिए मचल उठे। मार्क तैरना तो जानते ही थे, कूद पड़े समुद्र में और तैर कर जहाज तक पहुंच गए। मार्क ने जहाज के कई चक्कर लगाए। मन खुशी से झूम उठा। विजय की खुशी और सफलता से आत्मविश्वास बढ़ा। लेकिन जैसे ही उन्होंने वापस लौटने को किनारे की तरफ देखा तो निराशा हावी होने लगी, किनारा बहुत दूर लगा।

सफलता के बाद भी निराशा बढ़ रही थी, अपने ऊपर अविश्वास हो रहा था। जैसे-जैसे मार्क के मन में ऐसे विचार आते रहे उनका शरीर वैसा ही शिथिल होने लगा। फुर्तीले नौजवान होने के बावजूद बिना डूबे ही डूबता सा महसूस करने लगे। लेकिन जैसे ही उन्होंने अपने विचारों को निराशा से आशा की तरफ मोड़ा, क्षण भर में ही चमत्कार सा होने लगा। वह अपने अंदर परिवर्तन अनुभव करने लगे। वह तैरते हुए सोच रहे थे कि किनारे तक नहीं पहुंचने का मतलब है मर जाना और किनारे तक पहुंचने का प्रयास है डूब कर मरने से पहले का संघर्ष। इस सोच से जैसे उन्हें संजीवनी मिल गई। उन्होंने सोचा कि जब डूबना ही है तो सफलता के लिए संघर्ष क्यों न करें। भय का स्थान विश्वास ने ले लिया। इसी संकल्प के साथ वह तैरते हुए किनारे तक पहुंचने में सफल हुए। इस घटना ने उन्हें आगे भी काफी प्रेरित किया।

हार मानने से पहले जरूर जानें ये कहानी कैसे एक पक्षी बना विजय की प्रेरणा

लंका विजय की कामना से वानर सेना समुद्र तट पर पहुंच गई थी परन्तु बीच रास्ते में विशाल समुद्र को देखकर वह घबरा गई। लंका पर आक्रमण करने का स्वप्न टूटता देख, उसमें निराशा पनपने लगी। सेना नायक निराशा के कारण प्रश्नवाचक दृष्टि से भगवान राम की ओर देखने लगे।

भगवान राम को एक पक्षी दिखाई दिया, जो बार-बार अपनी चोंच में पानी भरकर लाता और उसे रेत में डाल देता। उसी प्रकार बार-बार चोंच में वह रेत भरकर ले जाता और उसे समुद्र के पानी में डाल देता। भगवान

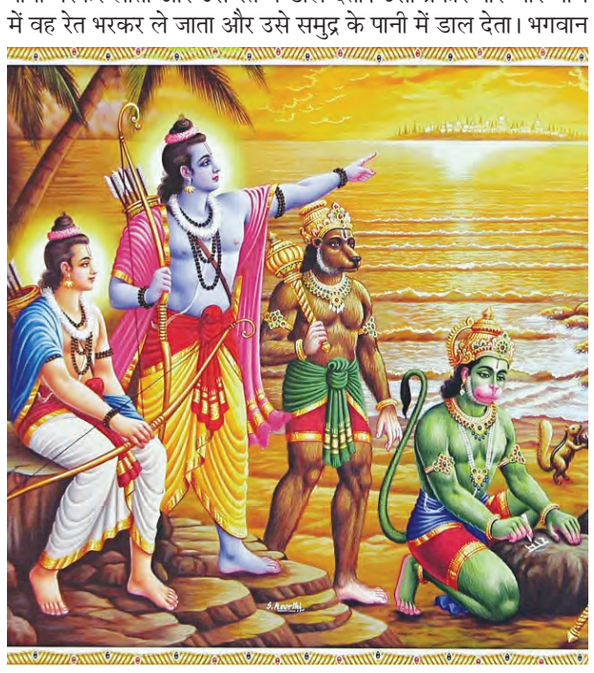

राम ने उस पक्षी के साहस और लग्न को देखकर अपने सैनिकों से कहा कि- "हे वानर वीरो ! इस पक्षी को देखो जो बार-बार अपनी चोंच से पानी ले जाकर रेत में डाल रहा है और उसी प्रकार बार-बार अपनी चोंच से रेत ले जाकर पानी में डाल रहा है।

वह शायद किसी बात पर समुद्र से रुष्ट है। इसलिए बार-बार पानी को रेत में और रेत को पानी में डालकर समुद्र को सुखाने का प्रयत्न कर रहा है। जब एक छोटा-सा पक्षी समुद्र पर विजय पाने का साहस रखता है, तो तुम क्यों इसे देखकर अपना साहस खोते हो ? तुम तो वीर हो और तुम्हारे सामने इस पक्षी की शक्ति कुछ भी नहीं है।"

वानर सैनिकों ने राम की बात मानकर पक्षी से प्रेरणा ली व नल और नील की सहायता से दूर-दूर से एक-एक पत्थर लेकर समुद्र के तल में डालना शुरू किया। जिससे पुल का निर्माण हुआ और लंका पर आक्रमण करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रेरणा से बड़े-बड़े कार्य भी सरल हो जाते हैं और कई बार प्रेरणा के बिना शक्ति रहते हुए भी मनुष्य हार जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 25 मार्च - 2026

हमले टले, मगर संकट नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के पावर प्लांट और ऊर्जा ठिकानों पर पांच दिनों तक हमला न करने की घोषणा ऐसे समय आई है, जब पश्चिम एशिया का माहौल लगातार विस्फोटक होता जा रहा है। 28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष में यह पहली बार है कि किसी बड़े सैन्य फैसले ने युद्ध की रफ्तार को थोड़ी देर के लिए ही सही, लेकिन थामने की कोशिश की है। यह कदम भले ही स्थायी समाधान न हो, पर इसे नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। दरअसल, ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमला सीधे-सीधे युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष में बदल सकता था। ऐसे किसी कदम का असर सिर्फ अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ता। यही वजह है कि ट्रंप के इस फैसले से वैश्विक बाजारों में भी कुछ राहत दिखाई दी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। यह संकेत है कि दुनिया युद्ध नहीं, स्थिरता चाहती है। इस घोषणा के साथ ही एक बड़ी सच्चाई भी सामने है, यह स्थायी युद्धविराम नहीं, बल्कि रणनीतिक विराम है। अमेरिका ने बातचीत की संभावना का संकेत दिया है, लेकिन ईरान की ओर से ऐसी किसी औपचारिक वार्ता से इनकार यह बताता है कि भरोसे का संकट अभी भी गहरा है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि हालात सामान्य होने की दिशा में बढ़ रहे हैं। तेल बाजार की प्रतिक्रिया इस पूरे घटनाक्रम की गंभीरता को स्पष्ट करती है। कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 9% की गिरावट इस बात का प्रमाण है कि ऊर्जा ठिकानों पर हमला टलने से वैश्विक आपूर्ति संकट की आशंका कम हुई है। अगर ईरान के पावर प्लांट या तेल प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचता, तो होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और बढ़ता और इसका सीधा असर भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों पर पड़ता। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है। पश्चिम एशिया से आने वाला कच्चा तेल, उर्वरक आपूर्ति और वहां काम कर रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा के मुद्दे सीधे भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में इस संकट को बड़ी चुनौती बताया है, जो वास्तविकता के बिल्कुल करीब है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार को ठोस रणनीति भी अपनानी होगी। ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाना, रणनीतिक तेल भंडार को मजबूत करना और पश्चिम एशिया में काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा के लिए स्पष्ट योजना बनाना ये ऐसे कदम हैं जिन्हें अब प्राथमिकता देनी ही होगी। इसके साथ ही भारत को अपनी कूटनीतिक सक्रियता भी बढ़ानी होगी ताकि वह शांति प्रयासों में रचनात्मक भूमिका निभा सके। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस संकट का समाधान सिर्फ सैन्य ताकत से नहीं, बल्कि संवाद से ही निकल सकता है। अमेरिका और ईरान दोनों को समझना होगा कि युद्ध का विस्तार किसी के हित में नहीं है। पश्चिम एशिया पहले ही अस्थिरता की लंबी कीमत चुका रहा है; अब उसे स्थिरता की जरूरत है, न कि नए संघर्ष की। ट्रंप का यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने कम से कम यह संकेत दिया है कि युद्ध की दिशा बदली जा सकती है। लेकिन यह आशा की किरण तभी बड़ी संभावना बन सकती है, जब इसे संवाद और कूटनीति से आगे बढ़ाया जाए। दुनिया की नजर अब इसी पर टिकी है कि क्या यह विराम शांति की शुरुआत बनेगा या फिर किसी बड़े टकराव से पहले की खामोशी साबित होगा।

गंभीर है एआई में भाषाओं के डाटा की कमी का मामला

डॉ. शैलेश शुक्ला

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में कृत्रिम मेधा या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विश्व की सबसे प्रभावशाली तकनीकों में से एक बन चुकी है। स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, मीडिया, प्रशासन और व्यापार जैसे अनेक क्षेत्रों में इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इस तकनीक की सफलता का एक महत्वपूर्ण आधार विशाल मात्रा में उपलब्ध डिजिटल डेटा होता है। कृत्रिम मेधा के मॉडल उसी भाषा और विषय को बेहतर समझ पाते हैं जिसके बारे में पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण डेटा उपलब्ध हो। यही कारण है कि विश्व स्तर पर एआई तकनीक अंग्रेजी जैसी भाषाओं में अधिक प्रभावी दिखाई देती है, जबकि अनेक अन्य भाषाएँ तकनीकी विकास की इस दौड़ में पीछे रह जाती हैं। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह स्थिति एक गंभीर चुनौती के रूप में सामने आ रही है, क्योंकि यहाँ भाषाई विविधता अत्यंत व्यापक है लेकिन भारतीय भाषाओं के लिए उपलब्ध डिजिटल डेटा अभी भी सीमित है। यही कारण है कि विशेषज्ञ लगातार यह चेतावनी दे रहे हैं कि यदि भारतीय भाषाओं के लिए पर्याप्त डेटा का विकास नहीं किया गया तो एआई तकनीक के लाभ समाज के बड़े हिस्से तक नहीं पहुँच पाएँगे। भारत की भाषाई विविधता को समझना इस समस्या की गंभीरता को स्पष्ट करता है। भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 19,500 से अधिक मातृभाषाएँ और बोलियाँ दर्ज की गई थीं। इनमें से लगभग 121 भाषाएँ ऐसी हैं जिनके बोलने वालों की संख्या 10,000 से अधिक है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को आधिकारिक मान्यता प्राप्त है, जिनमें हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, उर्दू, पंजाबी, असमिया और ओड़िया जैसी प्रमुख भाषाएँ शामिल हैं। इन भाषाओं को करोड़ों लोग बोलते हैं और इनके साहित्य, संस्कृति और सामाजिक जीवन की समृद्ध परंपरा रही है। इसके बावजूद डिजिटल दुनिया में इन भाषाओं की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम है। इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री का अधिकांश भाग अभी भी अंग्रेजी भाषा में है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार वैश्विक वेब सामग्री का एक बड़ा हिस्सा अंग्रेजी में उपलब्ध है, जबकि अनेक भाषाओं की डिजिटल उपस्थिति सीमित है। यही असंतुलन कृत्रिम मेधा के विकास में भी दिखाई देता है।

कृत्रिम मेधा के आधुनिक मॉडल, विशेष रूप से भाषा आधारित प्रणालियाँ, विशाल डिजिटल पाठ और भाषाई डेटा के आधार पर प्रशिक्षित होती हैं। यदि किसी भाषा में पर्याप्त डिजिटल सामग्री उपलब्ध नहीं है, तो उस भाषा के लिए विकसित एआई मॉडल अपेक्षाकृत कमजोर या सीमित क्षमता वाले होते हैं। भारत के संदर्भ में यही समस्या सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभर रही है। हिंदी, तमिल, बंगाली और मराठी जैसी प्रमुख भाषाओं के लिए कुछ हद तक डिजिटल संसाधन उपलब्ध हैं, लेकिन कई अन्य भाषाओं और बोलियों के लिए यह संसाधन अत्यंत सीमित हैं। इसका परिणाम यह होता है कि एआई आधारित अनुवाद, वाणी पहचान, पाठ विश्लेषण और डिजिटल सहायक जैसी सेवाएँ भारतीय भाषाओं में उतनी प्रभावी नहीं हो पातीं जितनी अंग्रेजी में होती हैं।

इस समस्या की गंभीरता को विभिन्न नीति दस्तावेजों और शोध अध्ययनों में भी रेखांकित किया गया है। भारत सरकार के नीति आयोग ने अपनी "राष्ट्रीय एआई रणनीति" से संबंधित चर्चाओं में इस बात पर जोर दिया है कि भारतीय भाषाओं के लिए डिजिटल डेटा का अभाव एआई विकास की बड़ी बाधाओं में से एक है। इसी प्रकार इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संचालित कई तकनीकी कार्यक्रमों में यह स्वीकार किया गया है कि स्थानीय भाषाओं के लिए बड़े पैमाने पर भाषाई डेटा का निर्माण आवश्यक है। यदि यह कार्य समय रहते नहीं किया गया तो तकनीकी विकास का लाभ केवल उन लोगों तक सीमित रह जाएगा जो अंग्रेजी या कुछ प्रमुख भाषाओं का उपयोग करते हैं। भारतीय भाषाओं के डेटा की कमी केवल तकनीकी समस्या नहीं है बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक असमानता से भी जुड़ी हुई है। भारत की बड़ी आबादी अभी भी अपनी मातृभाषाओं में संवाद करती है। ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में रहने वाले करोड़ों लोग अंग्रेजी का सीमित उपयोग करते हैं या बिल्कुल नहीं करते। यदि डिजिटल सेवाएँ और एआई आधारित प्रणालियाँ मुख्य रूप से अंग्रेजी पर आधारित रहेंगी, तो समाज का एक बड़ा हिस्सा इन सेवाओं से वंचित रह सकता है। इसका सीधा प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, सरकारी सेवाओं और डिजिटल अर्थव्यवस्था तक पहुँच पर पड़ सकता है। इसलिए भारतीय भाषाओं के लिए एआई विकास केवल तकनीकी नवाचार का प्रश्न नहीं बल्कि सामाजिक समावेशन का भी विषय है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी भारतीय भाषाओं के डेटा की कमी का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। एआई आधारित शैक्षिक उपकरणों का उपयोग दुनिया भर में तेजी से बढ़ रहा है। व्यक्तिगत सीखने की प्रणाली, स्वचालित अनुवाद और डिजिटल शिक्षण सामग्री जैसी तकनीकें शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने में मदद कर सकती हैं। लेकिन यदि ये उपकरण केवल अंग्रेजी में उपलब्ध हों, तो भारतीय भाषाओं में शिक्षा प्राप्त करने वाले लाखों छात्र इन सुविधाओं से वंचित रह सकते हैं। भारत में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा क्षेत्रीय भाषाओं में संचालित होता है। इसलिए शिक्षा में एआई के प्रभावी उपयोग के लिए भारतीय भाषाओं में डिजिटल सामग्री और डेटा का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। स्वास्थ्य और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में भी यही समस्या सामने आती है। यदि स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोग होने वाली एआई प्रणालियाँ केवल कुछ भाषाओं तक सीमित होंगी, तो ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों तक उनका लाभ नहीं पहुँच पाएगा। इसी प्रकार सरकारी सेवाओं के डिजिटल प्लेटफॉर्म भी तभी प्रभावी होंगे जब वे नागरिकों की भाषाई विविधता को ध्यान में रखते हुए विकसित किए जाएँ। भारत में डिजिटल शासन की सफलता काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि तकनीक कितनी भाषाई समावेशिता के साथ विकसित की जाती है। भारतीय भाषाओं के डेटा की कमी के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण यह है कि लंबे समय तक डिजिटल तकनीक का विकास मुख्य रूप से अंग्रेजी भाषा के आधार पर हुआ। इंटरनेट और कंप्यूटर तकनीक की प्रारंभिक संरचना भी अंग्रेजी पर केंद्रित थी। इसके अतिरिक्त कई भारतीय भाषाओं में मानकीकृत डिजिटल पाठ और भाषाई संसाधनों का अभाव रहा है। कई भाषाओं में लिखित साहित्य तो प्रचुर मात्रा में है, लेकिन उसका डिजिटल रूपांतरण अभी भी सीमित है। इसके अलावा भाषाई अनुसंधान और तकनीकी संसाधनों में निवेश भी अपेक्षाकृत कम रहा है। हाल के वर्षों में इस स्थिति को सुधारने के लिए कुछ प्रयास शुरू हुए हैं। भारत सरकार और विभिन्न तकनीकी संस्थानों ने भारतीय भाषाओं के लिए डिजिटल संसाधन विकसित करने की दिशा में कई पहलें शुरू की हैं। उदाहरण के लिए भाषा प्रौद्योगिकी से संबंधित कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न भाषाओं के लिए डेटा संग्रह और संसाधन निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

अमेरिका को चुनौती देकर ईरान बन रहा चौधरी

स्नेहा सिंह

लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता, संघर्ष और हिंसा से जूझ रहे मध्यपूर्व के देश अब बदल रहे हैं। एक समय शक्तिशाली देशों के अधीन रहने वाले ये देश अब अपने पास मौजूद खजाने और समृद्धि के कारण पश्चिमी एशिया के जियोपॉलिटिक्स का केंद्र बन गए हैं। मध्यपूर्व में अमेरिका का बढ़ता प्रभाव ही यहां उत्पन्न हुए संकट का मुख्य कारण है। अमेरिका ने अपने हितों की रक्षा के लिए लगातार इस क्षेत्र की राजनीति और आर्थिक, सामाजिक तथा सामरिक नीतियों में हस्तक्षेप शुरू कर दिया था। इसके कारण स्थानीय शक्ति संतुलन बिखरने लगा और डगमगाने लगा था। ईरान के प्रमुख आयतुल्ला खामेनेई की मृत्यु हुई, अन्य महत्वपूर्ण सैन्य अधिकारियों और मंत्रियों की मौत हुई, फिर भी ईरान की सत्ता नहीं डगमगाई। ईरान की वर्तमान व्यवस्था और बाहरी व्यवस्थाओं द्वारा स्थिति को नियंत्रण में रखा गया है। ईरान ने इन चुनौतियों के बीच अमेरिका और इजराइल दोनों को आक्रामक और मजबूत जवाब दिया है।

अमेरिका ने सत्ता और वर्चस्व के लिए जो लड़ाई शुरू की थी, वह अब दूसरी दिशा में जाती दिखाई दे रही है। सामान्य रूप से कोई भी देश अपने प्राकृतिक संसाधनों, समुद्री मार्गों या स्थलीय मार्गों, सीमाओं, रेगिस्तान, जंगल और हवाई सीमाओं के आधार पर अपनी सीमाएं तय करता है। वह खुद आगे नहीं बढ़ता और दूसरों को उसमें गलत तरीके से प्रवेश नहीं करने देता। लेकिन इन सबके बीच मिडल ईस्ट और खाड़ी देशों की स्थिति बिलकुल अलग है। यहां का जियोपॉलिटिक्स एक अलग ही स्तर पर चलता है। दक्षिण-पश्चिम एशिया, दक्षिण-पूर्व यूरोप और उत्तर-पूर्व अफ्रीका तक फैले मिडल ईस्ट देशों की कोई निश्चित और सर्वमान्य भौगोलिक सीमा नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार इस क्षेत्र में मौजूद भौगोलिक जटिलताओं के कारण यहां धर्म, प्राकृतिक संसाधनों और अन्य कारकों के आधार पर वैश्विक राजनीति व्यापक प्रभाव डाल रही है। विशेष रूप से इस क्षेत्र में उपलब्ध ऊर्जा संसाधनों की प्रचुरता, सामरिक समुद्री मार्ग और महाशक्तियों के बीच पारस्परिक हितों की प्रतिस्पर्धा के कारण स्थिति जटिल बनी हुई है। लंबे समय से अस्थिरता झेल रहे ये देश अब बदल रहे हैं और अपने महत्व को स्थापित कर रहे हैं। वास्तविक स्थिति यह है कि मध्यपूर्व के देशों में शक्ति संतुलन की बात अक्सर महाशक्तियों और उनके सहयोगी देशों के हितों के इर्दगिर्द ही घूमती रही है। इन देशों की सैन्य क्षमता, क्रूड और गैस के संसाधन, अर्थव्यवस्था और अन्य कारकों पर जियोपॉलिटिक्स और कूटनीति का प्रभाव तय करता रहा है। इस क्षेत्र में दशकों से अमेरिका अपना प्रभुत्व बनाए रखने की कोशिश करता रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यहां मौजूद तेल और गैस के विशाल भंडारों के कारण अमेरिका ने अपनी कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य नीतियों में इस क्षेत्र को प्राथमिकता दी और अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

विशेषज्ञ मानते हैं कि मध्यपूर्व में अमेरिका का बढ़ता प्रभाव ही यहां के संकटों का मुख्य कारण है। अमेरिका ने अपने हितों की रक्षा के लिए लगातार इस क्षेत्र की राजनीति, अर्थव्यवस्था, समाज और सैन्य मामलों में हस्तक्षेप किया, जिससे स्थानीय शक्ति संतुलन कमजोर हुआ। जहां एक ओर इससे कुछ देशों को सुरक्षा और सहयोग मिला, वहीं दूसरी ओर कई देशों में अस्थिरता बढ़ी।

मध्यपूर्व में ईरान और अमेरिका को सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जाता है। पिछले लगभग आधी सदी से दोनों के बीच तनाव बना हुआ है। 1979 में ईरान में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद ईरान ने पश्चिमी प्रभाव, विशेष रूप से अमेरिका के वर्चस्व का खुलकर विरोध किया, जो आज भी जारी है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों का मानना है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित कर रहा है। यदि ऐसा होता है, तो मध्यपूर्व में शक्ति संतुलन पूरी तरह बदल सकता है। इसी कारण अमेरिका ने ईरान पर बारबार आर्थिक प्रतिबंध, कूटनीतिक दबाव और सैन्य दबाव बनाया है। जब-जब अमेरिका ईरान को दबाने का प्रयास करता है, तब-तब इस क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, राजनीति, व्यापार और शक्ति संतुलन प्रभावित होता है। इसके परिणामस्वरूप न केवल मध्यपूर्व, बल्कि दुनिया के अन्य देशों को भी नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हाल ही में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के कारण वैश्विक राजनीति में गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। यदि यह संघर्ष लंबा चला, तो इसके प्रभाव और भी व्यापक होंगे। पहले से ही वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, कई देशों में ऊर्जा संकट उत्पन्न हो रहा है, पेट्रोल-डीजल और गैस की कमी देखी जा रही है, और कई अर्थव्यवस्थाएं डगमगा रही हैं।

युद्ध और संघर्ष के कारण आर्थिक अस्थिरता, सामाजिक तनाव, विस्थापन और मृत्यु दर बढ़ रही है, जिससे एक गंभीर मानवीय संकट पैदा हो रहा है। यह स्थिति वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिए भी बड़ा खतरा बनती जा रही है। मध्यपूर्व के जियोपॉलिटिक्स में अमेरिका के साथ-साथ रूस और चीन की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। ईरान पर हमलों और उसके जवाबी कदमों के बाद यह प्रतिस्पर्धा और अधिक तीव्र हो गई है। अमेरिका जहां अपने हितों की रक्षा के लिए लंबे समय से सक्रिय है, वहीं रूस और चीन भी अब इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत कर चुके हैं।

रूस ने सीरिया, लेबनान और सऊदी अरब जैसे क्षेत्रों में प्रभाव स्थापित किया है, जबकि चीन ने ऊर्जा जरूरतों और व्यापारिक स्थिरता के लिए मध्यपूर्व के देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईरान कमजोर होता है, तो अमेरिका मजबूत होगा, जिससे रूस और चीन के लिए नई चुनौतियां पैदा होंगी।

इसी कारण रूस और चीन पर्दे के पीछे ईरान का समर्थन करते नजर आते हैं। रूस पश्चिमी प्रभाव को कम करने के लिए ईरान को महत्वपूर्ण साझेदार मानता है, जबकि चीन ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक मार्गों की स्थिरता के लिए ईरान से अच्छे संबंध बनाए हुए है। कई चुनौतियों के बावजूद ईरान ने संघर्ष जारी रखा है, जो अमेरिका के लिए चिंता का कारण है विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में बड़े नुकसान हुए, लेकिन इसके बावजूद ईरान की सत्ता कायम रही। ईरान ने मजबूत प्रतिक्रिया दी है और अपनी स्थिति बनाए रखी है। यदि इस संघर्ष के अंत में ईरान कमजोर नहीं पड़ता और वहां सत्ता परिवर्तन नहीं होता, तो अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। ईरान का क्षेत्रीय प्रभाव, समुद्री मार्गों पर नियंत्रण और ऊर्जा आपूर्ति पर असर वैश्विक स्तर पर अस्थिरता पैदा कर सकता है।

एलपीजी की कमी आयात से नहीं, ऊर्जा के क्षेत्र में नवाचार से भी बदल सकती है सूरत

पुनीत उपाध्याय

अमरीका.ईरान युद्ध के कारण गैस और तेल के संकट ने भारत के लिए इस मुद्दे पर नए सिरे से सोचने को मजबूर कर दिया है क्योंकि साल दर साल गैस और तेल की डिमांड बढ़ रही है। इसलिए हमें वैकल्पिक स्त्रोतों को अपनाना ही होगा। भारत में एलपीजी की खपत 2011-12 में लगभग 1.5 करोड़ मीट्रिक टन थी जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 3.1 करोड़ मीट्रिक टन तक पहुंच गई।

इंटरनेशनल इंस्टीटूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईआईएसडी) 2026 की रिपोर्ट के अनुसार इस बढ़ोतरी का 93 फीसदी से अधिक हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा किया गया। एलपीजी की अधिकतर आपूर्ति पश्चिम एशिया के देशों से होती है। इसी वजह से भारत के घरेलू एलपीजी बाजार में वैश्विक संकट के समय तुरंत असर दिखाई देता है।

एलपीजी की कीमत बढ़ने और आपूर्ति में रुकावट के कारण लोग इलेक्ट्रिक कुकिंग उपकरणों की ओर बढ़ रहे हैं। शहरी बाजारों में इंडक्शन, इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर और इन्फ्रारेड स्टोव की मांग बढ़ी है। आईआईएसडी की साल 2026 की रिपोर्ट में एलपीजी पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) बिजली की लागत की तुलना की गई है। रिपोर्ट के अनुसारए वर्तमान दामों पर एलपीजी ;14.2 किग्रा 853 रुपये प्रति सिलेंडर जो सालाना लगभग 6800 से 6900 रुपये तक पहुंच जाता है। वहीं पीएनजी ;50 रूपये प्रति एससीएम. सालाना लगभग 6800 से 6900 रुपये तक पहुंच जाता है जबकि बिजली (6 रुपये प्रति किलोवाट) . सालाना लगभग 5800 से 5900 रुपये तक पहुंचता है। देश में इंडक्शन, इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर और इन्फ्रारेड स्टोव की मांग बढ़ी है। यानी इलेक्ट्रिक कुकिंग अधिकतर घरेलू उपयोग के लिए सबसे किफायती विकल्प है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर बिजली की कीमत सात रूपये प्रति किलोवाट तक रहती है तो इलेक्ट्रिक कुकिंग एलपीजी और पीएनजी से सस्ती बनी रहती है।

एलपीजी की कीमतें वैश्विक तेल बाजार से प्रभावित होती हैं। इसके विपरीत बिजली घरेलू स्तर पर उत्पन्न होती है और इसमें अंतरराष्ट्रीय उतार.चढ़ाव का असर कम होता है। हालांकि इलेक्ट्रिक कुकिंग बढ़ रही है लेकिन कुछ चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। अधिकतर इंडक्शन कुकटॉप सिंगल.जोन होते हैं जबकि एलपीजी स्टोव में कई बर्नर होते हैं।

इंडक्शन कुकटॉप और संगत बर्तन महंगे हो सकते हैं। सोलर एनर्जी के इस्तेमाल पर करना होगा विचार कुछ साल पहले भारतीय वैज्ञानिकों ने अधिक क्षमता वाला सोलर डीसी कुकिंग सिस्टम बनाया था। सोलर डीसी कुकिंग सिस्टम की क्षमता पारंपरिक सोलर आधारित कुकिंग सिस्टम से 20 से 25 फीसदी अधिक है और यह उससे ज्यादा किफायती भी है।

भारत के वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और केंद्रीय यांत्रिक इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (सीएमईआरआई) द्वारा विकसित सोलर डीसी कुकिंग सिस्टम एक सौर ऊर्जा आधारित खाना बनाने की प्रणाली है जिसमें सोलर पीवी पैनल, चार्ज कंट्रोलरए,बैटरी बैंक और खाना बनाने वाला ओवन शामिल हैं। यह स्वच्छ ऊर्जा तकनीक द्वारा खाना पकाने का एक बेहतरीन तरीका है। यह इन्वर्टर.रहित सीधे उपयोग किए जाने वाला, तेज और एक समान तापमान प्रदान करता है। इसमें हर घर से हर साल होने वाले 1 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को रोकने की क्षमता है।

सीएसआईआर.सीएमईआरआई द्वारा विकसित सोलर डीसी कुकिंग सिस्टम की क्षमता पारंपरिक सोलर आधारित कुकिंग सिस्टम से 20 से 25 फीसदी अधिक है और यह उससे ज्यादा किफायती भी है। एसी.डीसी कन्वर्जन के कारण पारंपरिक प्रणाली की कार्य क्षमता घट जाती है। आसान तकनीक होने से इसे डिजाइन कर तैयार करना आसान हो जाता है और इस प्रकार छोटे उद्योगों के लिए पर्याप्त आर्थिक अवसर भी प्रदान करता है। तकनीक की लोकप्रियता बढ़ने के साथ ही रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ने की संभावना है। शोधकर्ताओं ने कहा यह प्रणाली कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन पर लगाम लगाने में मदद करेगीए जबकि एलपीजी के उपयोग से भी कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है।

बाजार में पहुंचने पर इस तकनीक की कीमत 65 से 70 हजार रुपये के बीच होगी। अन्य सौर ऊर्जा आधारित उत्पादों की तरह यदि सरकार द्वारा सब्सिडी प्रदान की जाती है तो उत्पाद की कीमत में काफी कमी आएगी। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद ;सीएसआईआर और केंद्रीय यांत्रिक इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान ;सीएमईआरआई द्वारा विकसित सोलर डीसी कुकिंग सिस्टम का उपयोग भी 200 गीगावाट सौर ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। लगभग 290 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन पर भी लगाम लगेगी।

क्रांतिकारी पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी

आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

स्वाधीनता संग्राम के महानायक गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्टूबर 1890 को प्रयाग में हुआ था। वह कुशल शिक्षक, लेखक,राजनीतिक और हिंदी पत्रकारिता के सुदृढ़ स्तंभ थे। विद्यार्थी उनका उपनाम था। राष्ट्र के इतिहास से संबंधित उनका ज्ञान बड़ा गहरा था। वे समसामयिक समाचार पत्रों का गंभीरता पूर्वक अध्ययन करते थे। गणेश शंकर ने अपने समय के विख्यात विचारकों वॉल्टेयर, थोरो, एमर्सन, जान स्टुअर्ट मिल के विचारों का गहनता से अध्ययन किया। स्वाध्यायशील प्रवृत्ति के धनी गणेश शंकर जी ने मात्र 16 वर्ष की अल्प आयु में ही हमारी आत्मोत्सर्गता नामक पुस्तक लिख दी थी। 1911 में विद्यार्थी की प्रसिद्ध साहित्यिक मासिक पत्रिका सरस्वती के उप संपादक के रूप में कार्य किया और उसी में उनका पहला लेख आत्मोत्सर्ग नामक शीर्षक से प्रकाशित हुआ। लखनऊ में पहली बार सन 1916 में वे गांधी जी से मिले और फिर पूरे मनोयोग से राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़ गए। 1997 18 में होमरूल लीग आंदोलन में इन्होंने अग्रणी भूमिका निभाते हुए कानपुर में कपड़ा श्रमिकों की पहली हड़ताल का नेतृत्व किया। 1925 में जब कांग्रेस ने स्वराज पार्टी का गठन किया तो गणेश शंकर ने कानपुर में शानदार जीत प्राप्त की। 1929 तक इन्होंने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य के रूप में कार्य तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर भी कार्य किया। गणेश शंकर साहित्यिक प्रतिभा के धनी थे उस समय के प्रकांड साहित्यिक लेखकों में इनका सम्मान था। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के पत्र अभ्युदय से जुड़कर इन्होंने राष्ट्रवाद की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया। वे लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के राष्ट्रीय दर्शन से भी अत्यधिक प्रभावित थे। अपने सहयोगियों एवं वरिष्ठ जनों के सहयोग एवं मार्गदर्शन से विद्यार्थी जी ने 1913 में प्रताप नामक समाचार पत्र का प्रकाशन प्रारंभ किया। इस समाचार पत्र के प्रथम अंक में ही इन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि हम राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन, सामाजिक आर्थिक क्रांति, जातीय गौरव, साहित्यिक सांस्कृतिक विरासत के लिए अपने हर अधिकार के लिए संघर्ष करेंगे। विद्यार्थी जी ने अपने इस संकल्प को प्रताप में लिखे लेखों में मुखरता से अभिव्यक्त किया। जिसके कारण अंग्रेजों ने इनको जेल भेज दिया। 22 अगस्त 1918 में प्रताप में प्रकाशित नानक सिंह की 'सौदा ए वतन' नामक कविता से नाराज होकर अंग्रेजों ने विद्यार्थी जी पर राजद्रोह का आरोप लगाया और प्रताप समाचार पत्र का प्रकाशन बंद करवा दिया। आर्थिक संकट से जूझते हुए विद्यार्थी जी ने पुनः प्रताप की शुरुआत की और अंग्रेज सरकार की दमनकारी नीतियों का जोरदार विरोध किया। विद्यार्थी का प्रताप समाचार पत्र उस समय पूर्ण प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका था क्योंकि राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण और ब्रिटिश सरकार की नीतियों के विरुद्ध लेखन इसमें नियमित रूप से होता था। उन्हें कानपुर के एक प्रसिद्ध नेता के रूप में जाना जाता है कानपुर का पूरा साहित्य समाज विद्यार्थी जी को अपना आदर्श मानता था। सरदार भगत सिंह को विद्यार्थी जी ने ही प्रताप समाचार पत्र से जोड़ा था। विद्यार्थी जी की भाषा में अपूर्व शक्ति थी इनकी भाषा सरलता प्रवाहमयता, गाम्भीर्य, निर्भीकता से परिपूर्ण थी। वे स्वाधीनता संग्राम के निष्ठावान एवं समर्पित सिपाही थे। 25 मार्च 1931 में कानपुर में भयंकर हिंदू मुस्लिम सांप्रदायिक दंगे हुए। विद्यार्थी जी ने आतंकियों के बीच में जाकर हजारों निस्सहाय लोगों को बचाया परंतु खुद एक ऐसी ही हिंसक भीड़ में फंस गए जिसने उनकी बेरहमी से हत्या कर दी। जिसने हजारों लोगों की जान बचाई वह मसीहा खुद धार्मिक उन्माद की भेंट चढ़ गया। विद्यार्थी जी निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता के सशक्त हस्ताक्षर थे। उन्होंने उस समय के दबे कुचले वर्गों, किसानों के अधिकारों की अपनी लेखनी के माध्यम से रक्षा की। ब्रिटिश व्यवस्था के क्रूर नियमों को ललकारते हुए उन्होंने जनमानस के हृदय में क्रांति की चिंगारी प्रज्वलित की। क्रांतिकारी पत्रकारिता के लिए उन्हें बहुत कष्ट झेलना पड़े थे परंतु वे कभी भी अपने क्रांतिपथ पर विचलित नहीं हुए।

मिशन विसर्जन

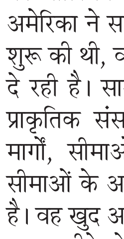

डॉ. सुरेश कुमार

अरे भैया राम-राम! क्या बताएँ, हमारे मोहल्ले के झुनझुनवाला जी का जो यूरेका-यूरेका है न, वो आर्किमिडीज वाला कम और बॉर्डर वाला सर्जिकल स्ट्राइक ज्यादा लगता है। आर्किमिडीज ने तो टब में बैठ के सिद्धांत खोजा था, पर हमारे झुनझुनवाला जी जब बाथरूम से मुस्कुराते हुए, हवा में मुक्का लहरा के निकलते हैं, तो समझ लो आज उन्होंने गुरुत्वाकर्षण को पटखनी दे दी है। मोहल्ले में सन्नाटा ऐसा रहता है जैसे वर्ल्ड कप के फाइनल में आखिरी गेंद पर छह रन चाहिए हों और स्ट्राइक पर खुद झुनझुनवाला जी का पेट खड़ा हो। सस्पेंस तो देखिए, कबाड़ी भाई हाथ में सिगरेट का बंडल और कड़क चाय की प्याली लेकर ऐसे टहलते हैं जैसे किसी सुसाइड मिशन पे जा रहे हों। बोले-अरे लल्लन भैया, जब तक ई कैफीन की मिसाइल अंदर जाके धमाका नहीं करती, तब तक नीचे का गेटवे ऑफ इंडिया खुलता ही नहीं है! उनके पेट को भी रिश्वत चाहिए, बिना 'पेमेंट' के वहां का ट्रैफिक सिग्नल लाल ही रहता है। अजीब स्थिति हैं भाई, कोई नाभि के पास सरसों का तेल रगड़ रहा है, तो कोई कहता है कि जब तक हम मोहल्ले के उस काले कुत्ते को दो बार जोर से डांट न लें, तब तक विसर्जन का भाव ही नहीं जागता।

हमारे हेडमास्टर चौरसिया जी का पेट तो भाई साहब एकदम उसूलों वाला है। जब तक दैनिक जागरण का संपादकीय पढ़ के दो-चार भ्रष्ट नेताओं को मन ही मन सस्पेंड न कर दें, तब तक कुदरत अपनी फाइल आगे नहीं बढ़ाती। चौरसिया जी का एडिटर जब तक खुश नहीं होता, तब तक वो एक इंच नहीं हिलते। वहीं दूसरी तरफ, खन्ना जी बाथरूम में जाकर किशोर कुमार के दर्द भरे नगमे गाते हैं। उन्हें लगता है कि मेरे नैना सावन-भादो गाने से अंदर की खुश्की सावन में बदल जाएगी। संगीत का ऐसा प्रेशर-कुकर उपयोग आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। उधर एडवोकेट साहब हैं, जो टॉयलेट की सीट पर बैठकर सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले और दलीलें पढ़ते हैं। उनका मानना है कि जब तक दिमाग पर लीगल प्रेशर नहीं पड़ता, तब तक कुदरत अपना फाइनल जजमेंट नहीं सुनाती। कोई सुबह-सुबह बायीं आंख मींचकर दायीं नाक से ऐसी लंबी सांस खींचता है जैसे सारा ब्रह्मांड अंदर भर लेगा, उसका दावा है कि इससे इंजन रिवर्स गियर से सीधा टॉप गियर में आ जाता है।

बात यहीं खत्म नहीं होती, हमारे मोहल्ले में तो केमिकल लोचा के उस्तादों की फौज है। चुलबुली चाची का लॉजिक है कि जब तक पेट को आधा चम्मच हींग और काला नमक का हैंड ग्रेनेड न दिया जाए, तब तक मोर्चा नहीं खुलेगा। कोई त्रिफला चूर्ण को ऐसे फांक रहा है जैसे वो अमृत हो, तो कोई रात भर भिगोई हुई इक्कीस किशमिश को सुबह ऐसे घूरता है जैसे पुराने उधार की वसूली करनी हो। एक महाशय तो दीवार के सहारे पैर ऊपर करके शीर्षासन में अपनी किस्मत ढूंढ रहे हैं, तो कोई धनुरासन में ऐसा तना है कि बस अभी तीर छूटने ही वाला है। कुछ लोग तो और भी हाई-टेक हैं, वो बाथरूम में पावर बैंक और ईयरफोन लेकर जाते हैं क्योंकि उनका कहना है कि संदीप माहेश्वरी का मोटिवेशनल पॉडकास्ट सुनने से ध्यान भटकता है और पेट को परफॉर्म करने की क्रिएटिव आजादी मिलती है। उधर मास्टर जी पुराने स्कूल के रजिस्टर खोलकर बैठ जाते हैं क्योंकि अनुपस्थित छात्रों की एब्सेंट लिस्ट देखने से पेट का पुराना स्टॉक भी प्रेजेंट हो जाता है। जुगाड़ नंबर पच्चीस से आगे बढ़िए तो इमेजिनेशन के उस्ताद मिलते हैं। कुछ लोग आंखें बंद करके सावन की झड़ी या बहते हुए नलों की कल्पना करते हैं, इस उम्मीद में कि शायद अंदर भी लिक्विडिटी बढ़ जाए। एक प्रजाति ऐसी है जो पुराने ट्रांजिस्टर की तरह पेट के दायीं तरफ हल्के हाथ से ट्यूनिंग करती है कि शायद कोई फ्रीक्वेंसी मैच हो जाए। हमारे ताऊ जी तो कहते हैं- बेटा, जब तक हम पड़ोसी की नई कार को देख के थोड़ा जल न लें, तब तक हमारा हाजमा दुरुस्त नहीं होता। अब बताइए, ईर्ष्या का कब्ज से क्या रिश्ता?

सिर्फ अच्छे नंबर नहीं अच्छी आदतें भी बच्चे को बनाती हैं सफल

बच्चे माता-पिता का पहला फर्ज होते हैं ऐसे में सभी पेरेंट्स यही चाहते हैं कि उन्हें एक उज्जवल भविष्य मिले। उज्जवल भविष्य के लिए बच्चों की दिनचर्या में अच्छी आदतें जोड़ना बहुत ही आवश्यक है। खासकर कुछ आदतें हैं ऐसी होती हैं जो बच्चों को एक अच्छा इंसान बनाने में मदद करती हैं। जैसे अपनी शरीर का ध्यान रखना, सफाई पर ध्यान देना, शाम को सोते समय हल्का खाना खाना इससे बच्चे शुगर, बीपी, स्ट्रेस जैसी बीमारियों से दूर रहते हैं। बच्चे स्वभाव से ही भोले-भाले होते हैं उन्हें जो भी चीजें पेरेंट्स सिखाएं वह उसे मान लेते हैं यदि पेरेंट्स घर में बार-बार चिल्लाते हैं तो बच्चों को भी यही आदत लग जाती है। आज आपको कुछ ऐसी बातें बतातें हैं जो आपके बच्चों को एक उज्जवल भविष्य देने में मदद करेंगी।

सबसे पहले रखें स्वास्थ्य का ध्यान

अच्छे भविष्य के लिए बच्चे की अच्छी सेहत होना जरुरी है। यदि बच्चा फिट और फाइन होगा तो वह हर चीज पर अच्छे से फोकस कर पाएगा। यदि बच्चा अपने शरीर पर ध्यान देता है तो यह आदत उसकी पूरी उम्र काम आएगी।

सही समय पर सुलाना और जगाना

अर्ली टू बेड और अर्ली टू राइज यह लाइन तो आपने कई बार सुनी ही होगी लेकिन इस पर अमल कर पाना थोड़ा मुश्किल है। खासकर यदि बच्चे रात में जल्दी सोकर सुबह जल्दी उठते हैं तो वह एकदम फिट और फाइन रहते हैं। हालांकि जब बच्चे स्कूल जाना शुरु कर दें तो माता-पिता का यह फर्ज बनता है कि वह उन्हें समय पर सुलाएं और उनकी नींद का पूरा ध्यान रखें। वहीं एक्सपर्ट्स के अनुसार, उम्र के मुताबिक ही बच्चों को पूरी नींद लेनी चाहिए जैसे 1-2 साल के बच्चे को 11-15 घंटे, 3-5 साल के बच्चे को 10-14 घंटे, 6-13 साल के बच्चे को 9-12 घंटे, 14-17 साल के

बच्चों को 8-11 घंटे की नींद जरुरी होती है।

अच्छी डाइट देना

आजकल बच्चे ज्यादातर फास्ट फूड और जंक फूड खाना ही पसंद करते हैं लेकिन उनकी फिट बॉडी के लिए अच्छी डाइट मुख्य रुप से जरुरी है। खासकर बच्चों को आप खाना खिलाने के बाद ही 40-45 मिनट बाद पानी-पीने की आदत डालें। बेड पर खाना खाना सही नहीं माना जाता यदि आप बच्चों को नीचे जमीन पर बिठाकर खाना नहीं खिला सकते तो आप उन्हें डाइनिंग टेबल पर बिठाकर खाना खिला सकते हैं। इसके अलावा बच्चों को लंच या डिनर करवाने से पहले 5-10 सैकेंड के लिए ईश्वर को याद करने की आदत डालें इससे बच्चे नेगेटिविटी से दूर होकर खाना खा सकेंगे। टीवी या मोबाइल देखते हुए बच्चे को खाना खाने की आदत न डालें। इससे खाना उनके शरीर को नहीं लगेगा।

सलाद और फल खिलाना

बच्चों की फिट बॉडी के लिए उन्हें सलाद और फल खाने की आदत जरुर डालें। लंच से पहले आप उन्हें एक फल खिला सकते हैं। यदि बचपन से ही बच्चों को फल और सलाद की आदत लगेगी तो वह आगे स्वस्थ रह पाएंगे। इसके अलावा उनके शरीर में विटामिन्स और मिनरल्स की भी कमी नहीं रहेगी। फाइबर की भरपूर मात्रा बच्चों को मिलने से उनका पेट लंबे समय तक स्वस्थ रहेगा। घर में मौसमी फल या

सलाद जैसे गाजर, खीरा, चुकंदर उन्हें खिला सकते हैं। फल या सलाद बच्चों को देते समय आप इस बात का ध्यान रखें कि यह मौसमी हों और सलाद भी कोल्ड स्टोरेज वाला न हो।

रात को दें हल्का खाना

एक्सपर्ट्स का मानना है कि रात को हमेशा हल्का ही खाना खाना चाहिए। ऐसे में बच्चों को यह आदत डालना जरुर है। खासकर ओवरईटिंग की समस्या इस तरह ही पैदा हो रही है। इससे बचने के लिए आप बच्चों को सूर्यास्त तक खाना खिला दें। यदि सूर्यास्त तक खाना न खिला पाएं तो 7-8 बजे तक भी आप बच्चों को खाना खिला सकते हैं। इससे उनका वजन भी कंट्रोल में रहेगा और वह खाना अच्छे से पचा भी पाएंगे। हल्का और लो कैलोरी वाला फूड्स ही बच्चे को दें। पर्याप्त मात्रा में बच्चों को पानी की आदत और हैल्दी ड्रिंक आप उन्हें पिलाएं। इसके अलावा सुबह अदरक, काली मिर्च, तुलसी, सौंफ, इलायची डालकर ड्रिंक तैयार करके आप बच्चों को इसका आधा गिलास दे सकते हैं।

चिप्स, कोल्ड ड्रिंक से रखें दूर

बच्चों को चिप्स, कुरकुरे, नमकीन खाने की आदत होती है और बच्चों के जिद्दी स्वभाव के कारण कई बार पेरेंट्स को भी उन्हें यह सब चीजें देनी पड़ती हैं। महीने में आप एक बार यह चीजें बच्चों को दे सकते हैं लेकिन ज्यादा खाने से उन्हें समस्या हो सकती है। इन सब चीजों की जगह आप बच्चों को फल, सलाद, ड्राई फ्रूट्स, सीड्स खिलाने की आदत डाल सकते हैं।

हाइजीन रहने की डालें आदत

गंदे बैक्टीरिया और घर में गंदगी मौजूद होने के कारण भी कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा शरीर साफ न रखना, साफ कपड़े न पहनना, नाखून साफ न करना जैसी आदतें भी उन्हें बीमारियों का शिकार बनासकती हैं। यदि बाल साफ न किए जाएं तो यह झड़ने लगते हैं वहीं यदि स्किन साफ रखने से स्किन से जुड़ी बीमारी की आशंका भी रहती है। साफ-सुथरा रहना, अच्छे से दांत साफ करना, समय-समय पर हाथ धोते रहना, नाखून साफ करना जैसी आदतें सिखाकर आप बच्चों को हैल्दी रख सकते हैं।

पढ़ाई के अलावा एक्स्ट्रा एक्टिविटीज करना

वैसे तो पढ़ाई सबसे जरुरी है लेकिन इसके अलावा भी बच्चे को एक्स्ट्रा एक्टिविटीज जरुर करवाएं।

यदि आपके बच्चों को पढ़ाई के अलावा किसी ओर चीज में रुचि है तो उन्हें उसमें काम करने का मौका जरुर दें। इससे बच्चों का ज्यादातर समय उस एक्टिविटी में व्यतीत होगा और वह मोबाइल और सोशल मीडिया से दूर रह पाएंगे।

आउटडोर गेम्स खेलने की डालें आदत

बच्चों को बाहर खेलने की आदत डालें इससे उनका विकास अच्छे से होगा और वह करियर में सफलता हासिल कर पाएंगे। वैसे तो सभी बच्चे खेलते हैं लेकिन उन्हें बाहर खेलने की आदत डालें। अगर खेलने की सुविधा न हो तो आप उन्हें साइकिलिंग की आदत जाल सकते हैं इससे भी बच्चे एकदम फिट रहेंगे। अगर बच्चे इंडोर गेम्स खेलना चाहते हैं तो आप उन्हें उसके लिए भी प्रोत्साहित कर सकते हैं। इसके अलावा क्रिकेट, स्विमिंग जैसी गेम्स में आप उन्हें डाल सकते हैं। वहीं अगर लड़कियां आउटडोर गेम्स नहीं खेलना चाहती तो वह डांसिंग कर सकती हैं।

सिखाएं अपने पर विश्वास रखना

बच्चों को इस बात की भी आदत डालें कि वह खुद पर भरोसा रखें। अपने दिल की बात दूसरों से करें यदि कोई ऐसी परिस्थिति बनती है कि वह किसी से दिल की बात नहीं कह पाते तो वह ईश्वर से अपने दिल की बात कर सकते हैं। मेडिटेशन की आदत आप बच्चों को डाल सकते हैं। हर दिन 10-15 मिनट यदि बच्चे इसे करेंगे तो उन्हें अच्छा महसूस होगा। सुबह और शाम की आरती में आप बच्चों को शामिल कर सकते हैं इससे उनके मन में धार्मिक भाव उत्पन्न होंगे।

खुद ढूंढने दे अपनी प्रॉब्लम्स के सॉल्यूशन

बच्चों को अपनी प्रॉब्लम्स का सॉल्यूशन आप खुद ही ढूंढने दें। इससे वह भविष्य में किसी भी तरह के काम को आसानी से कर पाएंगे। हां एक बार इस काम को करने में उन्हें थोड़ी मुश्किल हो सकती है लेकिन धीरे-धीरे वह सीख जाएंगे। यदि बच्चों को जीवन में किसी भी तरह की कोई परेशानी होती है तो वह खुद समस्या का समाधान कर पाएंगे।

जरुर दें जिम्मेदारी

बच्चों को जिम्मेदारी भी जरुर दें। इससे वह भविष्य में जिम्मेदार बन सकेंगे। आप चाहें तो अलमारी या फिर गाड़ी की चाबी उन्हें दे सकते हैं। इसके अलावा यदि आप बच्चे के साथ मार्केट जा रहे हैं तो उन्हें कुछ पैसे रखने के लिए दे सकते हैं। इससे उन्हें जिम्मेदारी का भी पता चलेगा और उनके अंदर चीजों को सेहज कर रखने की आदत भी पड़ेगी।

पेरेंट्स भी अपनाएं ये आदतें

बच्चे पेरेंट्स से चीजें बहुत ही आसानी से सिखते हैं ऐसे में यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे भीड़ से हटकर चलें और आप उन्हें एक उज्जवल भविष्य दे सकें तो इन सभी आदतों को आप खुद भी अपनाएं।

मार-पिटाई से नहीं बल्कि इन तरीकों से छुड़ाएं बच्चों के हाथ उठाने की आदत

अक्सर छोटे बच्चों में एक गलत और गंदी आदत देखी जाती है कि वो अपने पैरेंट्स या भाई-बहन में हाथ उठाते हैं और फिर हंसते हैं। शुरूआत में तो बच्चों की ये आदत बहुत क्यूट लगती है और कई बार लोग खुद ही बच्चों को मारने के लिए उकसाते हैं। मगर क्या आपको पता है कि बच्चे पहले तो ये काम मजे-मजे में करते हैं, लेकिन आगे चलकर ये उनके लिए घातक साबित हो सकता है, इससे उनका स्वभाव हिंसक हो सकता है।

क्यों मारते हैं बच्चे

आपको बता दें कि बच्चे इसलिए नहीं मारते क्योंकि वो आपको चोट पहुंचाना चाहते हैं बल्कि वो इसलिए ऐसा करते हैं क्योंकि उस वक्त उनमें इतने ज्यादा स्ट्रांग emotions होते हैं, जितना उनका impulse कंट्रोल नहीं कर सकता। आमतौर पर छोटे बच्चे खासकर 1.5 से 2 साल की उम्र में बच्चों में इस तरह की आदतें आना शुरू हो जाती हैं। इसका कारण यह है कि इस उम्र तक बच्चों में पसंद-नापसंद की समझा आ जाती है। ऐसे में कई बार अपने पसंद की चीज न मिलने या अपने पसंद की बात न होने पर

बच्चों हाथ उठाते हैं और मारने लगते हैं।

बच्चे को समझाएं

बच्चे अपने आस-पास देखकर ही आदतें सीखते हैं। ऐसे में सबसे पहले जरूरी है कि घर के सदस्यों को बच्चों के सामने सही से पेश आना चाहिए। दूसरी जरूरी बात ये है कि जब भी आपका बच्चा आप पर हाथ उठाता है, आपको उसे उसी समय सामने बिठाकर या खड़ा करके कुछ बातें समझानी चाहिए। उन्हें प्यार से पूछें की, 'तुम ने मुझे मारा और मैं देख रहा हूं की तुम हंस रहे हो'।,'क्या तुम मुझसे कुछ कहना चाहते हो'? उनसे पूछे की, 'क्या तुम्हें मुझे मारकर Uncomfortable फील हो रहा है'? ये सारे सवाल सुनकर उन्हें महसूस होगा की उसकी इस हरकत से आपको ठेस पहुंची है और वो आगे से हाथ उठाने से पहले सोचेगा।

बच्चे पर गुस्सा न करें

अगर आपका बच्चा आपको मारता है, तो उस पर तुरंत गुस्सा न करें, बल्कि उसे प्यार से समझाएं । आप उसे अगर प्यार से समझाएंगे तो वो आसानी से समझ जाएगा कि मारना या हाथ उठाना अच्छी आदत नहीं है। बच्चे को बताएं की ये आदत गलत है और उन्हें ये हरकत किसी के साथ नहीं करना चाहिए।

बच्चे को बताएं कि हाथ उठाने की जगह वो क्या कर सकता है?

ये जानना भी बहुत जरूरी है कि आखिरकार उन्हें हाथ क्यों उठाया। इसका जो भी जवाब बच्चा आपको देता है, तो उसी समय बच्चे को बताएं कि वो हाथ उठाने या मारने की जगह किन तरीकों का इस्तेमाल उसी एक्सप्रेशन को सभ्य तरीके से जाहिर करने के लिए कर सकता है। जैसे अगर बच्चे को कोई बात बुरी लगी है, तो वो इसे बोलकर या इशारा करके बता सकता है। अगर बच्चा अटेंशन पाना चाहता है, तो वो कोई खास शब्द बोलकर या छूकर बता सकता है। बच्चे को सिखाएं कि वो अपनी गुस्से/नापसंदगी/परेशानी की भावनाओं को कैसे प्रदर्शित कर सकते हैं।

छह महीने के बाद कुछ ऐसी हो बच्चे की डाइट ये चीजें रखेंगी उन्हें एकदम हेल्दी

बच्चे का जैसे ही जन्म होता है तो उसे सबसे पहले मां का दूध ही पिलाया जाता है। मां का दूध बच्चे के अच्छे विकास और उसके शरीर के पोषण देने के लिए बेहत लाभकारी माना जाता है। खुद एक्सपर्ट्स भी 5-6 महीने तक बच्चे को मां का दूध ही देने की सलाह देते हैं लेकिन 5-6 महीने बाद बच्चे को ऐसे कौन से चीज दें जिसे वह आसानी से खा सके। शुरुआत में आप बच्चे को ऐसी चीजें ही दें जिसे वह आसानी से पचा पाएं। साथ में उन्हें विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर आहारों का सेवन करवाएं ताकि वह हमेशा हैल्दी रह सकें। खासकर अगर आप पहली बार मां बनी हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि बच्चे को कैसे फूड खिलाएं तो आज आपको 5 ऐसे सॉलिड फूड्स बताते हैं जिन्हें खाने से बच्चे एकदम हैल्दी रहेंगे।

सेब की प्यूरी

आप 6 महीने के बच्चे को सेब की प्यूरी खिला सकते हैं। सेब की प्यूरी पोषक तत्वों से युक्त होती है। इसमें कई सारे मिनरल्स और पोषक तत्व पाए जाते हैं। रोजाना आप बच्चे को इसका सेवन करवा सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक सेब लें। इसके बाद सेब को छील लें। सेब के बीजों को स्टीम करें। इसके बाद उसे ब्लेंड करके बच्चों को खिला दें। यह उनकी सेहत के लिए फायदेमंद रहेगा।

ब्रोकली की प्यूरी

ब्रोकली कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स होते हैं। छोटे बच्चों को आप ब्रोकली की प्यूरी खिला सकते हैं। यदि आप उन्हें इसकी प्यूरी बनाकर खिलाएंगे तो वह हमेशा हैल्दी रहेंगे। ब्रोकली को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इसे

तोड़कर पका लें। पकाने के बाद इन्हें ब्लैंड करें। ब्लैंड की हुई ब्रोकली आप बच्चे की डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो उन्हें किसी और सब्जी की प्यूरी बनाकर भी खिला सकते हैं।

मूंग दाल की खिचड़ी

यदि आपका बच्चा 6 महीने का हो चुका है तो आप उसे मूंग की दाल से बनी हुई खिचड़ी खिला सकते हैं। मूंग दाल और चावल को उबाल लें फिर इसे पीसकर ग्राइंड करें और इसमें थोड़ा-थोड़ा देसी घी मिलाएं। इस टेस्टी खिचड़ी को स्वाद से खा लेंगे और उनके शरीर को पर्याप्त पोषण भी मिलेगा और उनके शरीर का विकास भी अच्छे से होगा।

दाल का पानी

दाल में कई सारे जरुरी विटामिन्स, मिनरल्स मौजूद होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। ऐसे में आप बच्चों को इसका सेवन करवा सकते हैं। 6 महीने के बाद बच्चे को सेहतमंद रखने के लिए दाल का पानी जरुर पिलाएं। मूंग दाल या फिर किसी और दाल का सेवन आप बच्चों को करवा सकते हैं। जब दाल पानी में अच्छे से घुल जाए तो आप बच्चे को चम्मच से इसका पानी पिला सकते हैं।

दलिया की प्यूरी

छोटे बच्चों के लिए दलिया की प्यूरी फायदेमंद रहेगी। दलिया को अच्छे से पकाएं इसके बाद इसे ग्राइंड करके दूध के साथ पका लें। आप चाहें तो स्वाद के लिए इसमें केला या फिर कोई अन्य फल मिला सकते हैं। रोजाना दलिया की प्यूरी खिलाने से उनके शरीर का विकास होगा और बच्चे का पाचन भी सही रहेगा।

कभी-कभी हम बिना सोचे-समझे अपनी निजी जानकारियां दूसरों को बता देते हैं, जिनका लोग मजाक उड़ाने लगते हैं या फिर संवेदनहीन हो जाते हैं। अगर यह जानकारी गलत हाथों में चली जाए, तो न सिर्फ हमारी प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक परेशानियां भी बढ़ सकती हैं।

ऐसे में विशेषज्ञ भी ये कहते हैं कि अपनी जिंदगी से जुड़ी कुछ बातें किसी से साझा नहीं करनी चाहिए। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कौन-कौन सी बातें हैं, जिन्हें किसी को नहीं बताना चाहिए, ताकि आप अपनी सुरक्षा और मानसिक शांति बनाए रख सकें।

आर्थिक स्थिति के बारे में

अपनी कमाई, बैंक बैलेंस, निवेश या किसी भी प्रकार के कर्ज की जानकारी किसी के साथ साझा करना जोखिम भरा हो सकता है।

कई बार लोग इस जानकारी का गलत फायदा उठा सकते हैं या इसे अफवाहों में बदल सकते हैं।

उदाहरण के लिए, अगर आप किसी को बता देते हैं कि आपने हाल ही में कोई बड़ी संपत्ति खरीदी है, तो यह चोरी या धोखाधड़ी का कारण बन सकता है। इसलिए आर्थिक मामलों में गोपनीयता बनाए रखना हमेशा सुरक्षित रहता है।

स्वास्थ्य और मेडिकल जानकारी

स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी बहुत संवेदनशील होती है।

गंभीर बीमारियों, दवा की जरूरत या मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति केवल भरोसेमंद व्यक्ति या डॉक्टर तक ही सीमित रखें।

उदाहरण के लिए, किसी को यह बता देना कि आपको कोई पुरानी बीमारी है, गलत हाथों में जाने पर सामाजिक या पेशेवर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है।

पसंदीदा और नापसंदीदा चीजें

हमारी निजी पसंद और नापसंद भी कभी-कभी दूसरों के लिए ताना या आलोचना का कारण बन सकती है।

उदाहरण के लिए, अगर आप किसी को बता देते हैं कि आपको कुछ सामान्य विचार या रुचियां पसंद नहीं हैं, तो लोग इसे गलत तरीके से ले सकते हैं या मजाक का विषय बना सकते हैं। इसलिए अपनी पसंद-नापसंद का खुलासा केवल भरोसेमंद दोस्तों के साथ ही करें।

संबंध और निजी जीवन

रिश्तों और व्यक्तिगत मामलों को सार्वजनिक करने से आपकी निजता प्रभावित हो सकती है।

उदाहरण के लिए, किसी के साथ विवाद या पारिवारिक समस्या को सोशल मीडिया या किसी तीसरे व्यक्ति के सामने साझा करना आपकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकता है। निजी जीवन की गोपनीयता आपके आत्मसम्मान और सुरक्षित सामाजिक संबंधों के लिए जरूरी है।

भविष्य की योजनाएं और सपने

आपके लक्ष्य, महत्वाकांक्षाएं और भविष्य की योजनाएं भी गोपनीय होनी चाहिए।

किसी को यह बता देना कि आप किसी बड़े प्रोजेक्ट या व्यवसाय की योजना बना रहे हैं, तो वह जानकारी गलत हाथों में जा सकती है और आपकी योजना का गलत फायदा उठाया जा सकता है।

सिर्फ भरोसेमंद और नजदीकी लोगों के साथ ही अपनी महत्वाकांक्षाओं पर चर्चा करें।

मलाई कोफ्ता

मलाई कोफ्ता खाने में बहुत ही स्वादिष्ट होता है। हम सब भी घर में होटल जैसा मलाई कोफ्ता बनाना चाहते हैं लेकिन सब्जी में डाले गए कोफ्ते मलाई जैसे सॉफ्ट नहीं बन पाते

हैं। ऐसे में आज हम आपको टिप्स बताने जा रहे है। जिसके चलते घर पर ही होटल जैसा मलाई कोफ्ता बना सकती है। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

सामग्री

आलू - 4(उबले हुए)
पनीर-250 ग्राम
मैदा-50 ग्राम
हरा धनिया- 1 चम्मच
प्याज- 3 (टुकड़ों में कटा हुआ)
अदरक का पेस्ट- 1 एक चम्मच
लहसुन का पेस्ट- 1 एक चम्मच
टमाटर -2
मलाई या क्रीम- 200 ग्राम
किशमिश- 2 चम्मच
काजू- 2 चम्मच
काजू का पेस्ट- 50 ग्राम
हल्दी -आधा चम्चम
किंग मसाला -आधा चम्मच
कसूरी मेथी -1 चम्मच
चीनी -1 चम्मच

बनाने का तरीका

1 सबसे पहले उबले हुए आलू को कम से कम 5 घंटे के लिए फ्रिज रखकर छोड़ दें।

2 मलाई कोफ्ता बनाने के पनीर और आलू को अच्छी तरह मैश करें।

3 अब किशमिश और काजू को छोटे-छोटे पीस में काट लें और साथ ही इसमें छोटा चम्मच चीनी मिलाएं।

4 फिर एक कढ़ाही में तेल गर्म करें।

5 इसके बाद पनीर के मिक्सचर की बॉल्स बनाकर अंदर ड्राई फ्रूट्स भर लें।

6 फिर इन कोफ्तों को फ्राई करें अगर ये फटते हैं तो इन्हें निकालकर सूखा मैदा लगाएं फिर फ्राई करें।

7 ग्रेवी के लिए प्याज,अदरक,लगसुन, टमाटर को फ्राई करते हुए इसमें काजू का पेस्ट डालें।

8 इस मिश्रण में फिर 2 बड़े चम्मच गर्म दूध,कसूरी मेथी के साथ सभी सूखे मसाले डालें।

9 ध्यान रहे मिक्सचर के किनारे से चिकनाई छोड़ने तक आपको इसे भूनना है।

10 फिर इसमें आधा कप पानी मिलाएं और जब लगे कि ग्रेवी हल्की गाढ़ी हो गई है तो उसमें क्रीम, चीनी और कसूरी मेथी डालें।

11 इसके बाद ग्रेवी को हल्की आंच पर छोड़ दें।

12 कोफ्ते को कभी भी गर्म ग्रेवी में न डालें। इससे कोफ्ते टूट जाते हैं।

13 मलाई कोफ्ता सर्व करते वक्त पहले बाउल में कोफ्ता डालें और फिर ऊपर से ग्रेवी डालें।

गर्मियों में नींबू पानी की जगह ट्राई करें रिफ्रेशिंग कुकुम्बर लैमनेड!

गर्मियों ने दस्तक दे दी है और ऐसे में कुछ ठंडा पीने की तलब हर वक्त रहती है। खीरा और नींबू में पानी की प्रचूर मात्रा होती है जो शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन दिनों चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने से शरीर के सारे टॉक्सिंस बाहर निकालने में मदद मिलता है, तो चलिए फिर देर किस बात की।

सामग्री

2 खीरा (टुकड़ों में कटी हुई)
20-25 पुदीने की पत्ती
1/2 टीस्पून लेमन जेस्ट
1/2 कप नींबू का रस
4 टेबलस्पन शक्कर
5 कप पानी

गार्निशिंग के लिए:

4-5 पुदीने के पत्ते
आइस क्यूब्स

विधि

1. सबसे पहले खीरे को पानी से धोकर टुकड़ों में काट लें।

2.अब मिक्सर में खीरा और पुदीने की पत्ती डालकर अच्छ से पीस लें।

3. फिर इसमें नींबू का रस, लेमन जेस्ट और शक्कर डालकर दोबारा मिक्सी में चला लें।

4- तैयार है कुकुम्बर लैमनेड।

5. इसे गिलास में निकालकर पुदीने के पत्तों से गार्निश करें, आइस क्यूब्स डालकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

मिलान में 'देसी गर्ल' का ब्लैक ड्रेस में दिखा स्वैग
साथ में नजर आईं एनी हैथवे

प्रियंका चोपड़ा और एनी हैथवे

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक इवेंट में शिरकत की। इस दौरान प्रियंका ने ब्लैक स्ट्रैपलेस गाउन और स्लीक बन हेयरस्टाइल के साथ चमचाती ज्वेलरी में एक नया ट्रेंड सेट कर दिया है। इस इवेंट में प्रियंका के अलावा कई हॉलीवुड अभिनेत्रियां भी नजर आईं। यह पूरा इवेंट फैशन और ग्लैमर से भरा हुआ था, जिसमें हर कोई अपनी स्टाइल से सबका ध्यान खींच रहा था।

कई स्टार्स हुए शामिल

हाल ही में एक ज्वेलरी ब्रांड ने इटली के मिलान शहर में अपना नया हाई-एंड कलेक्शन लॉन्च किया। यह इवेंट इतना शानदार था कि पूरा कार्यक्रम रेड कार्पेट जैसा लग रहा था। इस इवेंट में कई बड़ी हस्तियां पहुंचीं, जिनमें प्रियंका चोपड़ा, ऐनी हैथवे, दुआ लिपा और जेक गिलनहाल जैसे सितारे शामिल थे। सबकी नजरें इन पर टिकी हुई थीं।

प्रियंका चोपड़ा का लुक

प्रियंका चोपड़ा इस इवेंट में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने एक ब्लैक स्ट्रैपलेस गाउन पहना था, जो मरमेड स्टाइल का था। गाउन के बाएं कंधे पर एक खास डिजाइन बनी हुई थी, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रही थी। उन्होंने बालों को कर्ल कराया था। इसके साथ प्रियंका ने गले में एक खूबसूरत नेकलेस पहना। उनका यह ग्लैमरस लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

कर्नाटक हाईकोर्ट में 'कांतारा' मिमिक्री विवाद
रणवीर सिंह के मामले पर अप्रैल में सुनवाई

इन दिनों फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर रणवीर सिंह खूब वाहवाही लूट रहे हैं। अपने किरदार के लिए भी उन्हें खूब तारीफ मिल रही हैं। दूसरी तरफ रणवीर सिंह के फिल्म 'कांतार' की मिमिक्री से जुड़े मामले पर कर्नाटक हाईकोर्ट में सुनवाई हुई है। शिकायतकर्ता के वकील की तरफ से कुछ आपत्ति जताई गई हैं। शिकायतकर्ता के वकील का कहना है कि रणवीर सिंह ने मामले में दिल से माफी नहीं मांगी। मामले की अगली सुनवाई अब अप्रैल में होनी है। इस बीच आज मंगलवार को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने क्या कहा?

माफी मांगने चामुंडी मंदिर जाएंगे रणवीर?

'कांतारा' मिमिक्री विवाद में फंसे एक्टर रणवीर सिंह 10 अप्रैल को कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगेंगे। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान, उनके वकील ने प्रस्ताव दिया कि एक्टर खुद जाकर

माफी मांगने के लिए मैसूर के चामुंडी मंदिर भी जाने को तैयार हैं। ऐसा तब हुआ, जब शिकायतकर्ता के वकील प्रशांत मेथल ने माफी पर सवाल उठाते हुए इसे असंवेदनशील और महज एक औपचारिकता बताया। उन्होंने दलील दी कि रणवीर सिंह ने सिर्फ इंस्टाग्राम पर माफी पोस्ट की थी। ज़ुबानी तौर पर माफी नहीं मांगी। इससे ऐसा लगा कि यह कदम सच्ची पछतावे से ज्यादा एक औपचारिकता जैसा था।

सिंगर-रैपर बादशाह ने गुपचुप तरीके से रचाई शादी! तलाक के छह साल बाद इस एक्ट्रेस को बनाया अपना हमसफर

अपने गानों को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहने वाले सिंगर व रैपर बादशाह इस बार अपनी शादी को लेकर चर्चाओं में हैं। जी हां, सही सुना आपने बादशाह ने गुपचुप तरीके से शादी रचा ली है। बादशाह ने पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी से शादी की है। यह बादशाह की दूसरी शादी है, जो तलाक के छह साल बाद हुई है।

एक-दूजे को पहनाया वरमाला, सादगी से हुई शादी

सोशल मीडिया पर बादशाह और ईशा रिखी की दूल्हा-दुल्हन के रूप में तस्वीरें वायरल हो रही हैं। हालांकि, अभी तक सिंगर की ओर से कंफर्म नहीं किया गया है। लेकिन पूनम रिखी नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से शादी की तस्वीरें और वीडियो साझा किए गए हैं। जिसके बाद ये खबर अब कंफर्म ही मानी जा रही है।

इन तस्वीरों में बादशाह ओलिव ग्रीन कुर्ते और चूड़ीदार पजामे में नजर आए। जबकि ईशा लाल रंग के सूट में शादी के जोड़े में हैं। तस्वीरें देखकर पता चलता है कि दोनों ने बेहद सादगी से परिवार और खास दोस्तों की मौजूदगी में ही सात फेरे लिये हैं। बादशाह और ईशा रिखी ने एक-दूजे को वरमाला पहनाई।

अलाया एफ ने होंठ और नाक की सर्जरी की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया
बोलीं- 'मैं छिपाने या झूठ बोलने वाली नहीं'

अलाया एफ सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी फिटनेस व ब्यूटी टिप्स अक्सर शेयर करती रहती हैं। अलाया ने हाल ही में मुंबई के एक फैशन शो में रैंप वॉक किया था। इस शो के दौरान उनके लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें आईं। जिस पर अब आलिया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

लुक्स को लेकर ट्रोल हुईं अलाया

हाल ही में मुंबई के एक फैशन वीक में रैंप वॉक करने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि अलाया ने अपनी नाक और होंठ की सर्जरी करवा ली है। इस पर अलाया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट करके जवाब दिया। वीडियो में अलाया ने अपने चेहरे को जूम करके कहा, 'दोस्तों, कमेंट्स में बहुत लोग कह रहे हैं कि मैंने नाक और होंठ की सर्जरी करवाई है। मैं वादा करती हूं, मैंने कुछ भी नहीं करवाया है।'

मालिश का है कमाल

अलाया ने आगे कहा, 'अगर मैंने सर्जरी करवाई होती तो मैं खुशी-खुशी आपको बता देती। मैं ऐसी नहीं हूं जो बात छुपाऊं या झूठ बोलूं। देखो, नाक वही है, होंठ भी वही हैं। बस रोशनी का फर्क है। अच्छी आदतें, ज्यादा पानी पीना और चेहरे की मालिश से चेहरा अच्छा लग रहा होगा। लेकिन सर्जरी बिल्कुल नहीं हुई है।'

अलाया एफ का करियर

अलाया ने फिल्म 'जवानी जानमन' से डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने 'फ्रेडी', 'ऑलवेज प्यार विद डीजे मोहब्बत' और 'यू-टर्न' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा वह फिल्म 'श्रीकांत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' में भी नजर आई थीं। वह पूजा बेदी और फरहान फर्नीचरवाला की बेटी हैं।

इन कलाकारों ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को कहा अलविदा, कोई चला रहा रेस्टोरेंट तो कोई बना इंफ्लूएंसर

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' टीवी के सबसे मशहूर शोज में से एक है। यह पिछले 18 वर्षों से दर्शकों की पसंद बना हुआ है। कई मशहूर कलाकारों ने किसी वजह से इस शो को छोड़ दिया। कुछ कलाकारों को कहीं काम नहीं मिला, कुछ ने खुद काम नहीं किया है। आइए इन कलाकारों के बारे में जानते हैं।

मोनिका भदौरिया

मोनिका भदौरिया ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के मेकर्स पर टॉर्चर करने और बुरा बर्ताव करने का इल्जाम लगाया था। इसके बाद उन्होंने शो से दूरी बना ली। इसके बाद वह किसी शो का हिस्सा नहीं बन सकीं। इन दिनों वह सोशल मीडिया पर अपने फोटो और वीडियो शेयर करती हैं।

जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल

जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने प्रोड्यूसर

असित मोदी पर संगीन इल्जाम लगाए थे। इसके बाद उन्होंने शो को अलविदा कह दिया था। शो छोड़ने के बाद उन्हें काम नहीं मिल रहा। बताया जाता है कि वह अपने करियर के बुरे दौर से भी गुजरीं। अब वह सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं। वह फनी वीडियो बनाती हैं।

दिशा वकानी

दिशा वकानी यानी दयाबेन ने साल 2017 में मैटरनिटी लीव के लिए 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से ब्रेक लिया था। वह दो बच्चों की मां बन गईं। हालांकि उन्होंने दोबारा शो नहीं ज्वाइन किया। फिल्हाल वह एक्टिंग से दूर हैं। वह बच्चों और घर को संभाल रही हैं।

गुरुचरण सिंह

गुरुचरण सिंह ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को 2018 में अलविदा कहा था। उन्होंने अपने पिता की देखभाल के लिए ब्रेक लिया था। इसके बाद वह किसी शो का हिस्सा नहीं बन पाए। इन दिनों वह दिल्ली में एक रेस्टोरेंट चला रहे हैं।

शैलेश लोढ़ा

शो में शैलेश लोढ़ा ने तारक मेहता का रोल प्ले किया था। उनके भी असित मोदी के साथ रिश्ते खराब हो गए थे। मेकर्स के साथ फीस को लेकर उनकी अनबन हो गई थी। शो छोड़ने के बाद उन्होंने दूसरे शो 'वाह भाई वाह' को होस्ट किया। वह 'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' का हिस्सा रहे। इन दिनों वह किसी शो का हिस्सा नहीं हैं।

लोकेश कनगराज के घर से 10 AK-47 राइफल जब्ती में गड़बड़झाला, पुलिस ने डायरेक्टर को लौटाईं डमी बंदूकें
अल्लू अर्जुन के साथ ला रहे हैं फिल्म

रजनीकांत की 'कुली' और थलपति विजय की 'लियो' जैसी फिल्मों के मशहूर डायरेक्टर लोकेश कनगराज एक दिलचस्प कारण से सुर्खियों में हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले आचार संहिता लागू होने के दौरान, पुलिस ने चेन्नई के अशोक नगर में फिल्म निर्माता से जुड़ी 10 AK-47 राइफलें जब्त कीं। एक फ्लाइंग स्क्वाड ने निरीक्षण के दौरान कथित तौर पर ये जब्ती की। लेकिन फिर इसमें सच भी सामने आ गया।

फिल्म प्रोजेक्ट के लिए थीं डमी बंदूकें

अधिकारियों ने बाद में स्पष्ट किया कि ये 10 AK-47 राइफलें असल में डमी बंदूकें थीं, जिन्हें लोकेश कनगराज के किसी फिल्म प्रोजेक्ट में इस्तेमाल के लिए ले जाया जा रहा था। जरूरी दस्तावेजों की जांच करने के बाद, अधिकारियों ने इन प्रॉप्स को फिल्म टीम को लौटा दिया। कोयंबटूर में पैदा हुए 40 साल के

गड़बड़झाले का एहसास हुआ। दरअसल, पुलिस ने जो 10 राइफल जब्त किए थे, वो डमी हथियार थे, जो फिल्म के लिए जमा किए थे। लिहाजा, पुलिस को गलती समझ आई और अधकिरियों ने जरूरी कागजी कार्रवाई के बाद ये डमी हथियार लौटा दिए।

तमिलनाडु में आगामी 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव हैं, जिसके बाद 4 मई को चुनाव परिणाम का ऐलान होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव निगरानी के हिस्से के तौर पर चुनाव फ्लाइंग स्क्वाड को डायरेक्टर लोकेश कनगराज के अशोक नगर स्थित घर पर की गई छापेमारी के दौरान ये 10 राइफलें मिलीं। इस घटनाक्रम ने तुरंत चिंता पैदा कर दी। हालांकि, फिर तत्काल इसका लोकेश कनगराज की ओर से हालांकि, अभी तक इस मामले में कोई बयान नहीं आया है। लेकिन शुरुआती खबर आने के बाद इंडस्ट्री में हलचल जरूर मच गई थी।

कौन हैं लोकेश कनगराज

'कैदी', 'मास्टर' और 'विक्रम' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के डायरेक्टर लोकेश कनगराज का जन्म 14 मार्च 1986 को हुआ है। वह साउथ सिनेमा के मशहूर डायरेक्टर, स्क्रीनपले राइटर और प्रोड्यूसर हैं। मूल रूप से तमिल सिनेमा में काम करने वाले लोकेशन ने अपने करियर की शुरुआत 2016 की एंथोलॉजी फिल्म 'अवियल' में एक शॉर्ट फल्मि से की थी। बाद में उन्होंने अपनी पहली फीचर फल्मि 'मानगरम' (2017) को डायरेक्ट किया। साल 2019 में रिलीज 'कैदी' उनकी पहली कर्मशयिल सक्सेस थी। इसके बाद उन्होंने इससे एक फ्रेंचाइजी 'लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स' (LCU) की शुरुआत की।

लोकेश कनगराज इन दिनों 'पुष्पा 2' फेम अल्लू अर्जुन के साथ अपनी हाई-प्रोफाइल पैन-इंडियन प्रोजेक्ट को लेकर भी चर्चा में हैं। इस फिल्म का नाम अस्थायी तौर पर #AA23 और #LK7 रखा गया है। कथति तौर पर इस फिल्म में अनुष्का शर्मा भी नजर आएंगी। लोकेश इसके अलावा 'DC' फिल्म से बतौर एक्टर भी डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अरुण मथेश्वरन कर रहे हैं, जो 'सानी कायिधम' और 'कैप्टन मिलर' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

आमिर खान संग सुपरहीरो फिल्म, रजनीकांत और कमल हासन को 'अनफॉलो'

लोकेश बीते दिनों तब भी चर्चा में आए थे, जब उन्होंने आमिर खान के साथ एक सुपरहीरो फिल्म बनाने की घोषणा की थी। हालांकि, अभी इस प्रोजेक्ट को लेकर और कोई नई जानकारी सामने नहीं आई है। बीते दिनों लोकेश कनगराज ने सोशल मीडिया पर रजनीकांत और कमल हासन को 'अनफॉलो' करने की अफवाहों पर सफाई दी थी। बताया कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया और ये खबरें पूरी तरह निराधार हैं।

'बेंज', 'मिस्टर भारत' और '29' कर रहे प्रोड्यूस

लोकेश कनगराज इन सब के अलावा अपने प्रोडक्शन हाउस 'G Squad' बैनर तले राघव लॉरेंस की फिल्म 'बेंज' और 'मिस्टर भारत' का भी निर्माण कर रहे हैं। वह कार्तिक सुब्बाराज के साथ मिलकर फिल्म '29' का भी निर्माण कर रहे हैं।

'अक्षय कुमार असल जिंदगी में भी हेरा-फेरी के राजू जैसे, पैसों के पीछे पागल' : प्रियदर्शन

'हेरा-फेरी' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन एक बार फिर नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। अक्षय कुमार ने बताया कि उन्हें पहले 'हेरा फेरी' में सुनील शेट्टी के शाम का रोल ऑफर हुआ था। वहीं प्रियदर्शन ने कहा कि अक्षय कुमार असल जिंदगी में भी 'राजू' जैसे ही शैतान हैं और पैसों के पीछे पागल हैं।

अक्षय कुमार रियल में राजू किरदार जैसे

करीब 25 साल लंबे गैप के बाद अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन एक साथ दर्शकों को हंसी का डबल डोज देने के लिए तैयार हैं। अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अक्षय कुमार और राजपाल यादव ने प्रियदर्शन से पहली मुलाकात का मजेदार किस्सा सुनाया। अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन की जोड़ी ने 'हेरा-फेरी' से लेकर 'भागम-भाग' जैसी शानदार फिल्में

दी हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अक्षय कुमार को 'हेरा-फेरी' कैसे मिली थी और उन्हें पहले 'श्याम' का रोल ऑफर हुआ था? इसके साथ ही 'हंगामा' में रोल देने से पहले डायरेक्टर प्रियदर्शन ने राजपाल यादव की शर्ट फाड़ दी थी।

अक्षय बोले- उन्हें राजू का रोल ज्यादा पसंद आया था

इंटरव्यू में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन ने अपनी पहली मुलाकात का किस्सा शेयर किया है। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें श्याम (सुनील शेट्टी) का रोल ऑफर हुआ था, लेकिन उन्हें राजू का रोल ज्यादा पसंद आया था। दोनों की पहली मुलाकात को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते अक्षय कुमार ने बताया कि पहली मुलाकात बीआर चोपड़ा के डबिंग थिएटर में हुई थी।

अक्षय ने कहा- मैं किसी फिल्म की डबिंग कर रहा था

उन्होंने कहा, 'मैं किसी फिल्म की डबिंग कर रहा था और तभी डायरेक्टर प्रियदर्शन वहां पहुंचे और फिल्म की कहानी सुनाई। पहले मुझे श्याम का रोल ऑफर हुआ था, लेकिन मुझे राजू का रोल करना था।'

कहा- अक्षय कुमार असल जिंदगी में भी 'राजू' जैसे ही शैतान

एक्टर ने बताया कि पहले फिल्मों में एक्शन सीन करने का ही मौका मिला था, इतना शैतान और पैसों के पीछे पागल राजू के जैसा किरदार कभी नहीं मिला। यही कारण था कि मैंने राजू को चुना। डायरेक्टर प्रियदर्शन ने कहा कि अक्षय कुमार असल जिंदगी में भी 'राजू' जैसे ही शैतान हैं और पैसों के पीछे पागल हैं। इस बात दोनों हंस देते हैं।

उन्हें नहीं पता कि 'भूत-बंगला' की स्क्रिप्ट क्या है

वहीं, राजपाल यादव ने डायरेक्टर प्रियदर्शन से पहली मुलाकात का बहुत मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि जब से डायरेक्टर के साथ काम करना शुरू किया है, कभी स्क्रिप्ट पढ़ने की जरूरत नहीं पड़ी और इस बार भी उन्हें नहीं पता कि 'भूत-बंगला' की स्क्रिप्ट क्या है।

छोटी सी मुलाकात कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर हुई

एक्टर ने कहा, 'हमारी पहली और छोटी सी मुलाकात कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर हुई थी और दूसरी बार सीधी मुलाकात फिल्म हंमागा को लेकर हुई थी। मैं उनसे मिलने के लिए चेन्नई गया था और पहली ही मुलाकात में इन्होंने मेरी शर्ट फाड़ दी और कहा कि ये सोचो की तुमने शानदार विकेट लिया है। मैंने दोनों हाथों को हवा में उठाकर भागने लगा, क्योंकि यही मेरा फिल्म में रोल था।'

जंगल' और 'चांदनी बार' में देखने के बाद ही 'हंगामा' के लिए चुना

राजपाल यादव ने खुलासा किया कि उन्हें प्रियदर्शन ने फिल्म 'जंगल' और 'चांदनी बार' में देखने के बाद ही 'हंगामा' के लिए चुना था। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर हमेशा मस्ती का माहौल रहता था, जिससे किरदार पर किसी तरह का प्रभाव न पड़े।

लापता बच्चों को घर पहुंचाने से लेकर अपराधियों को पकड़ने तक

रेलवे का एफआरएस बना देशभर की जांच एजेंसियों का 'सुपर टूल'

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई में फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) से जुड़े सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस अपराधियों को तेजी से पकड़ने और लापता लोगों को खोजने में सफल हो रही है। मुंबई में पिछले कुछ महीनो के दौरान एक डिजिटल टूल के दम पर पुलिस अपराधियों से लेकर गायब बच्चों तक को ढूंढने में कामयाब रही है। पुर्तगाल की एक टूरिस्ट का पीछा करने और परेशान करने के मामले में दो लोग पिछले महीने गिरफ्तार हुए।

गोरेगांव से गायब होने वाले 14 साल के एक बच्चा कुछ सप्ताह पहले राजस्थान में मिला। जनवरी में मुंबई के एक प्रोफेसर को चाकू मारने वाले शख्स को दो दिन में पकड़ लिया गया। इसके अलावा एक साल पहले अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाले शख्स को भी कुछ दिनों बाद पकड़ लिया गया। इन सभी मामलों में पुलिस की सफल जांच के पीछे एक अहम टूल रहाः फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस)। जी हां, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स की मुंबई डिविज़न में करीब 3,675 सीसीटीवी कैमरों मे से 463 इस एफआरएस सिस्टम से लिंक हैं। उत्तर में चर्चगेट से सूरत तक और पूर्व में जलगांव तक कुल 114 स्टेशनों को कवर किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, देश के रेल नेटवर्क में एफआरएस से लिंक सीसीटीवी कैमरे इंस्टॉल करने वाला पश्चिम रेलवे पहला डिवीज़न है। पश्चिम रेलवे के एक अधिकारियों ने कहा, "पिछले साल से इन्हें अन्य डिवीजनों में भी लगाया जा रहा है। धीरे-धीरे पूरा नेटवर्क कवर कर लिया जाएगा। हमें देशभर के पुलिस बलों और केंद्रीय एजेंसियों से सहायता के लिए अनुरोध मिलते हैं।' सूत्रों ने बताया कि मुंबई पुलिस यूनिट द्वारा ऑपरेट किए जाने वाले 5000 से ज्यादा कैमरे भी अपने नेटवर्क पर एफआरएस से लिंक हैं।

पुर्तगाल की टूरिस्ट का मामला

पुर्तगाल की एक टूरिस्ट के मामले में की बात करें तो इस टूरिस्ट ने 23 फरवरी को महालक्ष्मी रेलवे स्टेशन के पास धोबी घाट पर दो लोगों द्वारा फोटो के लिए परेशान किए जाने का वीडियो अपलोड किया था। लेकिन पुलिस को शुरुआत में अपने कैमरा नेटवर्क खंगालने के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद जांचकर्ताओं ने वीडियो से स्क्रीनशॉट लेकर रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) से संपर्क किया जिसने एफआरएस पर तुरंत एक 'हिट' जेनरेट कर दी।

इसके बाद 13 फरवरी को सिस्टम में ने सीसीटीवी फुटेज से आरोपी को मरीन लाइन्स स्टेशन से ढूंढ निकाला। इसके बाद पुलिस ने इन दो शख्स को पकड़ने के लिए स्टेशन के बाहर अपने कैमरा नेटवर्क का इस्तेमाल किया। उनमें से एक आरोपी तब तक बिहार भाग गया था। एफआरएस आंखों के बीच की दूरी, माथा, नाक, कान और गाल की हड्डियों जैसी चेहरे के फीचर्स के आधार पर व्यक्ति की पहचान करता है और इन्हें डेटा में बदलकर एक यूनिक न्यूमेरिकल 'फेसप्रिंट' तैयार करता है।

एफआरएस से लैस सीसीटीवी कैमरे मुंबई सेंट्रल या आरपीएफ पुलिस स्टेशनों पर उपलब्ध सॉफ्टवेयर से कनेक्ट होते हैं। अगर वॉचलिस्ट में शामिल कोई व्यक्ति इन कैमरों के सामने आता है तो सॉफ्टवेयर तुरंत अलर्ट जारी करता है जिससे आगे की कार्रवाई शुरू हो जाती है। घटनाओं के बाद आरोपियों की तस्वीरें अपलोड करने के अलावा संदिग्धों की तस्वीरें भी इस सिस्टम में अपलोड जाती हैं। सिर्फ 2024 में ही एनआईए और सीबीआई जैसी एजेंसियों द्वारा ट्रैक किए जा रहे 10,000 से ज्यादा लोगों की तस्वीरें इस सिस्टम में अपलोड की गईं।

अधिकारी ने बताया, "ऐसा हो सकता है कि व्यक्ति पहले कहीं नजर न आया हो लेकिन जैसे ही वह प्लेटफॉर्म पर आता है, सिस्टम पर तुरंत 'हिट' मिल जाती है।" इस सिस्टम की एक और खासियत यह है कि यह किसी व्यक्ति की गतिविधियों के पैटर्न को भी मैप कर सकता है जिससे जांचकर्ताओं को संदिग्धों को ट्रैक करने में मदद मिलती है।

प्रोफेसर के मामले में क्या हुआ?

24 जनवरी को मलाड रेलवे स्टेशन पर एनएम कॉलेज के एक प्रोफेसर को चाकू घोंपने की घटना में आरपीएफ को आरोपी ओमकार शिंदे की फुटेज मिली और एफआरएस में इसे अपलोड कर दिया। सिस्टम ने एक पैटर्न दिखाया। शिंदे हर सुबह एक तय समय पर मलाड से ट्रेन पकड़ता था और शाम को मरीन लाइंस के जरिए लौटता था। इससे पुलिस को उसे गिरफ्तार करने में मदद मिली। एक अधिकारी ने कहा, "कई बार हमें पता होता है कि व्यक्ति स्टेशन पर था लेकिन वह वहां से कहां गया, यह नहीं पता होता। पैटर्न के जरिए हम उसे पकड़ पाते हैं।"

लापता बच्चों को खोजने में बेहद कारगर टूल

यह टूल लापता बच्चों को खोजने में भी बेहद अहम साबित हुआ है। खासकर भीड़भाड़ वाले स्टेशनों जैसे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल (सीएसएमटी) और चर्चगेट पर। अधिकारी ने बताया, "देशभर से लापता बच्चों की तलाश में लगी एजेंसियां हमारे पास तस्वीरें लेकर आती हैं। ज्यादातर मामलों में हमें मैच मिल जाता है और हम यह जानकारी दे पाते हैं कि उन्हें आखिरी बार कहां देखा गया था।" यहां तक कि जब फुटेज साफ नहीं होता, तब भी सिस्टम अलग-अलग विश्वास स्तर के साथ संभावित मैच दिखा सकता है। अधिकारी ने कहा, जहां साफ फुटेज में एफआरएस सटीक मैच देता है। वहीं धुंधले फुटेज के मामलों में यह 10 संभावित मैच दे सकता है जिनमें हर एक का प्रतिशत अलग-अलग होता है। एक आरपीएफ अधिकारी ने बताया कि यह सिस्टम 2022 में वेस्टर्न डिवीजन में सीसीटीवी कैमरों के साथ लगाया गया था।

रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स ने कई मामले सुलझाए जो इस सिस्टम के प्रभाव को साफ तौर पर दिखाते हैंः

> 2024: यात्रियों के सामान चोरी के 54 मामले, 3 लूट की घटनाएं
> 2025: सामान चोरी के 59 मामले, 5 बैग स्नैचिंग के मामले
> 2026 (फरवरी तक): 15 सामान चोरी के मामले

एक अधिकारी ने बताया, इन आंकड़ों में वे 10-15 दैनिक अनुरोध शामिल नहीं हैं जो आरपीएफ को देशभर की अलग-अलग पुलिस यूनिट से मिलते हैं। पश्चिम रेलवे की ओर से विनीत अभिषेक ने कहा, "हमारे यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए हम लगातार सबसे एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं।"

पुलिस की निगरानी में इलाज के लिए लाया गया कैदी मेकाहारा से फरार

रायपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इलाज के लिए अस्पताल लाया गया एक कैदी पुलिसकर्मियों की निगरानी से निकलकर फरार हो गया। हैरानी की बात यह है कि आरोपी हथकड़ी में ही जवानों को चकमा देकर मौके से भागने में सफल रहा। फरार कैदी की पहचान साहेब कुमार ताती के रूप में हुई है, जो हत्या के प्रयास के मामले में सजा काट रहा था। वह पिछले तीन वर्षों से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद था और मूल रूप से बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना उस समय हुई जब उसे इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल लाया गया था। अस्पताल परिसर में मौजूदगी के दौरान उसने स्थिति का फायदा उठाया और अचानक निगरानी में तैनात प्रहरियों को चकमा देकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि भागते समय वह हथकड़ी पहने हुए ही था, जिससे सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर चूक सामने आई है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा का बड़ा दावा नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई अब अंतिम चरण में

कबीरधाम, 24 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। बीती देर रात कवर्धा में डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया। इसे राज्य की अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक घोषणा माना जा रहा है। विजय शर्मा ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ जंग अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले एक-दो दिनों में एक अहम खुलासा होगा। यह खुलासा इस समस्या के ताबूत की अंतिम कील साबित होगा। सरकार की सख्त रणनीति और लगातार चल रही कार्रवाई के कारण यह संभव हो रहा है। डिप्टी सीएम ने 31 मार्च 2026 तक पूरे प्रदेश से सशस्त्र नक्सलवाद समाप्त करने का लक्ष्य रखा है। यह बयान सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक परम अभियान की तरह देखा जा रहा है। सरकार नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह घोषणा राज्य में शांति और सुरक्षा स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने सरकार की सख्त रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि लगातार चल रही कार्रवाई से नक्सलियों पर दबाव बढ़ा है। सरकार का उद्देश्य 31 मार्च 2026 तक पूरे छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद मुक्त करना है। यह लक्ष्य सुरक्षा बलों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। आने वाले दिनों में होने वाले खुलासे से इस लड़ाई को निर्णायक दिशा मिलेगी। अपने कवर्धा दौरे के दौरान डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने सरदार पटेल मैदान में संभागीय सरस मेला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने लखपति दीदी के स्व सहायता समूहों को सीआईएफ राशि वितरित की। आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत हितग्राहियों को वाहन भी प्रदान किए गए। यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगी। ग्रामीण आजीविका को मजबूती देने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. राममनोहर लोहिया कौशल विकास केंद्र का निर्माण एक महत्वपूर्ण पहल : टी. गोपाल सिंह

रांची, 24 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले स्थित बहरागोड़ा में विकास की दिशा में सोमवार 23 मार्च का दिन ऐतिहासिक बन गया, जब समाजवादी चिंतक एवं राजनेता डॉ राममनोहर लोहिया की 116वीं जयंती पर डॉ. राममनोहर लोहिया चैतन्यता एवं कौशल विकास केंद्र का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया। यह केंद्र आस-पास के अंचलों के युवाओं और महिलाओं को स्वाबलंबी बनाने और उन्हें आधुनिक कौशल से सशक्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि यह केंद्र युवाओं को रोजगार के नए अवसरों से जोड़ेगा और उनके हुनर को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि "कौशल विकास ही समृद्ध और आत्मनिर्भर समाज की नींव है"। उन्होंने डॉक्टर राममनोहर लोहिया चैतन्यता एवं कौशल विकास केंद्र के आधारशिला रखे जाने पर शुभकामनाएं दी तथा कहा कि इसके विकास में झारखंड सरकार की ओर से जो भी सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी हर संभव सहयोग की जाएगी

राष्ट्रनायकों को नमन से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रभक्तों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित अतिथियों ने अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव एवं महान समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात अतिथियों का अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया।

विधायक समीर मोहंती का संबोधनः "गांव में ही मिलेगा शहर जैसा अवसर"

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय विधायक समीर मोहंती ने अपने संबोधन में कहा कि यह केंद्र बहरागोड़ा के युवाओं के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगा। उन्होंने कहा अब युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। यहां आधुनिक तकनीक, रोजगारपरक प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। यह केंद्र क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति देगा। उन्होंने इस पहल को "नए बहरागोड़ा के निर्माण की मजबूत नींव" बताया। पूर्व न्यायाधीश एवं लोहिया विचार मंच के अध्यक्ष टी. गोपाल सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि 23 मार्च 2026 का दिन डॉ राममनोहर लोहिया और बदरीविशाल पित्ती के सपनों को साकार करने का ऐतिहासिक दिन बन गया। डॉ राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन की सराहना करते हुए उन्होंने कौशल विकास केंद्र के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर पूर्व विधायक कुणाल षड़ंगी की गरिमामयी उपस्थिति भी रही।

नक्सली पापा राव की लेटेस्ट तस्वीर आई सामने

कुख्यात नक्सली को जगदलपुर लेकर पहुची पुलिस

रायपुर/जगदलपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ से नक्सल खात्मे की डेडलाइन 31 मार्च 2026 से करीब एक सप्ताह पहले खूंखार नक्सली पापा राव आज मंगलवार को सरेंडर कर सकता है। वह अपने 17 साथियों के साथ सरेंडर करेगा। इस बीच पापा राव की लेटेस्ट तस्वीर सामने आई है। तस्वीर में दिख रहा है कि वह एके-47 हथियार के साथ जंगल में बैठा हुआ है। पापा राव समेत कुल 12 नक्सली दिख रहे हैं। इनमें पांच नक्सली हथियार के साथ बैठे हुए हैं। तस्वीर में बस्तर के पत्रकार रानू तिवारी भी दिखाई दे रहे हैं।

बताया जाता है कि पापा राव एके-47 समेत कई आधुनिक हथियारों से लैस रहता है। वह वेस्ट बस्तर डिवीजन का सचिव और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) का सदस्य है। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस संबंध में बड़ा बयान देते हुए कहा कि नक्सली पापाराव के आत्मसमर्पण के साथ छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद खत्म होगा। अब छत्तीसगढ़ में बड़े कैडर का एक भी नक्सली नहीं बचा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने उस पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। लाल आतंक का बड़ा चेहरा नक्सली पापा राव सरेंडर करने के लिये जंगल के रास्ते अपने 17 साथियों के साथ निकल चुका है। सूत्रों के अनुसार, बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में वह अगले कुछ घंटों में पहुंच सकता है। फिर वहां से उसे जगदलपुर लाया जायेगा। बस्तर संभाग के आईजी पी. सुंदरराज के सामने वह अपने 17 साथियों और हथियार के साथ औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण करेगा। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, पापा राव को लेने के लिए पुलिस बल की टीम इंद्रावती नेशनल पार्क क्षेत्र के एक गोपनीय स्थान के लिए रवाना हो चुकी है। पापा राव लंबे समय से नक्सलियों का रणनीतिकार रहा है।

2029 चुनाव से पहले लागू होगा 33% महिला आरक्षण

लोकसभा सीटें बढ़कर 816 होंगी, महिला सांसदों की संख्या 273 तक पहुंचेगी

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करने की तैयारी में है। इसके लिए संसद के मौजूदा सत्र में दो बिल लाए जा सकते हैं। इसके जरिए महिला आरक्षण लागू करने की मौजूदा शर्त में बदलाव किया जाएगा। इससे लोकसभा में सदस्यों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो सकती है। इनमें महिला सांसदों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 273 हो जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह ने इस पर सहमति बनाने के लिए सोमवार को एनडीए और गैर-कांग्रेसी विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक की। सहमति बनने पर बिल इसी हफ्ते पेश किए जा सकते हैं।

दरअसल, 2023 में महिला आरक्षण कानून संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पास हुआ था। इसके तहत महिला आरक्षण नई जनगणना के बाद लागू होना है। अब सरकार का प्रस्ताव है कि नई जनगणना का इंतजार करने की बजाय 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन किया जाए। इससे प्रोसेस तय समय पर पूरी हो सकेगी और आरक्षण लागू किया जा सकेगा।

इस सत्र में 2 बिल लाए जाएंगे, एससी और एसटी कोटा होगा

दो बिलः एक बिल के जरिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन होगा, जबकि दूसरा परिसीमन कानून में बदलाव से जुड़ा होगा। इसे पास कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा। इसी वजह से सरकार विपक्ष का समर्थन जुटाने में लगी है।

आरक्षणः प्रस्ताव के मुताबिक 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। आरक्षण का ढांचा ऐसा होगा, जिसमें एससी और एसटी वर्ग की महिलाओं को उनके कोटे के भीतर हिस्सा मिलेगा। ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से प्रावधान फिलहाल शामिल नहीं है। इसी फॉर्मूले पर राज्यों की विधानसभाओं में भी सीटें बढ़ाने और महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की योजना है, ताकि पूरे देश में एक जैसा ढांचा रहे।

कांग्रेस से चर्चा बाकीः गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों इसके लिए कई नेताओं से बैठकें की हैं। इनमें वाईएसआर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, एनसीपी (एसपी), आरजेडी और एआईएमआईएम के नेता शामिल रहे। बीजेडी और शिवसेना (यूबीटी) से भी बातचीत हुई है, जबकि कांग्रेस से चर्चा बाकी है। सहमति बनने पर बिल इसी हफ्ते संसद में पेश किए जा सकते हैं।

महिला आरक्षण बिल कानून नहीं बनाः महिला आरक्षण कानून 2023 में संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पास हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसकी मंजूरी दे चुकी हैं। लोकसभा में यह बिल लगभग सर्वसम्मति से और राज्यसभा में सर्वसम्मति से पास हुआ था। हालांकि, यह कानून अभी लागू नहीं हुआ है। इसकी लागू होने की तारीख केंद्र सरकार अधिसूचना के जरिए तय करेगी और जरूरत पड़ने पर संसद इसमें संशोधन कर सकती है।

जंगलों में लिथियम का 'खजाना'

गिरिडीह में तेजी से हो रहा सर्वे, अब तक मिले पुखराज-गोमेद

गिरिडीहः झारखंड के जंगलों में कीमती खजाना जमीन के अंदर छिपा हुआ है। इस बात की उम्मीद है कि गिरिडीह के डुब्बा जंगल में लिथियम का भंडार जमीन के नीचे छिपा हो सकता है। इसको लेकर बड़े पैमाने पर सर्वे कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के खान मंत्रालय की टीम ने यहां आकर निरीक्षण भी किया है।

गिरिडीह के जंगल में लिथियम का भंडार होने की उम्मीद

गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड में आने वाले डुब्बा आसनातरी जंगल में लिथियम होने की उम्मीद है। उम्मीद ये भी है कि लिथियम के अलावा यहां और भी बेशकीमती खनिज संपदा जमीन के नीचे दबी हो सकती है। सेंट्रल जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के एक्पर्ट्स की एक टीम पिछले कई महीनों से क्षेत्र में जांच में लगी है। इसी दौरान में केंद्र सरकार के खान मंत्रालय के डिप्टी डायरेक्टर जनरल आसित साहा की अगुवाई में एक हाईलेवल टीम ने डुब्बा जंगल का बेहद ही बारीक नजर से इंस्पेक्शन किया है। निरीक्षण के बाद इसी टीम ने तिसरी अतिथि गृह में इकट्ठे किए गए नमूनों की जांच भी की।

डेढ़ साल पहले मिले थे पुखराज और गोमेद

बताया जा रहा है कि करीब डेढ़ साल पहले यहीं के असुरहड्डी पहाड़ी इलाके में स्टोन माफिया का पता चला था। उनके अवैध उत्खनन में पुखराज, गोमेद और त्रिमुल्ली जैसे बेशकीमती रत्न मिले थे। लेकिन इसकी जानकारी मिलने के बाद प्रशासन ने उस इलाके में धावा बोल दिया था। लेकिन माना जा रहा है कि अभी भी वो क्षेत्र में एक्टिव हैं।

वन विभाग और भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की जॉइंट निगरानी में पिछले 6 महीने से इलाके में खनिजों की संभावना को लेकर जांच की जा रही है। इसके लिए अलग-अलग जगहों पर बोरिंग किया गया और मिट्टी से लेकर पत्थरों तक के सैम्पल इकट्ठे किए गए। इसी के बाद लिथियम को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई, लेकिन इसकी आधधिकारिक पुष्टि नहीं है।

300 रुपए चोरी के शक में युवक को अधनंगा कर सरेआम पीटा

रायपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले से इंसानियत को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। धरानगर गांव में एक युवक पर महज 300 रुपये और कुछ किलो सरसों चुराने का आरोप लगाकर भीड़ ने उस पर तालिबानी सितम ढाया।

युवक को न सिर्फ बेदम पीटा गया, बल्कि उसके कपड़े फाड़कर और सिर के बाल काटकर उसे सरेआम अपमानित किया गया। जब पीड़ित के माता-पिता उसे बचाने पहुंचे, तो गुस्साए ग्रामीणों ने उन्हें भी लहूलुहान कर दिया। पूरा मामला शनिवार दोपहर का बताया जा रहा है। कोरंधा गांव का रहने वाला श्रीकांत सिंह अपनी बाइक से धरानगर पहुंचा था। आरोप है कि वह गांव के ही एक किसान परशु मिंज के घर में घुसा, जब पूरा परिवार महुआ बीनने गया था।

ऑटोमोबाइल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर

वैष्णव बोले वैगन की डिजाइन बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे सुधारों पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऑटोमोबाइल परिवहन को लेकर अहम जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में कई प्रयास किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद रेलवे की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम बनी हुई है। वैष्णव ने बताया कि ऑटोमोबाइल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए यात्री कोचों को एनएमजी (न्यू मॉडिफाइड गुड्स) वैगनों में बदला गया और कई नई पहलें भी शुरू की गईं। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद जब उद्योग से फीडबैक लिया गया तो सामने आया कि रेलवे की हिस्सेदारी अब भी करीब 25 प्रतिशत के आसपास ही है।

ऑटोमोबाइल कैरियर वैगनों के डिजाइन से जुड़ी समस्या

उन्होंने कहा कि उद्योग जगत ने एक बड़ी समस्या की ओर ध्यान दिलाया है, जो ऑटोमोबाइल कैरियर वैगनों के डिजाइन से जुड़ी है। मंत्री के मुताबिक, मौजूदा डिजाइन उद्योग की जरूरतों के अनुरूप पूरी तरह उपयुक्त नहीं है, जिससे रेलवे के जरिए वाहन परिवहन में बाधाएं आ रही हैं।

एक्सपोर्टर्स के लिए 'कड़वी-मीठी' खबर!

रुपये में रिकॉर्ड गिरावट, इन 4 सेक्टर्स को होगा असली फायदा

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। उद्योग के अधिकारियों की मानें तो डॉलर के मुकाबले रुपए का रिकॉर्ड निचले स्तर 93.86 पर गिरना एक्सपोर्टर्स को थोड़ा-बहुत फायदा पहुंचा सकता है, लेकिन बढ़ती इनपुट कॉस्ट से यह फायदा बेअसर होने की संभावना है।

इस गिरावट से कपड़ा, चमड़ा, कृषि उत्पाद, कालीन, हस्तशिल्प और कुछ इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। भारत का लगभग 60 फीसदी माल व्यापार डॉलर में होता है, और इस गिरावट से कपड़ा और चमड़ा जैसे पारंपरिक क्षेत्रों को मदद मिलेगी, जिनकी इंपोर्ट पर निर्भरता कम है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स के महानिदेशक अजय सहाय ने ईटी की रिपोर्ट में कहा कि रुपये का 93.86 का स्तर भारतीय निर्यात को बेहतर कीमत दिलाने में मदद करके थोड़ा प्रतिस्पर्धी फायदा देता है, खासकर कपड़ा, चमड़ा, कृषि उत्पाद, कालीन, हस्तशिल्प और कुछ इंजीनियरिंग सामानों जैसे क्षेत्रों में। उन्होंने कहा कि यह कीमत-संवेदनशील बाजारों में मार्जिन या बाजार हिस्सेदारी को सहारा दे सकता है। हालांकि, इस फायदे का कुछ हिस्सा बढ़ती इंपोर्ट कॉस्ट से बेअसर हो जाता है, खासकर उन सेक्टर्स के लिए जो इंपोर्टेड इनपुट पर निर्भर हैं, जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रोलियम, रत्न और आभूषण, और रसायन। साथ ही कच्चे तेल के बढ़ते बिल और महंगाई के दबाव से भी असर पड़ता है।ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने रिपोर्ट में कहा कि इससे थोड़ा-बहुत फायदा हो सकता है, लेकिन कोई बहुत बड़ा फायदा नहीं होगा। हमें उम्मीद है कि मार्च में माल के निर्यात में साल-दर-साल 20 फीसदी की गिरावट आएगी, क्योंकि हमारे निर्यात का 16 फीसदी हिस्सा मिडिल ईस्ट को जाता है, और उस पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि स्क्रैप और एनर्जी की इनपुट कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे भट्टियों को चलाने में दिक्कत आ रही है। उद्योग के अनुमानों के मुताबिक, केवल लगभग 15 फीसदी एक्सपोर्टर्स ही ऐसे हैं जिन्होंने अपनी करेंसी का हेजिंग (जोखिम-सुरक्षा) नहीं किया है, और उन्हें ही रुपए की गिरावट से फायदा मिल सकता है। एक निर्यात संवर्धन एजेंसी के प्रतिनिधि ने कहा कि कुल मिलाकर, यह कम समय के लिए थोड़ा पॉजिटिव है, लेकिन कोई बहुत बड़ा बदलाव लाने वाला नहीं है, क्योंकि निर्यात में बढ़ोतरी के लिए ढांचागत कारक कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं। निर्यातकों ने 'निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट' योजना के तहत दरों में कटौती और वैल्यू कैप से पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव की ओर भी इशारा किया।

शेयर बाजार में लौटी हरियाली

सेंसेक्स 1710 अंक चढ़ा, निफ्टी 23000 के पार

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हरे निशान पर खुला। कारोबार के दौरान 1:33 बजे तक 1710.23 अंक या 2.35% बढ़कर 74,406.62 अंक पर आ गया। वहीं निफ्टी 518.80 अंक या 2.30% बढ़कर 23,031.45 अंक पर आ गया।शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1516 अंक बढ़कर 74,212.47 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 386.95 अंक बढ़कर 22,899.60 अंक पर आ गया। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 20 पैसे गिरकर 93.73 पर आ गया।

क्या है विशेषज्ञों की राय?

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि रिकवरी के बावजूद निवेशकों का भरोसा पूरी तरह नहीं लौटा है। बैंकिंग और बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने कहा कि वैश्विक हालात अभी भी अनिश्चित हैं और बाजार में भारी अस्थिरता देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर आ रही खबरें और फिर उनके खंडन से बाजार तेजी से प्रभावित हो रहा है, जिससे कुछ निवेशक पहले से पोजिशन लेकर मुनाफा कमा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि वैश्विक संकेतक भी मिश्रित हैं। एशियाई बाजारों में शुरुआती बढ़त कम हो गई है, कच्चे तेल की कीमतों में हल्की तेजी है, अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ है, जबकि सोना-चांदी में पिछले 25 दिनों से गिरावट जारी है। वहीं, अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स करीब 0.4% की गिरावट में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी में भी रात की तुलना में बढ़त कम होकर करीब 350 अंकों तक सिमट गई है। इस बीच, सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ढांचे पर प्रस्तावित सैन्य हमलों को पांच दिनों के लिए टालने का ऐलान किया, यह कहते हुए कि गुप्त बातचीत में प्रगति हो रही है। हालांकि, ईरान ने इन दावों को फेक न्यूज बताते हुए किसी भी प्रत्यक्ष बातचीत से इनकार किया है। तनाव में अस्थायी नरमी के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक चिंता का केंद्र बना हुआ है, जिससे बाजार की दिशा पर अनिश्चितता का साया बना रह सकता है।

एशियाई बाजारों में दिखी तेजी

अन्य एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुझान देखा गया। जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.75 प्रतिशत बढ़कर 51920 पर पहुंच गया, सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स सूचकांक 0.13 प्रतिशत बढ़कर 4849 पर पहुंच गया, हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 1.75 प्रतिशत बढ़कर 24797 पर पहुंच गया, ताइवान का भारित सूचकांक 32697 पर स्थिर रहा और दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 2 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 5522 पर पहुंच गया। सोमवार को अमेरिकी बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जोन्स 1.38 प्रतिशत बढ़कर 46208 पर बंद हुआ, एसएंडपी 500 1.15 प्रतिशत बढ़कर 6581 पर और नैस्डैक 1.38 प्रतिशत बढ़कर 21946 पर पहुंच गया।

कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहीं, ब्रेंट क्रूड सोमवार को संक्षेप में 99 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिरने के बाद 104 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। कमोडिटी सेगमेंट में, सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही और 24 कैरेट सोने का भाव 137370 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। चांदी की कीमतों में भी 3 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट आई।

सोना 56 रुपए घटा, 10 ग्राम की कीमत 1.39 लाख

चांदी में 1 हजार रुपए की तेजी, दाम 2 .20 लाख रुपए प्रति किलो पहुंचे

मुंबई,24 मार्च(एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 24 मार्च को मामूली उतार-चढ़ाव है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 56 रुपए गिरकर 1.39 लाख रुपए के करीब है। चांदी में 1093 रुपए की तेजी है। ये 2.20 लाख रुपए प्रति किलो पर है। रिकॉर्ड हाई से 37 हजार रुपए सस्ता हुआ सोना शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 1.33 लाख ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 1.76 लाख (सिर्फ एक महीने में भारी उछाल) मौजूदा स्थितिः अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 37 हजार सस्ता हो चुका है। रिकॉर्ड हाई से 1.66 लाख रुपए सस्ती हुई चांदी शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 2.30 लाख ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 3.86 लाख (ऐतिहासिक बढ़त) गिरावट का आंकड़ाः पिछले 53 दिन में चांदी 1.66 लाख सस्ती हो गई है।

एचडीएफसी बैंक में बड़ा घटनाक्रम

चेयरमैन के इस्तीफे के बाद बाहरी जांच शुरू, गवर्नेंस पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी में शीर्ष स्तर पर हुए घटनाक्रम ने कॉरपोरेट गवर्नेंस को लेकर नई बहस छेड़ दी है। बैंक ने पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे में उठाए गए मुद्दों की जांच के लिए बाहरी लॉ फर्म्स की नियुक्ति की है। बैंक के प्रवक्ता के अनुसार, यह कदम पूरी तरह से प्रोएक्टिव है, जिसका उद्देश्य इस्तीफे में बताए गए पहलुओं की स्वतंत्र, निष्पक्ष और तथ्यों पर आधारित समीक्षा करना है। प्रवक्ता ने कहा कि बैंक दशकों से अपनाए गए उच्चतम गवर्नेंस मानकों के अनुरूप खुद को लगातार परखता रहा है और यह पहल उसी दिशा में उठाया गया कदम है।

अचानक इस्तीफे से उठे सवाल

गौरतलब है कि अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च से प्रभावी अपना पद अचानक छोड़ दिया था। उन्होंने अपने इस्तीफे में बैंक के भीतर कुछ घटनाओं और प्रथाओं का हवाला दिया, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थीं। 17 मार्च को लिखे अपने पत्र में उन्होंने साफ कहा कि पिछले दो वर्षों में देखी गई कुछ गतिविधियां उनके सिद्धांतों से मेल नहीं खातीं, और यही उनके इस्तीफे का मुख्य कारण है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसके अलावा इस्तीफे के पीछे कोई अन्य महत्वपूर्ण वजह नहीं है।

गवर्नेंस कमेटी को लिखा था पत्र

चक्रवर्ती ने अपना इस्तीफा बैंक की गवर्नेंस, नॉमिनेशन और रेम्यूनरेशन कमेटी के चेयरमैन एच. के. भनवाला को संबोधित किया था।

उनके इस कदम को बैंक के इतिहास में अभूतपूर्व माना जा रहा है, क्योंकि पहली बार कोई पार्ट-टाइम चेयरमैन कार्यकाल के बीच में पद छोड़कर गया है।

चक्रवर्ती का रहा लंबा प्रशासनिक अनुभव

1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएस अधिकारी रहे चक्रवर्ती मई 2021 में बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन बने थे। इससे पहले वह वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के सचिव और निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव रह चुके थे। उनका कार्यकाल 2024 में बढ़ाकर मई 2027 तक किया गया था।

उनके कार्यकाल में ही एचडीएफसी लिमिटेड और एजडीएफसी बैंक के बीच ऐतिहासिक विलय पूरा हुआ, जो 1 जुलाई 2023 से प्रभावी हुआ। इस विलय के बाद बैंक का संयुक्त बैलेंस शीट आकार 18 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जिससे यह देश के सबसे बड़े वित्तीय संस्थानों में शामिल हो गया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मीन	मे	मीन....	05-48 बजे
चंद्र	मिथुन	मे	मेष.....	07-24 बजे
मंगल	कुंभ	मे	वृष.....	09-08 बजे
बुध	कुंभ	मे	मिथुन..	11-09 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क...	13-21 बजे
शुक्र	मीन	मे	सिंह---	15-33 बजे
शनि	मीन	मे	कन्या--	17-40 बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला----	19-45 बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक..	21-55 बजे
			धनु.....	00-08 बजे
			मकर...	02-15 बजे
			कुंभ....	04-05 बजे

श्री रौद्र श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-20
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -24
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष बुधवार 25 March 2026
तिथि - सप्तमी 13-49 तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - मृगशिरा 17-32 तक उप पुनर्वसु
योग - सौभाग्य 03-08 रात्रि तक उप शोभन
करण - वणिज 13-49 तक उप विष्टी(भद्रा)
नवपद ओली नवरात्रि सर्वार्थ सिद्धि योग
भद्राकाल 13-50 से, शुक्र मेष मे रात्रि से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-22 से 13-53 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06-20 - 07-49	शुभ	उत्पात	18-24 - 19-56	अशुभ
अमृत	07-49 - 09-20	शुभ	शुभ	19-56 - 21-24	शुभ
काल	09-20 - 10-51	अशुभ	अमृत	21-24 - 22-53	शुभ
शुभ	10-51 - 12-22	शुभ	चंचल	22-53 - 00-22	शुभ
रोग	12-22 - 13-53	अशुभ	रोग	00-22 - 01-51	अशुभ
उत्पात	13-53 - 15-25	अशुभ	काल	01-51 - 03-19	अशुभ
चंचल	15-25 - 16-56	शुभ	लाभ	03-19 - 04-48	शुभ
लाभ	16-56 - 18-24	शुभ	उत्पात	04-48 - 06-25	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें । वे कभी नही मानेंगे । आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं । स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे । ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है |आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे । इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप बदली हुई भूमिका में हैं ,आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं,अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं । अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं । एक चालीस वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज के दिन आपसे बहुत सारी अपेक्षाएं रहेंगी । आप अपने वर्त्तमान घर या नौकरी में बदलाव का फैसला ले सकते हैं । कशमकश में न रहें , बदलाव होना अच्छा ही रहेगा ।आपको किसी ऐसे आदमी से बात करके अप्रत्याशित सहायता मिल सकती है जो चुपचाप आपकी भलाई चाहता रहा है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी । हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें । आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा । बाद में आप अच्छा और आत्मविश्वास से भरा अनुभव करेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मोटापा घटाने की दवाओं की बढ़ रही डिमांड, 5 साल में 12 हजार करोड़ पार करेगा बाजार!

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारत में मोटापा और डायबिटीज के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली जीएलपी-1 दवाओं का बाजार भी तेजी से फैल रहा है। आने वाले पांच सालों में यह बाजार करीब 12,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसकी सबसे बड़ी वजह है दवाओं की कीमत में भारी गिरावट और ज्यादा कंपनियों का इस क्षेत्र में उतरना है।

पहले इस सेगमेंट में नोवो नॉर्डिस्क की दवाएं जैसे ओज़ेम्पिक और वेगोवी का दबदबा था। इन दवाओं में इस्तेमाल होने वाला मॉलिक्यूल सेमाग्लूटाइड अब पेटेंट से बाहर आ चुका है। इसका मतलब है कि दूसरी कंपनियां भी अब इसकी जेनेरिक (सस्ती) दवाएं बना सकती हैं। यही वजह है कि बाजार में अचानक कई नए विकल्प आ गए हैं।

कीमतों में भारी गिरावट, इलाज हुआ आसान

पहले जहां इन दवाओं की कीमत 8,000 से 16,000 रुपये महीने तक होती थी, वहीं अब जेनेरिक दवाएं 1,300 से 5,000 रुपये में मिलने लगी हैं। यानी इलाज अब आम लोगों की पहुंच में आ रहा है। कुछ मामलों में तो हफ्ते भर का खर्च सिर्फ 300-400 रुपये तक आ गया है। यही कारण है कि डॉक्टर भी अब इन दवाओं को ज्यादा मरीजों को सुझा पा रहे हैं।

बड़ा मरीज बेस

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में करीब 10 करोड़ लोग डायबिटीज से और 25 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे हैं। लेकिन अभी तक जीएलपी-1 दवाओं की पहुंच बहुत कम है। डायबिटीज में करीब 5% और मोटापे में सिर्फ 4%। जैसे-जैसे कीमतें कम होंगी, यह पहुंच तेजी से बढ़ सकती है और यही इस सेक्टर की सबसे बड़ी ग्रोथ स्टोरी है।

कंपनियों के बीच कड़ी टक्कर

कई बड़ी दवा कंपनियां जैसे एल्केम लैबोरेटरीज, सन फार्मा, ज़ाइडस लाइफसाइंसेज और डॉ। रेड्डीज इस रेस में शामिल हैं। कुछ कंपनियां सस्ते पेन डिवाइस ला रही हैं, तो कुछ री-यूजेबल पेन पर फोकस कर रही हैं। उदाहरण के तौर पर, एल्केम ने काफी कम कीमत पर शुरुआती डोज लॉन्च की है, जबकि ज़ाइडस ने ऐसा पेन पेश किया है जिसमें डोज को जरूरत के हिसाब से एडजस्ट किया जा सकता है। इससे मरीजों को सुविधा और खर्च दोनों में फायदा होता है। ये दवाएं पेन, वायल (शीशी) और टैबलेट जैसे अलग-अलग रूपों में आ रही हैं। हालांकि, डॉक्टर और मरीज पेन को ज्यादा पसंद कर रहे हैं क्योंकि इसे इस्तेमाल करना आसान है। वायल सस्ती जरूर है, लेकिन उसका इस्तेमाल थोड़ा जटिल होता है, इसलिए उसकी हिस्सेदारी कम रहने की उम्मीद है।

निवेशकों के लिए बड़ा मौका

विश्लेषकों का मानना है कि यह सिर्फ दवाओं का बिजनेस नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि का बड़ा अवसर है।

जो कंपनियां जल्दी बाजार में उतरी हैं और जिनकी सप्लाई चेन मजबूत है, उन्हें ज्यादा फायदा मिल सकता है।

खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में इसकी मांग तेजी से बढ़ सकती है, जहां पहले महंगी दवाएं पहुंच ही नहीं पाती थीं। आने वाले समय में कीमतें और गिर सकती हैं और मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है। कंपनियां नए-नए डिवाइस, बेहतर डोज और आसान इलाज के विकल्प ला रही हैं। कुल मिलाकर, मोटापा और डायबिटीज के इलाज में यह एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है।

पश्चिम एशिया तनाव की आंच अमेजन तक पहुंची

बहरीन में असर; कंपनी बोली- ड्रोन से चिंता

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब टेक्नोलॉजी सेक्टर पर भी दिखने लगा है। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने कहा है कि उसके अमेजन वेब सर्विसेज का बहरीन रीजन मौजूदा हालात के बीच बाधित हो गया है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यह व्यवधान इलाके में ड्रोन गतिविधियों के कारण हुआ है। यह जानकारी रॉयटर्स की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में दी गई।

कंपनी ने क्या बताया?

हालांकि, कंपनी ने नुकसान की सीमा या सेवाएं पूरी तरह बहाल होने में लगने वाले समय को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि हालात लगातार बदल रहे हैं और प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रहे यूजर्स को अन्य लोकेशंस में शिफ्ट होते रहने की सलाह दी गई है। एडब्ल्यूएस, अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग यूनिट है, जो कई बड़ी वेबसाइट्स और सरकारी सेवाओं के संचालन के लिए बेहद अहम है। कंपनी के मुनाफे का बड़ा हिस्सा भी इसी से आता है।गौरतलब है कि अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष की शुरुआत के बाद यह दूसरी बार है जब बहरीन स्थित एडब्ल्यूएस रीजन ड्रोन हमले से प्रभावित हुआ है। इससे पहले इसी महीने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में एडब्ल्यूएस की सुविधाएं पावर आउटेज के कारण प्रभावित हुई थीं, जिन्हें बहाल करने की प्रक्रिया जारी थी। इन हमलों के दौरान आग लगने और इमरजेंसी सप्रेशन सिस्टम सक्रिय होने से पानी से भी नुकसान हुआ, जिसके चलते सेवाएं अस्थिर हुईं और कई जगह अस्थायी आउटेज देखने को मिला था। अमेजन ने उस समय चेतावनी दी थी कि भौतिक नुकसान के कारण सेवाओं को पूरी तरह बहाल करने में समय लग सकता है और ग्राहकों को डेटा बैकअप लेने व वर्कलोड अन्य रीजन में शिफ्ट करने की सलाह दी गई थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिम एशिया में संघर्ष तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर हमलों के बाद, तेहरान ने जवाबी कार्रवाई में ड्रोन और मिसाइल हमले तेज कर दिए हैं, जिनका निशाना अमेरिकी ठिकानों और सहयोगी देशों जैसे यूएई, सऊदी अरब और बहरीन को बनाया जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे बड़ी चिंता यह है कि अब टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर भी सीधे निशाने पर आ रहा है।

एडब्ल्यूएस, जो दुनिया का सबसे बड़ा क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर है, लाखों एप्लिकेशन होस्ट करता है और कंपनियों व सरकारों का अहम डेटा संभालता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे डेटा सेंटर अब रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण हो चुके हैं, इसलिए वे संभावित हमलों के लिए ज्यादा संवेदनशील भी बन गए हैं। इसका असर केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कई उद्योगों और डिजिटल सेवाओं पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

अब स्विगी से खाना मंगवाना हुआ महंगा

हर ऑर्डर पर चुकाने होंगे ज्यादा पैसे

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। स्विगी से खाना मंगवाते हैं तो अब आप लोगों को जोरदार झटका लगने वाला है, कंपनी ने अब प्लेटफॉर्म फीस को बढ़ाने का फैसला लिया है। कंपनी के इस फैसले से अब आप लोगों को हर ऑर्डर पर ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे, याद दिला दें कि हाल ही में ज़ोमैटो ने भी प्लेटफॉर्म फीस को बढ़ाया है। चलिए आपको बताते हैं कि पहले आप स्विगी से ऑर्डर पर कितनी प्लेटफॉर्म फीस दे रहे थे और अब आप एक ऑर्डर पर कितनी फीस देंगे।

स्विगी अब आप लोगों से 14.99 रुपए के बजाय हर ऑर्डर पर 17.58 रुपए की प्लेटफॉर्म फीस चार्ज करेगी, इसका मतलब ये हुआ है कि कंपनी ने प्लेटफॉर्म फीस में 17 फीसदी की बढ़ोतरी की है। स्विगनी ने यूजर्स को बताया है कि फीस बढ़ाने से कंपनी को स्विगी प्लेटफॉर्म को ऑपरेट और मेंटेन करने में मदद मिलेगी। स्विगी ने पिछली बार सितंबर में प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी की थी। सितंबर 2025 में प्लेटफॉर्म फीस को 20 फीसदी बढ़ाकर 14.99 कर दिया गया था।महंगाई के जोखिम और राज्य चुनावों से मार्जिन पर दबाव के बावजूद मैनेजमेंट गाइडेंस पूरा करने पर फोकस कर रही है। कुल मिलाकर बात इतनी सी है कि कंपनी ने प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाकर लोगों की जेब पर बोझ को बढ़ा दिया है क्योंकि अब आप लोगों को केवल एक ऑर्डर पर नहीं बल्कि स्विगी से आप जितनी बार भी फूड ऑर्डर करेंगे आपको हर बार बढ़ी हुई फीस चुकानी होगी।

सांसद हनुमान बेनीवाल का 'किसान कर्जमाफी' पर सवाल, सरकार का 'झटकेदार' जवाब

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के लाखों किसानों के लिए दिल्ली से एक बड़ी और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। केंद्र सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि देश भर के किसानों पर कमर्शियल, क्षेत्रीय ग्रामीण और सहकारी बैंकों का कुल 32.65 लाख करोड़ रुपए का कर्ज बकाया है। इस कर्ज के जाल में राजस्थान के किसान भी बुरी तरह फंसे हुए हैं, जिसके चलते प्रदेश को देश के सर्वाधिक कर्जदार 'टॉप 10' राज्यों की श्रेणी में रखा गया है।

सबसे बड़ा झटका तब लगा जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट कर दिया कि केंद्र सरकार के पास फिलहाल किसान कर्ज माफी की कोई योजना विचाराधीन नहीं है।

हनुमान बेनीवाल का सवाल, केंद्र का जवाब

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा में किसानों की बदहाली और कर्ज के बोझ को लेकर तीखे सवाल पूछे थे। उन्होंने सरकार से पूछा था कि क्या सरकार किसानों को इस कर्ज के दलदल से

निकालने के लिए किसी राष्ट्रव्यापी कर्ज माफी योजना पर विचार कर रही है?

वित्त मंत्री ने लिखित उत्तर में बताया कि किसानों की पूर्ण कर्ज माफी के लिए योजना तैयार करने संबंधी कोई प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास नहीं है। सरकार का पूरा ध्यान कर्ज माफी के बजाय किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें नई तकनीकों से जोड़ने पर है।

राजस्थान में खेती मुख्य रूप से मानसून पर आधारित है। पिछले कुछ वर्षों में बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और टिड्डियों के हमले ने किसानों की कमर तोड़ दी है।

कर्ज का जालः राजस्थान उन राज्यों में शामिल है जहाँ किसानों ने अपनी खेती की जरूरतों के लिए बैंकों से सबसे ज्यादा कर्ज लिया है।

ब्याज का बोझः समय पर फसल का उचित दाम न मिलने और प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसान केवल ब्याज चुकाने में ही अपनी कमाई खर्च कर रहे हैं, जिससे मूलधन जस का तस बना हुआ है।

केंद्र सरकार का पक्षः आय बढ़ाना ही समाधान

सरकार ने कर्ज माफी से इनकार करते हुए उन कदमों का जिक्र किया जो किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए उठाए गए हैं:

केसीसी की सीमा में विस्तारः कम अवधि के कर्ज की सीमा को 1.60 लाख रुपए से बढ़ाकर अब 2 लाख रुपए कर दिया गया है।

रियायती ब्याज दरः किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 3 लाख रुपए तक का फसल ऋण बेहद कम ब्याज दर पर दिया जा रहा है।

डायरेक्ट कैश ट्रांसफरः प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के जरिए सीधे किसानों के बैंक खातों में आर्थिक सहायता भेजी जा रही है।

फसल बीमाः प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जरिए नुकसान की भरपाई की कोशिश की जा रही है।

राजस्थान की राजनीति में फिर गरमाएगा मुद्दा

राजस्थान में कर्ज माफी हमेशा से एक बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है। हनुमान बेनीवाल द्वारा संसद में उठाए गए इस सवाल और केंद्र के जवाब के बाद अब प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू होना तय है। किसान संगठनों का तर्क है कि जब तक पुराना कर्ज साफ नहीं होता, तब तक नई तकनीकों और सहायता का लाभ किसानों तक नहीं पहुँच पाएगा।

तरुशी राय बनीं मिस इंडिया राजस्थान

अब राष्ट्रीय स्तर पर करेंगी राजस्थान का प्रतिनिधित्व, मिस वर्ल्ड की दौड़ में हुईं शामिल

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। मिस राजस्थान-2022 की विजेता तरुशी राय ने बड़ी सफलता हासिल की है। तरुशी ने फेमिना मिस इंडिया राजस्थान-2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ अब वह राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी और मिस वर्ल्ड की दौड़ में शामिल होंगीं।

मिस राजस्थान के आयोजक और तरुशी राय के मेंटर योगेश मिश्रा और निमिषा मिश्रा ने बताया कि फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता का यह 61वां वर्ष है। राजस्थान से चयनित होकर तरुशी राय ने इस उपलब्धि के साथ एक नई मिसाल कायम की है। उन्होंने बताया कि फेमिना मिस इंडिया की विजेता अंतरराष्ट्रीय मंच मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करती है।

योगेश मिश्रा और निमिषा मिश्रा ने बताया कि पिछले साल भी मिस राजस्थान-2023 की विजेता वैष्णवी शर्मा ने फेमिना मिस इंडिया राजस्थान का खिताब जीता था। इस साल मिस राजस्थान संगठन ने लगातार दूसरी बार यह खिताब अपने नाम किया है।

उन्होंने बताया कि 24 साल की तरुशी राय एक मॉडल होने के साथ-साथ इलेक्ट्रिकल एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग के क्षेत्र से भी जुड़ी हुई हैं।

लगातार दूसरी बार मिस राजस्थान विजेता का फेमिना मिस इंडिया राजस्थान के लिए चयन होना संगठन के लिए गर्व की बात है।

तरुशी राय ने बताया कि मिस इंडिया का ताज जीतना उनके जीवन का एक बड़ा सपना रहा है और इसके लिए वह लंबे समय से मेहनत कर रहीं हैं। उनका लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का नाम रोशन करना है।

तरुशी राय जयपुर के वैशाली नगर क्षेत्र की निवासी हैं। उनके पिता प्रहलाद राय लोक निर्माण विभाग में कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता ममता राय पेशे से मेकअप आर्टिस्ट हैं।

मिस इंडिया राजस्थान-2026 बनने के बाद तरुशी राय अब राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी।

एसी बनाने वाली कंपनी के गोदाम में लगी आग, करोड़ों का सामान खाक

फायर ब्रिगेड के छूटे पसीने

कोटपूतली-बहरोड़, 24 मार्च (एजेंसियां)। कोटपुतली-बहरोड़ जिले के रीको घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक ट्रांस कंपनी के विशाल गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में करीब 50 हजार वर्ग फीट में फैला पूरा गोदाम धू-धू कर जलने लगा। देखते ही देखते वहां रखा करोड़ों रुपये का सामान आग की चपेट में आ गया और पूरा इलाका धुएं के घने गुबार से भर उठा। दूर-दूर तक उठती लपटें और आसमान में छाया काला धुआं इस भीषण हादसे की भयावहता को बयां कर रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोदाम में करीब 5 करोड़ रुपये का माल रखा हुआ था, जो आग में पूरी तरह जलकर राख हो गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक इस अग्निकांड में कुल नुकसान लगभग 10 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि गोदाम में वाहनों से संबंधित पार्ट्स के निर्माण और भंडारण का काम किया जाता था। ऐसे में आग लगने के बाद बड़ी मात्रा में रखा ज्वलनशील सामान तेजी से सुलग उठा, जिससे हालात और अधिक गंभीर हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही रीको घिलोठ की फायर ब्रिगेड तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन आग की विकरालता के सामने शुरुआती प्रयास नाकाफी साबित हुए। इसके बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नीमराणा और बहरोड़ से अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए। कई घंटों की कड़ी मशक्कत, लगातार पानी की बौछार और संयुक्त प्रयासों के बाद आखिरकार आग पर काबू पाया जा सका। दमकलकर्मियों की तत्परता और समन्वय के चलते आग को आसपास की अन्य इकाइयों तक फैलने से रोका गया, वरना नुकसान और भी व्यापक हो सकता था।

ड्रग तस्करों की काली कमाई पर पुलिस का एक्शन

आलीशान कोठी समेत करोड़ों की संपत्ति फ्रीज

प्रतापगढ़, 24 मार्च (एजेंसियां)। अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रतापगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तस्करी से काली कमाई के आरोप में करोड़ों रुपए की अवैध संपत्ति को फ्रीज किया है। एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 एफ 1 के तहत यह कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तस्करी से अर्जित संपत्ति पर शिकंजा कसा है

जिला पुलिस अधीक्षक बी आदित्य ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस, उदयपुर रेंज की ओर से संचालित ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर उन्हें फ्रीज करने की प्रक्रिया लगातार जारी है। इसी क्रम में थाना हथुनिया पुलिस ने आरोपी शाहरूख खां और दिलावर खां की अवैध संपत्ति को फ्रीज किया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन से अपने गांव में एक आलीशान मकान और एक लग्जरी जीप खरीदी थी। इन संपत्तियों की कुल अनुमानित बाजार कीमत करीब एक करोड़ 12 लाख रुपए आंकी गई है। इस संबंध में कार्रवाई के तहत फ्रीजिंग आदेश तैयार कर 20 मार्च को संबंधित सक्षम प्राधिकारी एवं एडमिनिस्ट्रेटर नई दिल्ली को भेजा गया।

इसके पश्चात 23 मार्च को संपत्ति को विधिवत फ्रीज कर दिया गया। थाना हथुनिया पुलिस द्वारा मौके पर फ्रीजिग बोर्ड भी लगाए गए है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों, उन्हें संरक्षण देने वालों तथा इस अवैध कारोबार में शामिल अपराधियों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

हथुनिया थाना प्रभारी उदयसिंह ने बताया कि 30 दिसंबर 2025 को थाना धौलापानी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शाहरूख खां और दिलावर खां को एक किलो 203 ग्राम एमडी मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया था। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8 22 के तहत प्रकरण दर्ज कर दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था।

आगे की जांच में पुलिस को आरोपियों द्वारा अवैध तस्करी से संपत्ति अर्जित करने की गोपनीय सूचना मिली। इसके बाद विशेष टीम का गठन कर वित्तीय जांच की गई। जिसमें चल एवं अचल संपत्तियों की पहचान की गई। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार संपत्ति को फ्रीज करने की कार्रवाई की।

जगतपुरा में लिफ्ट गिरने से हादसा

एक ही परिवार के 8 लोग घायल, एक का पैर टूटा

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर के जगतपुरा क्षेत्र स्थित एक आवासीय सोसायटी में लिफ्ट गिरने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में एक ही परिवार के 8 लोग घायल हो गए, जिनमें एक व्यक्ति का पैर टूट गया।पुलिस के अनुसार, एल-ब्लॉक की आठवीं मंजिल पर रहने वाले मिथलेश मीना (43) 23 अक्टूबर 2025 की रात करीब 9:30 बजे अपने परिवार के साथ भोजन के लिए बाहर जाने हेतु लिफ्ट में सवार हुए थे। लिफ्ट में कुल 8 लोग (5 वयस्क और 3 बच्चे) मौजूद थे।

जैसे ही लिफ्ट दूसरी मंजिल तक पहुंची, वह अचानक अटक गई। अंदर फंसे लोगों ने आपातकालीन बटन दबाया, जिसके बाद रखरखाव कर्मी मौके पर पहुंचे। लेकिन कुछ ही देर बाद लिफ्ट अचानक टूटकर दूसरी मंजिल से सीधे नीचे तलघर में जा गिरी।

लिफ्ट गिरते ही अंदर मौजूद लोग घबरा गए और चीख-पुकार मच गई। बाद में किसी तरह सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस हादसे में मिथलेश मीना का पैर टूट गया, जबकि अन्य सदस्यों को हल्की चोटें आईं। घायल को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि सोसायटी में लिफ्ट के रखरखाव को लेकर पहले भी कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। चार महीने तक उपचार के बाद मिथलेश मीना ने रामनगरिया थाने में सोसायटी पदाधिकारियों के खिलाफ लापरवाही की शिकायत दर्ज करवाई।

शिकायत में सोसायटी के अध्यक्ष अजय मीना, सचिव अंकुर अग्रवाल और कोषाध्यक्ष कुंती देवी पर लिफ्ट के रखरखाव में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'म्हारी छोरियां कम नहीं'- बोर्ड परीक्षा में लड़कियों ने एक बार फिर लड़कों को छोड़ा पीछे

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मंगलवार दोपहर 1 बजे 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने अजमेर स्थित बोर्ड कार्यालय से परिणाम की घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही राज्य के 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों का इंतजार खत्म हो गया। आपको बता दें, इस बार भी छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लड़कों को पीछे छोड़ दिया है। कुल परिणाम 94.23 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष के मुकाबले बेहतर है।

इस साल 10वीं परीक्षा के लिए कुल 10,66,561 विद्यार्थियों ने

पंजीकरण कराया था। इनमें से 10,49,068 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए। फरवरी महीने में आयोजित इन परीक्षाओं का परिणाम अपेक्षाकृत जल्दी जारी किया गया, जिससे छात्रों और अभिभावकों में उत्साह देखा गया। आमतौर पर रिजल्ट अप्रैल महींने तक आता है। इस बार परिणाम में भी सुधार देखने को मिला है, जो शिक्षा व्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। ये लड़कियों की शिक्षा बढ़ोत्तरी को दर्शाता है।

आरबीएसई के जारी आंकड़ों के अनुसार छात्राओं का पास प्रतिशत 94.90 रहा, जबकि छात्रों का परिणाम 93.63 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस तरह लड़कियों ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन कर अपनी बढ़त कायम रखी है। पिछले साल भी छात्राओं ने ही बाजी मारी थी और इस बार भी वही ट्रेंड जारी रहा। यह लगातार बढ़ती शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा और छात्राओं की मेहनत को दर्शाता है।

बीकानेर में अफवाहों ने मचाया हड़कंप

पेट्रोल-डीजल खत्म होने की खबर से शहर में फ्यूल पैनिक

बीकानेर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर शहर में पेट्रोल पंपों पर अचानक भारी भीड़ उमड़ गई, जिससे पूरे शहर में हड़कंप मच गया। लोगों में अफवाह फैल गई कि पेट्रोल-डीजल खत्म हो गया है और हड़ताल शुरू हो गई है। इसके चलते पंपों पर लंबी कतारें लग गईं, अफरा-तफरी मच गई और लोग जल्दबाजी में अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल कराने लगे। दरअसल, देर शाम कुछ पेट्रोल पंप अस्थायी रूप से बंद हो गए थे, जिससे अफवाहों को हवा मिली। सोशल मीडिया और आपसी बातचीत के जरिए यह खबर फैलते ही लोग बिना पुष्टि किए पंपों की ओर दौड़ पड़े। कई जगह हालात ऐसे बन गए जैसे ईंधन की भारी किल्लत हो गई हो। बीकानेर पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के सचिव अनिल शर्मा ने स्पष्ट किया कि शहर में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है और न ही किसी तरह की हड़ताल चल रही है। उन्होंने बताया कि कुछ पंप एडवांस भुगतान न होने के कारण अस्थायी रूप से बंद हुए थे, जिससे उनका स्टॉक खत्म हो गया था। हालांकि, रात तक सप्लाई पहुंच गई और मंगलवार सुबह से सभी पंप सामान्य रूप से चालू हैं। बीकानेर के जिला रसद अधिकारी नरेश शर्मा ने भी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि शहर में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और बेवजह घबराहट में आकर भीड़ न बढ़ाएं।

चैन स्नेचर से भिड़ीं 75 साल की बुजुर्ग महिला

उदयपुर में चैत्र नवरात्र पर साहस का दृश्य चौंकाने वाला

उदयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। एक बार फिर इसकी बानगी देखने को मिली है। यहां शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में सुबह दिनदहाड़े एक बुजुर्ग महिला के साथ चेन स्नैचिंग की घटना घटी है। हालांकि चैत्र नवरात्र के दिन आए इस घटना के दौरान बुजुर्ग महिला का साहस भी देखने योग्य था। वहीं यहां सेलिब्रेशन मॉल के ठीक सामने हुई इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और राहगीरों की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लेकिन बड़ी बात यह है कि इस घटना के दौरान यहां महिला ने जो हिम्मत दिखाई, उसकी हर तरफ तारीफ हो रही है।

जानकारी के अनुसार, 75 साल की बुजुर्ग महिला रूप कुंवर बुधवार सुबह करीब 8:30 बजे भुवाणा स्थित शांतिनाथ जैन मंदिर में दर्शन कर पैदल अपने घर लौट रही थीं। जब वह अपने घर से मात्र 100 मीटर की दूरी पर थीं, तभी पहले से पीछा कर रहे बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें अपना निशाना बनाया।

घटना के सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि एक बदमाश ने पीछे से आकर महिला के गले पर झपट्टा मारा। 75 वर्ष की आयु होने के बावजूद रूप कुंवर ने अदम्य साहस दिखाया। इस दौरान उन्होंने लुटेरे को पकड़ने की कोशिश की। खुद को घिरता देख बदमाश ने उन्हें जोर से धक्का दे दिया, जिससे वह अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर पर जा गिरीं। इस हमले के बाद आरोपी चेन तोड़कर कुछ दूर पैदल भागा और फिर अपने साथी के साथ बाइक पर सवार होकर रफूचक्कर हो गया।

हैरानी की बात यह रही कि जिस समय यह वारदात हुई, सड़क पर कई वाहन चालक और राहगीर मौजूद थे। बुजुर्ग महिला को लुटेरे से भिड़ते देख भी कोई मदद के लिए आगे नहीं आया। पास के एक दुकानदार देवीलाल डांगी ने दिलेरी दिखाते हुए आरोपियों का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्यवश भागते समय वह खुद सड़क पर गिर गए और बदमाश भागने में सफल रहे।

गृह प्रवेश के कुछ घंटे बाद फ्लैट में लगी आग

सामान जलकर हुआ खाक

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर के रामनगरिया थाना इलाके में एक फ्लैट में आग लगने से बड़ा नुकसान हो गया। खास बात यह रही कि फ्लैट मालिक ने इसी दिन गृह प्रवेश किया था और कुछ ही घंटों बाद आग लगने से घर में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। यह घटना रामनगरिया थाने के पास स्थित भव्य ग्रीन अपार्टमेंट के 11 मंजिला टावर की नौवीं मंजिल पर हुई। यहां रहने वाले व्यापारी दीपक माहेश्वरी ने हाल ही में यह फ्लैट खरीदा था। वे पहले इसी फ्लैट में किराए पर रहते थे और अब गृह प्रवेश के बाद स्थायी रूप से रहने की तैयारी कर रहे थे।

15282 करोड़ रुपये में बिक गई आईपीएल की पहली चैंपियन राजस्थान रॉयल्स, खरीदने वाले काल सोमानी कौन हैं?

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारत में जन्मे अमेरिका के बिजनेसमैन काल सोमानी की लीडरशिप वाले ग्रुप ने राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी खरीदने की बोली जीत ली है। पता चला है कि कंसोर्टियम ने आईपीएल की पहली चैंपियन टीम पर 1.63 बिलियन डॉलर यानी 15282 करोड़ रुपये की बोली लगाई है। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स की टीम रियान पराग की कप्तानी में मैदान पर उतरने वाली है। 28 मार्च से लीग की शुरुआत होगी।

काल सोमानी के इस ग्रुप का हिस्सा अमेरिकी बिजनेसमैन रॉब वाल्टन और हैम्प परिवार भी है। रॉब वाल्टन वॉलमार्ट के फाउंडर सैम वाल्टन के सबसे बड़े बेटे हैं और दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक हैं। रॉब वाल्टन की नेटवर्थ 146 बिलियन डॉलर है। काल सोमानी पहले से ही

राजस्थान रॉयल्स में इन्वेस्टर थे। 2021 में उन्होंने फ्रेंचाइजी में एंट्री मारी थी। सोमानी ने तब कहा था- हमें इस निवेश में बहुत बड़ी संभावना दिख रही है और हम आईपीएल के भविष्य को लेकर उत्साहित हैं। काल सोमामी अमेरिका के एरिजोना राज्य के स्कॉट्सडेल में रहते हैं। उनका जन्म भारत में हुआ था। 16 साल की उम्र में उनके सिर से पिता का साया उठ गया था। 1998 में वह भारत से अमेरिका शिफ्ट हो गए।

काल समानी ने पिछले 15 साल एड-टेक, डेटा प्राइवेसी, एआई गवर्नेंस और स्पोर्ट्स टेक पर फोकस करने वाले वेंचर्स को शुरू करने और लीड करने में बिताए हैं। वह ग्लोबल टेक सर्विसेज फर्म इंट्राएज, प्राइवेसी कंप्लायंस प्लेटफॉर्म ट्रूयो, एआई गवर्नेंस फर्म ट्रूयो डॉट एआई और एड-टेक सर्विसेज प्रोवाइडर एकेडेमियन के फाउंडर हैं। इसके साथ ही वह मोटर सिटी गोल्फ क्लब के को-ओनर भी हैं और वह टीएमआरडब्लूयू स्पोर्ट्स और टीजीएल गोल्फ लीग में शुरुआती इन्वेस्टर हैं।

शेन वॉर्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2008 का खिताब जीता था। लेकिन उसके बाद टीम का प्रदर्शन नीचे जाने लगा। उसके बाद से टीम सिर्फ एक बार 2022 में फाइनल में पहुंची है।

बहुचर्चित अजयराज सिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपी भैरु झूपड़ा गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़, 24 मार्च (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में गत वर्ष एक जून को हुए बहुचर्चित अजयराज सिंह हत्याकांड के मुख्य आरोपी भैरु झूपड़ा को भीलवाड़ा जिले के हमीरगढ़ थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। भीलवाड़ा जिले के हमीरगढ़ थाना पुलिस ने एक प्रकरण में भैरु झूपड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली थानाधिकारी तुलसीराम प्रजापति ने बताया कि अजयराजसिंह हत्याकांड में भैरु गुर्जर की गिरफ्तारी शेष है। जल्द ही कोतवाली थाना पुलिस भीलवाड़ा से प्रोडक्शन वारंट पर उसे गिरफ्तार कर चित्तौडगढ़ लाएगी।

बेंगलुरु से चोरी 8 लाख की एसयूवी कार राजस्थान में बरामद- चोर भी अरेस्ट

बाड़मेर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले का एक युवक बेंगलुरु में हाई-टेक वाहन चोरी की वारदात को अंजाम देकर पुलिस के हत्थे चढ़ा है। उत्तर बेंगलुरु के बागलूर इलाके से चोरी हुई एक SUV कार को बेंगलुरु पुलिस ने बाड़मेर के खाराड गांव के पास नेशनल हाईवे-68 से बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान मूल के 24 वर्षीय आरोपी हरिभजन को गिरफ्तार किया है, जो एक शातिर वाहन चोर गिरोह का हिस्सा बताया जा रहा है।

वारदात की शुरुआत 26 फरवरी को बेंगलुरु में हुई थी। वाहन मालिक बालाजी ने अपनी पत्नी के नाम पर वर्ष 2020 में यह एसयूवी खरीदी थी। उन्होंने घर के पास खाली भूखंड पर गाड़ी पार्क की थी, जो अगली सुबह गायब मिली।

आरोपी हरिभजन ने कबूल किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर कार की खिड़की और विंडशील्ड का कांच तोड़ा। इसके बाद हाई-टेक तरीके से वायर कनेक्ट कर गाड़ी को डायरेक्ट स्टार्ट किया और बेंगलुरु से सीधे राजस्थान की ओर निकल गया।

सांसद वामशी कृष्णा ने केंद्र सरकार पर लगाया अन्याय का आरोप

नई दिल्ली, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वामशी कृष्णा ने संसद में वित्त विधेयक पर बोलते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य केंद्र को भारी कर योगदान देता है, लेकिन उसे वापसी में बहुत कम मिलता है। सांसद गड्डम वामशी कृष्णा ने कहा कि हम केंद्र को बड़ी राशि कर के रूप में देते हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश हर एक रुपये के योगदान पर राज्य को केवल 30 पैसे ही मिलते हैं। अपने निर्वाचन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्होंने एनटीपीसी, आरएफसीएल और सिंगरेणी की बड़ी कर योगदान को उजागर किया। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये का योगदान होता है, लेकिन केंद्र से केवल 100 से 150 करोड़ रुपये मिलते हैं, जो नगण्य हैं। उन्होंने कई लंबित मांगों का जिक्र किया, जिनमें कृषि विश्वविद्यालय, खनन विश्वविद्यालय, सिंगरेणी मजदूरों के लिए ईएसआई अस्पताल शामिल हैं, लेकिन केंद्र ने एक भी परियोजना के लिए निधि नहीं दी। उन्होंने सिंगरेणी मजदूरों की पेंशन 10,000 रुपये मासिक बढ़ाने की बार-बार की गई मांगों पर भी ध्यान आकर्षित किया और कहा कि केंद्र निगमों और विदेशी कंपनियों के प्रति उदार है, लेकिन गरीबों की अनदेखी करता है। वामशी ने अर्धचालक परियोजना के आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित किए जाने का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि पेद्दापल्ली में 100 करोड़ रुपये की अर्धचालक सुविधा चाहिए थी, लेकिन अंतिम समय में अन्यायपूर्वक यह आंध्र प्रदेश चली गई। सांसद ने पर्यटन और सांस्कृतिक परियोजनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि धर्मापुरी के कोटी लिंगला मंदिर, मंथानी रामगिरी किला और पेद्दापल्ली में बौद्ध स्तूप के विकास के लिए निधि मांगी गई थी, लेकिन केंद्र ने एक भी रुपये की राशि नहीं दी।

एमएनआरईजीए योजना का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि योजना के तहत मजदूर को 200 रुपये प्रतिदिन मिलने चाहिए थे, लेकिन पिछले 10 वर्षों में 7 लाख करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद केवल 200 रुपये ही दिए गए। उन्होंने इसे बड़ी घोटाला करार दिया।

अंत में वामशी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अमीरों को लाभ पहुंचाती है और गरीबों की अनदेखी करती है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र जनता के द्वारा, जनता के लिए और जनता का है, लेकिन यह सरकार हमारे देश के लोगों, हमारे गरीबों के खिलाफ फैसले ले रही है।

मलकाजगिरी 'शी टीम्स' का बड़ा एक्शन

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं की सुरक्षा और उत्पीड़न को रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मलकाजगिरी की 'शी टीम्स' ने बड़ी सफलता हासिल की है। 16 फरवरी से 15 मार्च के बीच चलाए गए इस एक महीने के सघन अभियान के दौरान पुलिस ने 33 नाबालिगों सहित कुल 181 लोगों को महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस अवधि में पुलिस को कुल 223 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें डिजिटल माध्यमों से लेकर शारीरिक उत्पीड़न तक के मामले शामिल थे।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, शिकायतों में 57 मामले फोन पर उत्पीड़न, 53 सोशल मीडिया के माध्यम से दुर्व्यवहार और 113 मामले प्रत्यक्ष या शारीरिक छेड़छाड़ से संबंधित थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 8 गंभीर आपराधिक मामले और 57 छोटे मामले दर्ज किए हैं। इसके अलावा, 122 लोगों को सुधार के लिए उचित परामर्श दिया गया। शी टीम्स ने व्यक्तिगत तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेलिंग, कॉलेज छात्राओं का पीछा करने और सड़क पर छेड़छाड़ जैसे संवेदनशील मामलों में भी प्रभावी दखल दिया।

खतरनाक बाइक स्टंट करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सैफाबाद पुलिस ने लुंबिनी पार्क और तेलंगाना सचिवालय के पास सार्वजनिक सड़क पर खतरनाक बाइक स्टंट करके लोगों के लिए आतंक का माहौल बनाने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया। ये युवक स्टंट के वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल करने की कोशिश कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मोहम्मद अक़ील (19), कुरियर बॉय, निवासी बोलकपुर, मुशीराबाद, हैदराबाद, मोहम्मद अतीक (22), प्राइवेट जॉब, निवासी आगापुरा, नामपल्ली, हैदराबाद शामिल है। पुलिस के अनुसार आरोपी लगातार बाइक पर खतरनाक स्टंट कर सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहे थे। इनके कारण नियमित यात्रियों की सुरक्षा प्रभावित हो रही थी और सचिवालय के उच्च सुरक्षा क्षेत्र में संकट उत्पन्न हो रहा था। गुप्त सूचना और निगरानी के बाद सैफाबाद पुलिस ने छापा मारकर दोनों को गिरफ्तार किया। उनकी बाइक और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस विभाग ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक सड़क पर खतरनाक स्टंट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

दक्षिणी राज्यों के लिए सीटों की कटौती नहीं होगी : रामचंदर राव

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मीडिया से बात करते हुए आगामी 2026 जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन और एससी/एसटी आरक्षण से जुड़े हालिया विवादों पर स्पष्ट स्थिति व्यक्त की। राव ने कहा कि परिसीमन हर जनगणना के बाद संविधान के तहत होने वाली प्रक्रिया है। कांग्रेस पार्टी द्वारा यह प्रचार कि परिसीमन केवल जनसंख्या के आधार पर होगा, पूरी तरह गलत और भ्रामक है। उन्होंने बताया कि दक्षिणी राज्यों के लिए कोई सीटों की कटौती नहीं होगी। वर्तमान विधानसभा क्षेत्रों के आधार पर सीटों का पुनर्विभाजन प्रपोर्शनल तरीके से किया जाएगा, जिससे सभी क्षेत्रों को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व मिलेगा। राव ने कहा कि हिमाचल प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में जनसंख्या कम होने के बावजूद विधानसभा सीटें अधिक हैं। इसलिए केवल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है, यह कहना पूरी तरह गलत है। उन्होंने जनता से कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रांत प्रचार को न मानने और क्षेत्रीय विवादों को बढ़ावा देने वाली राजनीति से दूर रहने की अपील की। इसके अलावा, राव ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का स्वागत किया, जिसमें एससी/एसटी आरक्षण से जुड़े मामले में स्पष्ट किया गया कि धर्म परिवर्तन के बाद एससी/एसटी हक़ समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय उन लोगों के हकों के दुरूपयोग को रोकने और वास्तविक एससी/एसटी लाभार्थियों को न्याय दिलाने में मदद करेगा। राव ने स्पष्ट किया कि भाजपा इस फैसले का पूर्ण समर्थन करती है और यह सुनिश्चित करेगा कि आरक्षित वर्गों के अधिकारों का सही उपयोग हो।

बीजेपी का 'चलो विधानसभा' प्रदर्शन नाकाम, बशीरबाग में तनाव

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को भाजपा के 'चलो विधानसभा' प्रदर्शन को पुलिस ने रोक दिया, जिससे बशीरबाग क्षेत्र में तनाव उत्पन्न हो गया। यह प्रदर्शन विकलांग व्यक्तियों के लिए न्याय की मांग को लेकर किया गया था। बीजेपी विधायक पायल शंकर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने विधानसभा की ओर मार्च किया। पुलिस ने भारी तादाद में तैनाती कर मार्च को बीच में ही रोक दिया, जिससे कुछ झड़पें हुईं और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर नजदीकी थानों में भेजा गया। पायल शंकर ने कहा कि राज्य सरकार ने अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं किया है और पात्रों को बढ़ी हुई पेंशन तुरंत जारी की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार वादे पूरे नहीं करती, आंदोलन जारी रहेगा।

74वां बी.एन. मुल्लिक ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैम्पियनशिप 25 मार्च से शुरू

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस के महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने घोषणा की कि प्रतिष्ठित 74वां बी.एन. मुल्लिक ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैम्पियनशिप 2025-26 तेलंगाना में 25 मार्च से आयोजित होगी। डीजीपी ने बताया कि तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह दोपहर 3 बजे जीएमसी बालयोगी स्टेडियम, गच्चीबावली में आयोजित होगा, जहां राज्यपाल खेल का दीप प्रज्वलित करेंगे। इस राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में कुल 43 टीमें भाग लेंगी, जिनमें विभिन्न राज्यों की पुलिस टीमें और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की टीमें शामिल हैं। चैम्पियनशिप 12 दिनों तक चलेगी, 25 मार्च से 5 अप्रैल, 2026 तक। इसमें 34 पुरुष और 9 महिला टीमों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। कुल 1,038 खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिनमें 851 पुरुष और 187 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों की खेल क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। हैदराबाद के पांच स्थलों पर कुल 110 मैच होंगे। मैच जीएमसी बालयोगी स्टेडियम (गच्चीबावली), एचएफसी स्टेडियम (गोलकोंडा), सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस अकादमी ग्राउंड्स, श्रीनिधि फुटबॉल स्टेडियम, आर्टिलरी ग्राउंड्स (गोलकोंडा) में होगा। उद्घाटन समारोह में प्रतिभागी टीमें राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर देंगी और टीम कप्तानों के नेतृत्व में मार्च पास करेंगे। डीजीपी ने बताया कि पूर्व भारतीय फुटबॉल टीम कप्तान विक्टर अमलराज, एशियन कप वरिष्ठ महिला टीम की खिलाड़ी सुम्या गुगुलोत, और अर्जुन एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता पूर्व कोच मि. नैमुद्दीन उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे और सामूहिक रूप से खेल का दीप प्रज्वलित करेंगे। चैम्पियनशिप का समापन समारोह 5 अप्रैल को होगा, जिसमें विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

आई-पीएसी रेड में दखल सुप्रीम कोर्ट ने ममता से पूछा

केंद्र में आपकी सरकार होती तो क्या करते ईडी अफसरों के भी अपने अधिकार हैं

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में आई-पीएसी के ऑफिस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने मंगलवार को ममता बनर्जी की बंगाल सरकार से पूछा कि अगर केंद्र में आपकी सरकार होती और कोई राज्य ऐसी कार्रवाई करता तो आपका रुख क्या होता।

जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने पूछा कि क्या ड्यूटी पर मौजूद ईडी अधिकारी अपने अधिकार खो देते हैं। कोर्ट ने बताया कि ईडी के कुछ अधिकारियों ने निजी तौर पर भी याचिका दायर की है। राज्य की ओर से सीनीयर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि ईडी के पास अन्य कानूनी विकल्प हैं, इसलिए वह आर्टिकल 32 के तहत याचिका नहीं दे सकती। जांच करना अधिकारी का मौलिक अधिकार नहीं, सिर्फ कानूनी अधिकार है। इस पर कोर्ट ने कहा कि ईडी अधिकारियों के मौलिक अधिकार भी हैं। सिर्फ यह न कहें कि वे अधिकारी हैं, इसलिए नागरिक नहीं हैं। उनकी याचिकाओं को भी महत्व देना होगा।

कोर्ट रूम लाइव :

सिब्बल- ईडी आर्टिकल 32 के तहत याचिका दायर नहीं कर सकती क्योंकि उसके पास दूसरे कानूनी उपाय मौजूद हैं। किसी अधिकारी के पास जांच करने का मौलिक अधिकार नहीं होता। यह सिर्फ कानून से मिला अधिकार है, इसलिए इसमें दखल देने को मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं माना जाएगा।

सिब्बल- अगर ऐसा माना गया तो हर पुलिस अधिकारी सीधे सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने लगेगा, जिससे आपराधिक कानून की मूल संरचना प्रभावित होगी।

जस्टिस मिश्रा- ईडी अधिकारियों के मौलिक अधिकारों पर भी ध्यान दें। सिर्फ यह न कहें कि वे अधिकारी हैं, इसलिए नागरिक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग अधिकारियों की याचिकाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अब पूरे मामले को समझिए...

8 जनवरी को ईडी की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था।

प्रतीक जैन ही ममता बनर्जी के लिए पॉलिटिकल स्ट्रैटजी तैयार करते हैं। कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा। सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर, प्रतीक के आवास पर पहुंचे।

एसएमएसी समिति की बैठक कई मामलों पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एफडीसी बोर्ड रूम में आज राज्य मीडिया अभ्यर्थन समिति (एसएमएसी) की बैठक आयोजित की गई। प्रेस अकादमी और एसएमएसी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष आयुक्त, तथा एसएमएसी की सह-अध्यक्ष सीएच प्रियंका ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पत्रकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए अभ्यर्थन आवेदन का समिति ने विस्तार से समीक्षा की और अर्ह पत्रकारों को अभ्यर्थन कार्ड जारी किए। समिति अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकार के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार योग्य पत्रकारों को ही कार्ड जारी किए जाएंगे और किसी भी योग्य पत्रकार के साथ कोई त्रुटि नहीं होगी। समिति ने यह भी बताया कि अगली बैठक अप्रैल के पहले सप्ताह में आयोजित की जाएगी। अभी तक आवेदन न करने वाले योग्य पत्रकार ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके अलावा, जिला स्तर पर भेजे गए जिला मीडिया अभ्यर्थन समिति (डीएमएसी) के प्रस्तावों की भी समीक्षा कर मंजूरी दी जाएगी। बैठक में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक किशोर बाबू, अतिरिक्त निदेशक डी.एस. जगन सहित अन्य समिति सदस्य भी उपस्थित रहे।

वजन घटाने वाली दवाओं के दुरूपयोग पर सरकार सख्त

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने मंगलवार को सेमाग्लूटाइड आधारित दवाओं के उपयोग को लेकर एक उच्च प्राथमिकता वाली 'पब्लिक एडवाइजरी' जारी की है। यह कदम दवाओं के ऐतिहासिक पेटेंट की समाप्ति के बाद बाजार में आए किफायती संस्करणों और उनकी बढ़ती मांग को देखते हुए उठाया गया है।

हैदराबाद की कई शीर्ष फार्मा कंपनियों द्वारा वजन घटाने और मधुमेह (डायबिटीज) की इस दवा के सस्ते वर्जन लॉन्च करने के बाद जनता में इसके 'सेल्फ-मेडिकेशन' का चलन बढ़ गया है, जिसे प्रशासन ने बेहद खतरनाक बताया है।

औषधि नियंत्रण प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सेमाग्लूटाइड कोई साधारण 'लाइफस्टाइल सप्लीमेंट' नहीं है, बल्कि एक गंभीर दवा है जिसे केवल डॉक्टर के पर्चे पर ही खरीदा और इस्तेमाल किया जाना चाहिए। डीसीए के अनुसार, हालांकि यह दवा टाइप-2 मधुमेह और मोटापे के प्रबंधन में प्रभावी है, लेकिन बिना चिकित्सकीय देखरेख के इसका सेवन जानलेवा साबित हो सकता है। उचित मूल्यांकन के बिना इसके उपयोग से अग्नाशयशोथ, गुर्दे की क्षति, गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं और पित्ताशय की बीमारियां होने का गंभीर खतरा रहता है।

प्रशासन ने आम जनता को असुरक्षित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से ऐसी दवाएं न खरीदने की सलाह दी है, क्योंकि वहां घटिया या नकली उत्पाद मिलने की आशंका अधिक रहती है।

साथ ही, फार्मा कंपनियों को भी कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले किसी भी प्रकार के 'ऑफ-लेबल' प्रचार या अप्रत्यक्ष विज्ञापन का सहारा न लें। डीसीए ने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि कहीं भी इन दवाओं की अवैध बिक्री या भ्रामक प्रचार दिखाई दे, तो इसकी सूचना तुरंत विभाग को दें ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

बेजुबानों के लिए मसीहा बनी 'अरहम एनिमल एम्बुलेंस'

हर दिन बचा रही सैकड़ों जानें

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर की सड़कों पर अब एम्बुलेंस का सायरन केवल इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि बेजुबान जानवरों के लिए भी उम्मीद की किरण बनकर गूंज रहा है। पुणे स्थित 'अरहम युवा सेवा समूह' द्वारा शुरू की गई 'अरहम एनिमल एम्बुलेंस' सेवा पिछले एक साल में घायल, बीमार और लावारिस जानवरों के लिए एक मजबूत जीवन रेखा बनकर उभरी है। शुरूआत में महज 20 कॉल्स प्रतिदिन से शुरू हुई यह सेवा आज सोशल मीडिया और जन-सहयोग के माध्यम से इतनी लोकप्रिय हो चुकी है कि टीम अब रोजाना 200 से 250 आपातकालीन कॉल्स अटेंड कर रही है।

परंपरागत पशु चिकित्सा सेवाओं से इतर, अरहम एम्बुलेंस का मुख्य केंद्र 'स्पॉट ट्रीटमेंट' यानी मौके पर ही तत्काल सहायता प्रदान करना है। प्राथमिक उपचार में सक्षम यह टीम दुर्घटनाग्रस्त जानवरों तक पहुंचकर तुरंत इलाज शुरू करती है, जिससे अस्पताल ले जाने में होने वाली घातक देरी से बचा जा सके। हैदराबाद में अपनी शुरूआत से अब तक यह टीम लगभग 900 जटिल मामलों में पशुओं की जान बचा चुकी है। इस सेवा के दायरे में केवल आवारा कुत्ते ही नहीं, बल्कि घायल मवेशी और संकटग्रस्त पक्षी भी शामिल हैं।

फ्रंटलाइन रेस्क्यू यूनिट के पशु चिकित्सक विजय शर्मा ने बताया कि शहरीकरण के कारण सड़क हादसों में घायल होने वाले आवारा कुत्तों की संख्या सबसे अधिक है। उन्होंने बुडवेल में हाल ही में बचाए गए एक दिन के घायल पिल्ले का उदाहरण देते हुए कहा कि समय पर हस्तक्षेप ही इन बेजुबानों की जान बचा सकता है। पूरी तरह नि:शुल्क संचालित होने वाली यह सेवा सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक उपलब्ध है।

10वीं फेल बना 'डेंटिस्ट'

20 साल से फर्जी क्लिनिक चला रहा शख्स गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट पुलिस और मलकाजगिरि स्पेशल ऑपरेशन टीम ने एक संयुक्त कार्रवाई में एक ऐसे जालसाज को गिरफ्तार किया है, जो बिना किसी मेडिकल डिग्री के पिछले दो दशकों से दंत चिकित्सक बनकर लोगों का इलाज कर रहा था। उत्तर प्रदेश निवासी आरोपी रमेश ने कक्षा 10वीं तक की पढ़ाई भी पूरी नहीं की थी, इसके बावजूद वह खुद को योग्य डेंटिस्ट बताकर वर्षों से क्लिनिक चला रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर इस फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ किया है। जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि रमेश का क्लिनिक देर रात से लेकर तड़के सुबह तक चलता था। कामकाज के इस असामान्य समय ने स्थानीय निवासियों के मन में संदेह पैदा किया, जिसकी शिकायत पुलिस से की गई। जब एसओटी की टीम ने क्लिनिक पर छापा मारा, तो रमेश चिकित्सा शिक्षा से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज या डिग्री पेश नहीं कर सका। अधिकारियों ने बताया कि वह पूरी तरह से अवैध रूप से दंत चिकित्सा का अभ्यास कर रहा था और भोले-भाले मरीजों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहा था।

नेरेडमेट पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। अब पुलिस इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि आखिर दो दशकों तक रमेश प्रशासन की नजरों से कैसे बचा रहा। साथ ही, उन मरीजों का विवरण भी जुटाया जा रहा है जिनका उसने इस दौरान इलाज किया था। पुलिस ने जनता से अपील की है कि किसी भी क्लिनिक या डॉक्टर के पास जाने से पहले उनकी साख और डिग्रियों की पुष्टि जरूर करें।

'64 योगिनी ट्रेल' पेंटिंग प्रदर्शनी का आयोजन

कला के जरिए जीवंत होगी प्राचीन विरासत

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के कला प्रेमियों के लिए एक विशेष अवसर के रूप में, प्रसिद्ध कलाकार और क्यूरेटर डॉ. बीना उन्नीकृष्णन द्वारा आयोजित '64 योगिनी ट्रेल' पेंटिंग प्रदर्शनी आगामी 26 से 28 मार्च तक आयोजित की जाएगी। यह प्रदर्शनी एचआईटीईएक्स के पास स्थित गैलरी 78, शिल्पा हिल्स में सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक दर्शकों के लिए उपलब्ध रहेगी। 'एका: द वन' नामक यह राष्ट्रीय यात्रा प्रदर्शनी डॉ. बीना उन्नीकृष्णन द्वारा निर्मित 64 योगिनियों के चित्रों का एक संपूर्ण संग्रह है, जो भारत की प्राचीन योगिनी परंपरा को समकालीन कलात्मक दृष्टि से प्रस्तुत करती है।

यह प्रदर्शनी एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय यात्रा का हिस्सा है, जिसके तहत 81 दिनों में 16 राज्यों का भ्रमण किया जा रहा है।

इसका मुख्य उद्देश्य पवित्र नारीत्व का उत्सव मनाना और भारत की आध्यात्मिक विरासत को आज के सांस्कृतिक और सामाजिक संवाद के साथ जोड़ना है। डॉ. बीना उन्नीकृष्णन, जिन्हें कला और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है, मुख्य रूप से अपनी 'नक्षत्र श्रृंखला' और योगिनी चित्रों के लिए जानी जाती हैं। उन्हें कला के माध्यम से भारत की नारीवादी आध्यात्मिक चेतना को पुनर्जीवित करने वाली एक प्रमुख समकालीन आवाज माना जाता है। डॉ. उन्नीकृष्णन 'केटी-एसीईडी' की संस्थापक भी हैं, जो कम संसाधनों वाले कलाकारों का समर्थन करने और रचनात्मक क्षेत्र में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कार्य करती हैं।

इस प्रदर्शनी के माध्यम से वे न केवल प्राचीन कला को आधुनिक स्वरूप में पेश कर रही हैं, बल्कि कलाकारों के लिए एक सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का संदेश भी दे रही हैं।

चार और मुख्य आरोपी गिरफ्तार, अब तक 16 सलाखों के पीछे

खम्मम, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम के वेलुगुमटला क्षेत्र में भूदान और सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसीपी (टाउन) एसवी रामनमूर्ति ने मंगलवार को बताया कि खानपुरम हवेली पुलिस ने कलथी रामचंद्रैया, बनाला लक्ष्मण चारी, चिप्पनपल्ली वीरैया और कुंजा कृष्णैया को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इन पर संगठित अपराध और धोखाधड़ी के जरिए सरकारी जमीनों के अवैध लेनदेन में शामिल होने का गंभीर आरोप है। एसीपी के अनुसार, यह कार्रवाई भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले के संबंध में की गई है। इससे पहले इस घोटाले के मुख्य आरोपियों- पोलेबोयिना मुथैया, बल्ली श्रीनिवास और अन्य को पुलिस हिरासत में लेकर गहन पूछताछ की गई थी, जिसके बाद कई नए खुलासे हुए। पूछताछ के आधार पर ही इन चार नए आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस अब इस सिंडिकेट द्वारा अर्जित की गई अवैध संपत्तियों की पहचान करने और उन्हें जब्त करने की प्रक्रिया में जुटी है। खम्मम शहरी मंडल में हुए इस बहुचर्चित भूमि घोटाले में अब तक कुल 16 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

रिश्वत का 'डिजिटल' खेल

सिद्दिपेट, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार के खिलाफ डिजिटल सबूतों ने एक पुलिस अधिकारी को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। करीमनगर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने सिद्दिपेट तीन-नगर पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर वुरलुगोंडा वेंकटेश्वरलू को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दिलचस्प और चौंकाने वाली बात यह है कि इस रिश्वत का लेनदेन नकद के बजाय यूपीआई मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से किया गया, जिसने भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत छोड़ दिए।

पूरा मामला राजन्ना-सिरिसिला जिले के मुस्तबाद थाने से जुड़ा है, जहां वेंकटेश्वरलू हाल तक थाना प्रभारी के रूप में तैनात थे। आरोप है कि उन्होंने 28 फरवरी, 2026 को जब्त किए गए रेत से लदे एक ट्रक को छोड़ने के बदले 20,000 रुपये की मांग की थी। बाद में सौदा 15,000 रुपये में तय हुआ। रिश्वत की यह रकम पकड़े जाने के डर से सीधे न लेकर एक कांस्टेबल बी. सत्यनारायण के 'गूगल-पे' अकाउंट पर भेजी गई, जिसे कांस्टेबल ने बाद में सब-इंस्पेक्टर के खाते में ट्रांसफर कर दिया। एसीबी की जांच में डिजिटल लेनदेन के इन रिकॉर्ड्स ने मामले को शीशे की तरह साफ कर दिया। एसीबी अधिकारियों ने जाल बिछाकर आरोपी सब-इंस्पेक्टर को हिरासत में ले लिया और सोमवार को उन्हें अदालत में पेश किया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे
एस/13/नीलामी प्रोग्राम/25-26, दि.23-03-2026
दि. 26-03-2026 & 30-03-2026 को खास ई-नीलामी कार्यक्रम
खास ई-नीलामी

तिथि	डिवीजन
26.03.2026	नान्देड
30.03.2026	हैदराबाद

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद
A2757
निविदा की शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बेंगलुरु भगदड़ के मृतकों को अनूठी श्रद्धांजलि

चिन्नास्वामी स्टेडियम में 11 सीटें हमेशा खाली रखी जाएंगी, स्मारक पट्टिका भी लगेगी

बेंगलुरु, 24 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एम चिन्नस्वामी स्टेडियम में खेले जाने वाले आईपीएल और इंटरनेशनल मैचों में 11 सीटें हमेशा खाली रखी जाएंगी। वहीं, स्टेडियम के एंट्री गेट पर स्मारक पट्टिका (मेमोरियल प्लाक) और हर मैच से पहले एक मिनट का मौन भी रखा जाएगा, जिसमें दोनों टीमें हिस्सा लेंगी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन ने पिछले साल एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुए भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए यह खास पहल की है।

दरअसल, 4 जून 2025 को आरसीबी की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे।

मैच से पहले दी जाएगी श्रद्धांजलि

भगदड़ वाली घटना की याद में आरसीबी और केएससीए ने स्टेडियम में एक स्मारक पट्टिका (मेमोरियल प्लाक) लगाने और 11 सीटों को हमेशा खाली रखने का फैसला किया है। ये सीटें इंटरनेशनल मैच में भी उन 11 लोगों की याद में कभी बेची नहीं जाएंगी। वहीं, स्मारक पट्टिका को स्टेडियम के एंट्री गेट के पास लगाया जाएगा, ताकि यह जगह हमेशा श्रद्धांजलि का प्रतीक बनी रहे। इसके अलावा,

आईपीएल मैच से पहले पीड़ितों के नाम प्रदर्शित किए जाएंगे और एक मिनट का मौन भी रखा जाएगा, जिसमें दोनों टीमें हिस्सा लेंगी।

काफी समय से बात चल रही थी- वेंकटेश प्रसाद

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने इस पहल की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुखद घटना को याद करना भी पीड़ादायक है, लेकिन काफी समय से स्मारक बनाने पर चर्चा चल रही थी। उन्होंने कहा कि 11 लोगों की याद को सम्मान देना जरूरी है, न कि पुराने जख्मों को कुरेदना।

स्टेडियम में मैच कराने पर रोक लग गई थी

भगदड़ हादसे के बाद जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा कमेटी ने इस स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया था, जिसके चलते यहां मैच कराने पर रोक लगा दी गई थी। इसके कारण आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के मुकाबले भी बेंगलुरु से हटाकर नवी मुंबई में आयोजित किए गए। वहीं, घरेलू टी-20 लीग महाराजा टी-20 ट्रॉफी को भी बेंगलुरु की बजाय मैसूर में शिफ्ट करना पड़ा था। हालांकि, पिछले सप्ताह स्टेडियम को दोबारा मैचों के आयोजन की मंजूरी मिल गई है।

स्टेडियम में मैच कराने की मंजूरी

कर्नाटक सरकार ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 के मैचों के आयोजन को मंजूरी दे दी है। यहां 28 मार्च को मेजबान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच ओपनिंग मैच खेला जाएगा।

आईपीएल के शुरुआती 20 मैच का शेड्यूल जारी

4 दिन पहले बीसीसीआई ने आईपीएल के शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल जारी किया था। इनमें से 2 मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने हैं। शेड्यूल जारी करते समय बीसीसीआई ने कहा था कि बेंगलुरु में आईपीएल मैच सरकार की परमीशन पर निर्भर करेंगे।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए महिला टीम घोषित

हरमनप्रीत संभालेंगी कप्तानी, स्मृति मंधाना उपकप्तान बनीं

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की महिला चयन समिति ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली आगामी टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है।

इस दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर के हाथों में सौंपी गई है, जबकि स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की यह टी-20 सीरीज 17 अप्रैल से शुरू होने जा रही है।

शेफाली और जेमिमा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा

चयनकर्ताओं ने टीम में अनुभव और युवा जोश का तालमेल बिठाने की कोशिश की है। टीम के बल्लेबाजी क्रम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष जैसे विस्फोटक बल्लेबाज शामिल हैं।

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा भी टीम का अहम हिस्सा हैं, जो गेंद और बल्ले दोनों से मैच पलटने की क्षमता रखती हैं। ऋचा घोष और उमा छेत्री को विकेटकीपर के विकल्प के तौर पर टीम में जगह मिली है।

भारत का साउथ अफ्रीका दौरा शेड्यूल

मैच	डेट	वेन्यू
पहला टी-20	17 अप्रैल 2026	डरबन
दूसरा टी-20	19 अप्रैल 2026	डरबन
तीसरा टी-20	22 अप्रैल 2026	जोहान्सबर्ग
चौथा टी- 20	25 अप्रैल 2026	जोहान्सबर्ग
पांचवां टी-20	27 अप्रैल 2026	बेनोनी

गेंदबाजी में रेणुका और अरुंधति संभालेंगी कमान

तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी पर होगी। स्पिन विभाग में श्रेयंका पाटिल और काश्वी गौतम जैसे उभरते हुए चेहरों को शामिल किया गया है।

टीम में अन्य प्रमुख नामों में क्रांति गौड़, श्री चरणी, भारती फुलमाली और अनुष्का शर्मा शामिल हैं। चयन समिति ने इन खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट और पिछले दौरों पर किए गए अच्छे प्रदर्शन के आधार पर चुना है।

डरबन और जोहान्सबर्ग में होंगे मुकाबले

भारतीय टीम इस दौरे पर कुल 5 टी-20 मैच खेलेगी। सीरीज का आगाज 17 अप्रैल को डरबन में होगा। पहले दो मुकाबले इसी शहर में खेले जाएंगे। इसके बाद तीसरा और चौथा टी-20 जोहान्सबर्ग के मैदान पर होगा। सीरीज का पांचवां और आखिरी मैच 27 अप्रैल को बेनोनी में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की उछाल भरी पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा होने की उम्मीद है।

सिनर ने तोड़ा जोकोविच का रिकॉर्ड

मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स में लगातार 26 सेट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने, मियामी ओपन में मुटे को हराया

रोम, 24 मार्च (एजेंसियां)। इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार सबसे अधिक सेट जीतने के मामले में नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

सिनर ने मियामी ओपन के तीसरे राउंड में कोरेंटिन मूटे को 6-1, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 11 मिनट तक चला।

इस जीत के साथ सिनर के लगातार जीते गए सेटों की संख्या 26 हो गई है, जबकि जोकोविच के नाम 24 सेट का रिकॉर्ड था। जोकोविच ने यह उपलब्धि 2016 में इंडियन वेल्स और मियामी के बीच हासिल की थी।

सिनर का यह शानदार सफर पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ था। वहां उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए

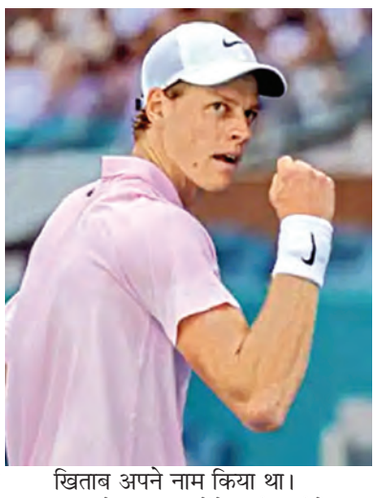

खिताब अपने नाम किया था।

इसके बाद उन्होंने इसी महीने इंडियन वेल्स ओपन का खिताब भी जीता। म्यूटेट के खिलाफ जीत के साथ ही सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 लेवल पर लगातार 13 मैच जीतने का रिकॉर्ड भी बना लिया है।

मैच के बाद सिनर ने एटीपी की आधिकारिक वेबसाइट से कहा,'मैं बहुत खुश हूं। यह खेल अप्रत्याशित है, इसलिए हम जितना हो सके उतना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं। अब देखते हैं कि अगले दौर में क्या होता है।' उन्होंने आगे कहा कि वे हर मैच के लिए तकनीकी रूप से पूरी तरह तैयार रहने की कोशिश करते हैं।

चौथे दौर में जैनिक सिनर का सामना अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन से होगा। मिचेलसन ने अपने तीसरे दौर के मुकाबले में अलेजांद्रो ताबिलो को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर आगे कदम बढ़ाया है। सिनर जिस फॉर्म में चल रहे हैं, उन्हें टूर्नामेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। मियामी ओपन में कार्लोस अल्कराज के बाहर होने के बाद सिनर के पास अपनी रैंकिंग और मजबूत करने का अच्छा मौका है।

वैभव सूर्यवंशी, आईपीएल में बनेंगे नंबर 1

ओडीआई विश्व कप 2027 में खेलने के दावेदार 4 खिलाड़ियों पर भारी पड़ सकते हैं

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। ओडीआई विश्व कप का आगाज अगले साल अक्टूबर-नवंबर में होना है. मगर एक रिपोर्ट के मुताबिक उसके लिए संभावित 20 खिलाड़ियों को पहले ही शॉर्टलिस्ट कर लिया गया है. माना जा रहा है कि इन्हीं 20 खिलाड़ियों में से वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए टीम चुनी जाएगी. बड़ी बात ये है कि उन 20 खिलाड़ियों में 4 वो नाम भी शामिल हैं, जिन्हें पछाड़कर वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में नंबर 1 बन सकते हैं. अब सवाल है कि वो चारों खिलाड़ी हैं कौन? तो वो चारो बतौर टीनएजर आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली टॉप-5 रिकॉर्ड लिस्ट का हिस्सा हैं.

पृथ्वी शॉ के नाम आईपीएल का ये बड़ा रिकॉर्ड

आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टीनएजर होने का रिकॉर्ड पृथ्वी शॉ के नाम है, जिन्होंने 598 रन बनाए हैं. बेशक, पृथ्वी शॉ सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक ओडीआई विश्व वर्ल्ड कप 2027 के लिए संभावित 20 खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल ना हों. लेकिन उनके अलावा इस मामले में टॉप-5 में शामिल बाकी के जो 4 खिलाड़ियों के नाम हैं, वो वनडे वर्ल्ड कप 2027 के संभावित चेहरे जरूर हो सकते हैं. हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हैं.

वीश्व कप 2027 के इन दावेदारों पर भारी पड़ेंगे सूर्यवंशी!

वो 4 खिलाड़ी जो बतौर टीनएजर IPL में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की टॉप - 5 लिस्ट में शामिल हैं, उनमें 594 रन के साथ ईशान किशन दूसरे नंबर पर हैं. ऋषभ पंत ने 564 रन बनाए हैं और वो तीसरे नंबर पर हैं. 545 रन के साथ संजू सैमसन चौथे नंबर पर हैं. वहीं 5वां नंबर शुभमन गिल का है, जिन्होंने 499 रन बनाए हैं. रिपोर्ट्स के मताबिक इन खिलाड़ियों के वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम में भी होने के आसार हैं.

सबको पीछे छोड़ नंबर 1 बनेंगे सूर्यवंशी!

अब इन सारे खिलाड़ियों को वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम में जगह मिलती है या नहीं वो तो आधिकारिक लिस्ट सामने आने पर ही पता चलेगा, लेकिन उससे पहले ये तय माना जा रहा है कि आईपीएल में वैभव सूर्यवंशी इन सबको पीछे छोड़ सकते हैं. वो बतौर टीनएजर सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड आईपीएल 2026 के दौरान ही अपने नाम कर उन सब पर भारी पड़ सकते हैं.

नंबर 1 बनने से कितने रन दूर वैभव सूर्यवंशी?

आईपीएल में वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 7 मैच की 7 पारियों में 252 रन बनाए हैं. यानी, वनडे वर्ल्ड कप 2027 में खेलने के दावेदार 4 खिलाड़ियों समेत पृथ्वी शॉ का भी रिकॉर्ड तोड़ नंबर 1 बनने के लिए वैभव को 347 रन की दरकार है. आईपीएल 2026 में इतने रन बनाते ही वैभव सूर्यवंशी लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले नंबर 1 टीनएजर बन जाएंगे.

क्यों वैभव सूर्यवंशी का नंबर 1 बनना तय?

वैभव ने पिछले साल खेले अपने डेब्यू आईपीएल सीजन की सिर्फ 7 पारियों में ही 252 रन बनाए थे. फिर इस बार तो राजस्थान रॉयल्स के लिए उनके सारे मैच खेलने की संभावना है. अगर ऐसा होता है तो फिर उनका आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला टीनएजर बनना वाकई पक्का हो जाएगा.

आईपीएल गाइडलाइन: मैच के दिन प्रैक्टिस पर रोक

फिटनेस टेस्ट नहीं, जर्सी नंबर बदलने पर बताना होगा

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के लिए बीसीसीआई ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत मैच के दिन कोई भी टीम प्रैक्टिस नहीं कर सकेगी। साथ ही खिलाड़ियों के लिए मैच-डे पर फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। वहीं जर्सी नंबर बदलने से 24 घंटे पहले जानकारी देनी होगी और ड्रेसिंग रूम में सिर्फ स्टाफ को ही एंट्री मिलेगी।

आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से होगी। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जाएगा। बीसीसीआई ने 11 मार्च को आईपीएल 2026 के पहले फेज का शेड्यूल जारी किया है।

विरोधी टीम के नेट्स का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में

टीमों के लिए अलग व्यवस्था की गई है। यहां दोनों टीमों को प्रैक्टिस के लिए अलग-अलग विकेट मिलेंगे और कोई भी टीम विरोधी टीम के विकेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी।

प्रैक्टिस से जुड़े मुख्य नियम

हर टीम को प्रैक्टिस एरिया में दो नेट और मुख्य स्क्वायर पर एक साइड विकेट दिया जाएगा। मुंबई में यदि दोनों टीमें एक साथ अभ्यास करती हैं, तो उन्हें दो-दो विकेट दिए जाएंगे। ओपन नेट की अनुमति नहीं होगी, जिससे अभ्यास व्यवस्थित रहे।

साथ ही, अगर कोई टीम अपनी प्रैक्टिस जल्दी खत्म कर देती है, तो दूसरी टीम उसके विकेट का उपयोग नहीं कर सकेगी। सबसे अहम नियम यह है कि मैच के दिन किसी भी प्रकार की प्रैक्टिस पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

मैच के दिन फिटनेस टेस्ट नहीं होगा

मैच के दिन मुख्य स्क्वायर पर किसी भी तरह का फिटनेस टेस्ट नहीं किया जाएगा। खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए टीम बस से ही आना होगा, हालांकि जरूरत पड़ने पर उन्हें दो बैच में लाया जा सकता है।

खिलाड़ियों के परिवार और दोस्त अलग वाहन से आएंगे और केवल हॉस्पिटैलिटी एरिया से ही प्रैक्टिस देख पाएंगे। ड्रेसिंग रूम और मैदान पर सिर्फ अधिकृत स्टाफ को ही प्रवेश की अनुमति होगी, ताकि सुरक्षा और अनुशासन बना रहे।

स्टाफ को एक्रेडिटेशन कार्ड रखना होगा

मैच के दिन सभी अधिकृत स्टाफ के लिए एक्रेडिटेशन कार्ड साथ रखना अनिवार्य होगा, अन्यथा जुर्माना लगाया जाएगा। खिलाड़ियों को एलईडी बोर्ड के पास बैठने या गेंद हिट करने से बचने की सलाह दी गई है।

सरगुजा ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल हुए बाइचुंग भूटिया

सेंट-डेनिस, 24 मार्च (एजेंसियां)। ओलंपिक 2026 के समापन अवसर पर भारतीय फुटबॉल जगत के दिग्गज और पूर्व कप्तान अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित बाइचुंग भूटिया ने जोहार सरगुजा से अभिवादन कर खिलाड़ियों में जोश भरते हुए उन्हें कड़ी मेहनत और अटूट संकल्प का मंत्र देते हुए युवाओं को खेल जगत में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

क्या 15 साल के रोनाल्डो जूनियर 27 वर्षीय मॉडल को कर रहे डेट?

लिस्बन, 24 मार्च (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के दौर में किसी भी तस्वीर या वीडियो से कहानियां बनना आम बात हो गई है। हाल ही में फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बेटे रोनाल्डो जूनियर को लेकर ऐसी ही एक अफवाह तेजी से वायरल हो रही है। दावा किया जा रहा है कि वह 27 साल की एक ब्राजीलियाई मॉडल को डेट कर रहे हैं। हालांकि, इस खबर की सच्चाई को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट्स के मुताबिक, कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर सामने आईं, जिनमें क्रिस्टियानो जूनियर एक महिला के साथ नजर आए। इसके बाद यूजर्स ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि दोनों के बीच कोई रिलेशनशिप है। कुछ पोस्ट्स में यह भी दावा किया गया कि दोनों की मुलाकात दुबई में हुई और वहीं से यह कथित रिश्ता शुरू हुआ। हालांकि, इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

उइन अफवाहों पर सबसे बड़ा सवाल उम्र को लेकर उठ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस महिला को 27 वर्षीय मॉडल बताया जा रहा है, वहीं क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर की उम्र अभी करीब 15 साल है। ऐसे में यहदावा न केवल संदिग्ध बल्कि अनुचित भी माना जा रहा है। कई यूजर्स ने भी सोशल मीडिया पर इन खबरों की आलोचना की और इसे बेबुनियाद बताया।

यह पहली बार नहीं है जब क्रिस्टियानो जूनियर की निजी जिंदगी को लेकर इस तरह की बातें सामने आई हों। इससे पहले भी उनका नाम कई लोगों के साथ जोड़ा जा चुका है, लेकिन हर बार ये दावे अफवाह ही साबित हुए। एक फैमिली शो में जॉर्जिना रॉड्रिगेज ने मजाक में उनके क्रश का जिक्र किया था। हालांकि, बाद में यह साफ हो गया कि वह सिर्फ एक दोस्त थी।

पाकिस्तान क्रिकेट में 'टॉक्सिक माहौल' के आरोपों पर मोहसिन नकवी ने दिया जवाब

इस्लामाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया को 2011 वर्ल्ड कप का खिताब जिताने वाले कोच गैरी कर्स्टन ने हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की पोल खोली थी. कर्स्टन 2024 में पाकिस्तान की वाइट-बॉल टीम के कोच बने थे, लेकिन सिर्फ 6 महीने के अंदर ही उन्होंने अचानक इस्तीफा दे दिया था. कर्स्टन ने कहा था कि टीम में लगातार दखलअंदाजी और टॉक्सिक माहौल की वजह से उन्हें ये कदम उठाना पड़ा. अब इस पर पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने जवाब दिया है. लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीएसएल 2026 को लेकर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में नकवी ने पूर्व कोच गैरी कर्स्टन के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी. नकवी ने कहा कि उनकी गैरी से ज्यादा बातचीत नहीं होती थी, इसलिए जो लोग उस वक्त कर्स्टन के साथ काम कर रहे थे, वही इन आरोपों पर सही तरीके से जवाब दे सकते हैं. उन्होंने कहा, "गैरी कर्स्टन के साथ मेरी ज्यादा बातचीत या मुलाकात नहीं होती नहीं होती थी, इसलिए बेहतर होगा कि जो लोग उनके साथ चीजों का समन्वय कर रहे थे और नियमित रूप से उनके संपर्क में थे, वे उनके आरोपों का विस्तार से जवाब दें."

आईपीएल से पहले रिंकू सिंह रीजनल स्पोर्ट्स अफसर बने

हॉकी टीम के सदस्य राजकुमार पाल गाजीपुर में डीएसपी नियुक्त

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से है. लेकिन, उससे पहले रिंकू सिंह के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. उनकी सरकारी नौकरी अब कन्फर्म हो गई है. बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में रीजनल स्पोर्ट्स अफसर बनाया गया है. आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से है. लेकिन, उससे पहले रिंकू सिंह के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. उनकी सरकारी नौकरी अब कन्फर्म हो गई है. बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में रीजनल स्पोर्ट्स अफसर बनाया गया है. रिंकू सिंह को 24 मार्च की शाम 5 बजे लखनऊ स्थित लोकभवन में यूपी के मुख्यमंत्री रीजनल स्पोर्ट्स अफसर का नियुक्ति पत्र सौंपेंगे.

रिंकू सिंह के साथ ही अलग-अलग खेलों से जुड़े 6 दूसरे इंटरनेशनल प्लेयर्स को भी नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे.

रिंकू सिंह को स्पोर्ट्स कोटा के तहत रीजनल स्पोर्ट्स अफसर की पोस्ट मिली है. इस पद पर रिंकू सिंह की सैलरी 50000 से 60000 रुपये महीने तक हो सकती है. इसमें उनके डीए, एचआरए और दूसरे खर्चे भी शामिल होंगे.

रिंकू के अलावा जिन खिलाड़ियों को नियुक्त पत्र मिलने हैं, उनमें पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य राजकुमार पाल हैं, जिन्हें गाजीपुर का DSP बनाया गया है. उनके अलावा पेरिस पैरालंपिक की हाई जंप इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले प्रवीण कुमार को गौतमबुद्धनगर में DSP बनाया गया है. जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीतने वाले अजीत सिंह और 200 मीटर की दौड़ में ब्रॉन्ज जीतने वाली सिमरन को जिला पंचायत राज अधिकारी बनाया गया है. इनके अलावा 100 और 200 मीटर में ब्रॉन्ज विनर प्रीतिपाल को खंड विकास अधिकारी बनाया गया है.

सनराइजर्स हैदराबाद में हुई 35 साल के इंग्लिश तेज गेंदबाज की एंट्री, टीम में लेंगे जैक एडवर्ड्स की जगह

खेल डेस्क, 24 मार्च (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद ने 35 वर्षीय इंग्लिश गेंदबाज डेविड पायने को टीम में शामिल किया है। डेविड पायने को चोटिल जैक एडवर्ड्स के स्थान पर टीम में लिया गया है। सनराइजर्स हैदराबाद 28 मार्च को आईपीएल 2026 का अपना पहला मैच खेलेगी। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन टीम की कप्तानी करेंगे। आईपीएल के नए सीजन की शुरुआत से पहले सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में एक 35 साल के इंग्लिश गेंदबाज की एंट्री हुई है. फ्रेंचाइजी की तरफ से सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी साझा की गई है. चोटिल होने के चलते जैक एडवर्ड्स इस पूरे सीजन से बाहर हो चुके हैं. ऐसे में मैनेजमेंट ने उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर डेविड पायने को टीम से जोड़ा है. सनराइजर्स की टीम 28 मार्च को आईपीएल 2026 के ओपनिंग मैच में खेलने के लिए उतरेगी. पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में टीम की कमान ईशान किशन के हाथों में होगी.

इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन टैक्स पूरी तरह माफ : पोन्नम

सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी विशेष छूट और सुविधाएं

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं।

सचिवालय के सामने मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, डीजीपी शिवधर रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने ईवी वाहनों का निरीक्षण किया। इस दौरान परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डीके नेतृत्व में राज्य में ईवी पॉलिसी लागू की गई है, ताकि हैदराबाद को दिल्ली की तरह प्रदूषित होने से बचाया जा सके। सरकार की इस नीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन टैक्स पूरी तरह माफ किया गया है। इससे सरकार को लगभग 1000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होने के बावजूद ईवी को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि ईवी पॉलिसी लागू होने के बाद राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। सरकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कंपनियां 10 से 20 प्रतिशत तक की छूट दे रही हैं। कई कंपनियां इस पहल में आगे आ रही हैं। सरकार ने सभी क्षेत्रों में ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना भी शुरू कर दी है। साथ ही, सरकारी विभागों और संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे नए वाहन खरीदते समय इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दें।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य शहर को प्रदूषण मुक्त बनाना है। इसके लिए 2000 किलोमीटर क्षेत्र में 'क्योर' प्रोजेक्ट के तहत कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हैदराबाद की 30 प्रतिशत आबादी शहर में ही रहती है, ऐसे में स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण के लिए ईवी वाहनों का उपयोग बेहद जरूरी है। इसके अलावा, 15 साल से पुराने वाहनों को स्क्रैप में भेजने और उनकी जगह इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की योजना भी लागू की जा रही है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने में कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और उन्हें दिए जा रहे प्रोत्साहनों का लाभ उठाना चाहिए। राज्य सरकार का मानना है कि ईवी नीति के जरिए न केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि भविष्य में एक स्वच्छ और हरित शहर का निर्माण भी संभव होगा।

जमीन विवाद में 50 लाख की रंगदारी

आदिलाबाद में तीन आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

आदिलाबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मावला मंडल केंद्र में एक संपत्ति मालिक से जमीन विवाद निपटाने के नाम पर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मावला थाना प्रभारी और प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी राहुल कांत ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बोज्जा अजय, गंगुला किरण और पिरंगी योगेश के रूप में हुई है, जो इसी कस्बे के निवासी हैं। पुलिस ने इनके पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं, जबकि गिरोह का एक अन्य सदस्य राज सिद्धार्थ फिलहाल फरार बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता राकेश शर्मा की जमीन पर कब्जे की नीयत से इन आरोपियों ने विवाद में दखल दिया और मामले को सुलझाने के बदले 50 लाख रुपये की भारी भरकम राशि की मांग की। मुख्य आरोपी बोज्जा अजय ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया है और स्वीकार किया है कि उसने पहले भी इसी तरह के अपराधों को अंजाम दिया है। पुलिस ने फरार आरोपी की तलाश तेज कर दी है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

केटीआर समेत वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के बहुचर्चित फॉर्मूला-ई रेस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक बड़ा कदम उठाते हुए स्थानीय अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस आरोपपत्र में भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटी रामाराव को मुख्य आरोपी बनाया गया है। उनके साथ ही वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार और हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण के पूर्व मुख्य अभियंता बीएलएन रेड्डी समेत दो अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। यह पूरा मामला पिछली बीआरएस सरकार के दौरान साल 2024 में प्रस्तावित फॉर्मूला-ई रेस के लिए किए गए लगभग 55 करोड़ रुपये के भुगतान में हुई कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस बड़ी धनराशि का एक बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा में दिया गया था और भुगतान की प्रक्रिया में सरकारी नियमों व निर्धारित प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया गया। गौरतलब है कि हैदराबाद में पहली रेस फरवरी 2023 में सफलतापूर्वक आयोजित हुई थी, लेकिन 2024 के लिए तय दूसरे संस्करण को कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद रद्द कर दिया गया था।

दिसंबर 2024 में एसीबी ने इस मामले में आपराधिक गबन, विश्वासघात और साजिश रचने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। इस कानूनी कार्रवाई के लिए पिछले साल नवंबर में तत्कालीन राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने केटीआर के खिलाफ और पिछले महीने केंद्र सरकार ने आईएएस अरविंद कुमार के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। दूसरी ओर, केटीआर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। उनका कहना है कि धनराशि का हस्तांतरण केवल हैदराबाद की वैश्विक छवि को बेहतर बनाने के लिए किया गया था और इसमें कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है।

आज जुटेगी 'सुरक्षा संकल्प कार्यशाला'

एचआईवी के खिलाफ एनएसीओ का बड़ा अभियान

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय स्तर पर एचआईवी की रोकथाम और जिला स्तर पर कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए केंद्र सरकार ने कमर कस ली है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा 25 मार्च को हैदराबाद में 'सुरक्षा संकल्प कार्यशाला' का आयोजन किया जा रहा है। इस उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता एनएसीओ के अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक डॉ. राकेश गुप्ता करेंगे। 'मिशन एड्स सुरक्षा' के तहत शुरू की गई इस पहल का मुख्य उद्देश्य उन जिलों में कार्यक्रम के क्रियान्वयन को मजबूत करना है, जहां एचआईवी संक्रमण की दर अधिक है।

तेलंगाना में वर्तमान में एचआईवी की व्यापकता दर 0.41 है और यहां लगभग 1,56,961 लोग इस बीमारी के साथ जीवन यापन कर रहे हैं। राज्य की इस स्थिति को देखते हुए इसे 'प्राथमिकता वाले राज्य' के रूप में चिन्हित किया गया है। कार्यशाला में तेलंगाना के उन 19 जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जहां संक्रमण का बोझ सबसे अधिक है।

इस कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी की परियोजना निदेशक डॉ.एस. संगीता सत्यनारायण के साथ-साथ विभिन्न जिलों के कलेक्टर, चिकित्सा अधिकारी और एड्स नियंत्रण पदाधिकारी भी शामिल होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कार्यशाला के माध्यम से जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों, जैसे दवाओं की उपलब्धता और सामाजिक भेदभाव, पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। 19 चयनित जिलों के प्रतिनिधि अपनी प्रगति रिपोर्ट पेश करेंगे और भविष्य के लिए एक लक्षित रणनीति तैयार करेंगे ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच हर प्रभावित व्यक्ति तक सुनिश्चित की जा सके। केंद्र और राज्य सरकार का यह साझा प्रयास आने वाले समय में एचआईवी संक्रमण की दर को न्यूनतम स्तर पर लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

रामनगर राम मंदिर में श्रीराम नवमी पर विशेष तैयारियां

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामनगर स्थित राम मंदिर में श्रीराम नवमी के अवसर पर सीताराम का कल्याण समारोह आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर दर्शन के लिए कतार में खड़े भक्तों को सुविधा देने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। भक्तों को तेज धूप से बचाने के लिए पूरी लाइन के ऊपर छाया देने वाले तंबू लगाए गए हैं। दर्शन करने वाले प्रत्येक भक्त को माला और मोतियों से बने तिलक प्रदान किए जाएंगे।

श्रीराम नवमी के दिन मंदिर आने वाले भक्तों को प्राथमिकता दी जाएगी और दर्शन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

पूर्व अनुभवों को ध्यान में रखते हुए दर्शन में विलंब न हो, इसके लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है। मंदिर व्यवस्थापक जग्गा रेड्डी ने इन तैयारियों का निरीक्षण किया और स्पष्ट निर्देश दिए। रामनगर राम मंदिर समिति ने बताया कि श्रीराम नवमी के अवसर पर मंदिर आने वाले भक्तों के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी की गई हैं, ताकि वे आराम से और सुरक्षित रूप से दर्शन कर सकें।

संतोष नगर फ्लाईओवर का निर्माण जून तक पूरा होगा : कर्णन

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि चंचलगुड़ा-संतोष नगर स्टील फ्लाईओवर का निर्माण जून तक पूरा किया जाए। कमिश्नर ने मंगलवार को संतोष नगर में चल रहे निर्माण कार्य का अनियोजित निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण की गति तेज करने के निर्देश दिए और जोर दिया कि जून को निर्माण पूरा होने की अंतिम समयसीमा माना जाए। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर के साथ चारमीनार जोनल कमिश्नर श्रीनिवास रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

जगतियाल में कांग्रेस को बड़ा झटका

जीवन रेड्डी के इस्तीफे की घोषणा से मची खलबली

जगतियाल, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस में उस समय हड़कंप मच गया जब वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी ने 25 मार्च को पार्टी छोड़ने का औपचारिक ऐलान कर दिया। इस आपात स्थिति को देखते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने वरिष्ठ नेता को मनाने के लिए खुद कमान संभाल ली है। मंगलवार को टीपीसीसी प्रमुख ने एआईसीसी सचिव सचिन सावंत और सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास के साथ जीवन रेड्डी के आवास पर पहुंचकर उनसे लंबी चर्चा की। हालांकि, स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब जीवन रेड्डी ने अपने कंधे पर कांग्रेस का स्कार्फ (खंडवा) पहनने से साफ इनकार कर दिया, जिससे उनके कड़े रुख के संकेत मिल रहे हैं।

जीवन रेड्डी की नाराजगी का मुख्य कारण बीआरएस छोड़कर कांग्रेस में आए जगतियाल विधायक डॉ. संजय कुमार को पार्टी द्वारा दी जा रही अत्यधिक प्राथमिकता बताई जा रही है। रविवार को अपने समर्थकों के साथ बैठक के बाद उन्होंने पार्टी से नाता तोड़ने की तारीख तय कर दी थी।

इससे पहले आलाकमान ने मंत्री डी. श्रीधर बाबू और अडलुरी लक्ष्मण कुमार को भी उन्हें मनाने भेजा था, लेकिन वार्ता बेनतीजा रही। जीवन रेड्डी के समर्थकों का आरोप है कि पार्टी के पुराने वफादारों की अनदेखी कर दलबदलुओं को तवज्जो दी जा रही है। इस्तीफे की समय सीमा करीब आने के साथ ही जीवन रेड्डी के आवास पर भारी तनाव देखा गया। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने जगतियाल डीसीसी अध्यक्ष नंदैया को घर में प्रवेश करने से रोक दिया, क्योंकि उन्होंने हाल ही में विधायक संजय कुमार के प्रति अपनी निष्ठा बदल ली थी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अगले 24 घंटे तेलंगाना कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि टीपीसीसी अध्यक्ष अब भी जीवन रेड्डी को अपना फैसला बदलने के लिए मनाने की कोशिशों में जुटे हैं।

तेलंगाना में ईंधन संकट नहीं, सरकार ने कमी की अफवाहों को किया खारिज

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने स्पष्ट किया है कि राज्य में पेट्रोल, डीजल या घरेलू एलपीजी की कोई कमी नहीं है। आपूर्ति विभाग ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि तेल रिफाइनरियों से स्थानीय डिपो तक की आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह कार्यरत है और सभी जिलों में नागरिकों की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। कुछ रिटेल पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों और अस्थायी 'स्टॉक नहीं' बोर्ड की खबरें केवल झूठी अफवाहों के कारण अचानक पैनिक खरीदारी का नतीजा हैं।

जब लोग अपने टैंकों को पूरी क्षमता तक भरने के लिए अनावश्यक रूप से दौड़ते हैं, तो यह कृत्रिम कमी पैदा करता है, जबकि डिपो में पर्याप्त ईंधन उपलब्ध है। इसके अलावा, हाल ही में तेल विपणन कंपनियों द्वारा अग्रिम भुगतान मॉडल में किए गए प्रशासनिक बदलावों के कारण कुछ स्थानीय डीलरों के लिए अस्थायी लॉजिस्टिक समायोजन हुआ है।

यह केवल आंतरिक प्रशासनिक व्यवस्था है और आपूर्ति की कमी से कोई संबंध नहीं है। स्थिति को नियंत्रित करने और निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें, तेल विपणन कंपनियों और पुलिस विभाग के साथ मिलकर ईंधन आउटलेट्स की निगरानी कर रही हैं।

किसी को ईंधन की जमाखोरी, ब्लैक मार्केटिंग या घरेलू एलपीजी सिलेंडरों को वाणिज्यिक उपयोग के लिए अवैध रूप से मोड़ने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने सभी नागरिकों से शांत रहने और पैनिक खरीदारी से बचने की अपील की है। जनता से अनुरोध है कि केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें और सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि की अफवाहों को न फैलाएं। किसी भी सवाल या अनियमितताओं की रिपोर्ट करने के लिए नागरिक सिविल सप्लाइज टोल-फ्री हेल्पलाइन 1967 पर संपर्क कर सकते हैं।

शिक्षा बजट और शुल्क वापसी को लेकर बीआरएसवी का विधानसभा घेराव

कई नेता हिरासत में

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र की कथित उपेक्षा और लंबित शुल्क वापसी की मांग को लेकर मंगलवार को बीआरएस छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना विधानसभा का घेराव करने का प्रयास किया। अचानक हुए इस विरोध प्रदर्शन से विधानसभा क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगाते हुए मुख्य द्वार तक जा पहुंचे, जहां पुलिस के साथ उनकी तीखी झड़प हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने बीआरएसवी के प्रदेश अध्यक्ष गेलू श्रीनिवास यादव और उपाध्यक्ष थुंगा बालू समेत दर्जनों छात्र नेताओं को हिरासत में लेकर पंजागुट्टा और नामपल्ली थानों में भेज दिया। मीडिया से बात करते हुए श्रीनिवास यादव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर शिक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता न देने का आरोप लगाया।

नौकरियों के वादे पर घिरी सरकार

26 मार्च को बेरोजगार युवाओं का 'चलो विधानसभा' का आह्वान

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार द्वारा दो लाख सरकारी नौकरियों की भर्ती का चुनावी वादा पूरा न किए जाने से नाराज बेरोजगार युवाओं ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

युवाओं ने आगामी 26 मार्च को 'चलो विधानसभा' विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है, जिसमें राज्य भर से बड़ी संख्या में शिक्षित बेरोजगारों के शामिल होने की संभावना है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार बने दो साल से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक न तो कोई नया जॉब कैलेंडर जारी हुआ है और न ही रिक्त पदों को भरने के लिए कोई ठोस अधिसूचना आई है।

बेरोजगार युवा नेता इंद्र नायक ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में सत्ता में आने के एक साल के भीतर दो लाख भर्तियां करने और नौकरी मिलने तक हर महीने 4,000 रुपये बेरोजगारी भत्ता देने का आश्वासन दिया था। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि भर्ती में देरी के कारण कई अभ्यर्थी ऊपरी आयु सीमा को पार कर चुके हैं, जिससे वे भविष्य की परीक्षाओं के लिए अपात्र हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां की सरकार ने जॉब कैलेंडर और अधिसूचना जारी कर दी है, जबकि तेलंगाना में युवा अब भी इंतजार कर रहे हैं।

हॉस्टल में युवती का वीडियो बनाने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसआर नगर पुलिस ने बापुनगर स्थित एक निजी हॉस्टल में नहा रही युवती का कथित तौर पर वीडियो बनाने के आरोप में 26 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रंजीत के रूप में हुई है, जो मूल रूप से वारंगल जिले का निवासी है और पिछले कुछ दिनों से उसी छात्रावास में रह रहा था। पुलिस इंस्पेक्टर श्रीनिवास रेड्डी के अनुसार, यह शर्मनाक घटना रविवार रात को उस समय घटी जब हॉस्टल मालिक की 25 वर्षीय बेटी स्नान कर रही थी। खबरों के मुताबिक, रंजीत खिड़की या किसी अन्य माध्यम से अपने मोबाइल फोन पर वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश कर रहा था, तभी हॉस्टल मालिक की नजर उस पर पड़ गई। मालिक ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी रंजीत को रंगे हाथों पकड़ लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। एसआर नगर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और अब इस बात की जांच की जा रही है कि क्या आरोपी ने पहले भी इस तरह की कोई हरकत की है।

टीजीरेडको और वैश्विक हरित विकास संस्थान के बीच समझौता

तेलंगाना में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए उठाया कदम

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में ऊर्जा दक्षता और सतत विकास को प्रोत्साहन देने के लिए तेलंगाना नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम और वैश्विक हरित विकास संस्थान के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता टीजीरेडको की प्रबंध निदेशक अनिला वाविला और जीजीजीआई भारत के प्रतिनिधि सौम्य प्रसाद गरनायक के बीच संपन्न हुआ।

इस अवसर पर ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव नवीन मित्तल उपस्थित रहे। यह पहल 'स्मार्टी-बी' कार्यक्रम के अंतर्गत की गई है, जिसका उद्देश्य भवन क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना और नवीन वित्तीय व्यवस्थाओं के माध्यम से सुधारों को तेज करना है। समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थाएं मांग प्रबंधन, सतत शीतलन, ऊर्जा दक्ष भवन, हरित लघु एवं मध्यम उद्यम तथा विद्युत वाहन जैसे क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्य करेंगी। साथ ही व्यवहार्य परियोजनाओं का विकास, नवीन वित्तीय मॉडल और संस्थागत क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस सहयोग से राज्य को वैश्विक तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा, जिससे तेलंगाना कम कार्बन उत्सर्जन, ऊर्जा संरक्षण और सतत विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकेगा। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल नीतिगत ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ ऊर्जा दक्ष तकनीकों को अपनाने में मदद करेगी और हरित निवेश तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी।

यह समझौता तेलंगाना की सतत विकास की प्रतिबद्धता और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नवाचार आधारित प्रयासों को और सुदृढ़ करता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.